राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.gauravshalibharat.com

गौरवशाली भारत

नई दिल्ली से प्रकाशित

वर्ष : 12
अंक : 36
पृष्ठ : 08
नई दिल्ली
रविवार 21 अगस्त 2022
मूल्य : 1.50/-
RNI No .DELHIN/2011/38334

मुख्य अपडेट | पेज 3 देशभर में श्रद्धा भक्ति और उल्लास के साथ मनाई गई जन्माष्टमी, भगवान श्री कृष्ण की जन्मस्थली मथुरा समेत देश भर के मंदिरों में मची धूम | पेज 5 उधार देना बना जानलेवा, 70 हजार रुपए वापस मांगने पर दोस्त ने गला घोंटकर की हत्या | पेज 7 ड्रैगन का विस्तारवादी रवैया दक्षिण चीन सागर तक ही सीमित नहीं, ताइवान के विदेश मंत्री ने किया आगाह

श्री कृष्ण जन्माष्टमी

केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री, अमित शाह अहमदाबाद, गुजरात में श्री कृष्ण जन्माष्टमी के शुभ अवसर पर इस्कॉन मंदिर में पूजा-अर्चना करते हुए।

हिमाचल में बारिश का कहर, 19 की मौत

धर्मशाला में 64 साल का रिकॉर्ड टूटा; मंडी-चंबा और कांगड़ा में सभी स्कूल-कॉलेज बंद

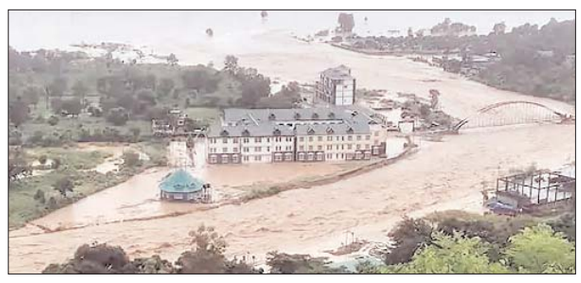

शिमला। हिमाचल में 24 घंटे से हो रही भारी बारिश ने तबाही मचाई है। इससे हुए अलग-अलग हादसों में अब तक 19 लोगों की मौत हुई है। सबसे ज्यादा मंडी जिले में 12 लोगों की मौत हुई है। इसके बाद चंबा में 3, जबकि शिमला और कांगड़ा 2-2 लोगों ने जान गंवाई।

राज्य में शुक्रवार से शनिवार के बीच बाढ़, लैंड स्लाइड और बादल फटने की 34 घटनाएं हुई हैं। कांगड़ा, मंडी और चंबा जिले सबसे ज्यादा प्रभावित हैं।

इन जिलों में कई लोग लापता हैं। हालात इतने गंभीर हैं कि राज्य के चीफ सेक्रेटरी आरडी धीमान ने अधिकारियों की इमरजेंसी मीटिंग ली।

राज्य सरकार ने बारिश से बुरी तरह प्रभावित कांगड़ा, मंडी और चंबा जिले में सभी स्कूल-कॉलेज बंद करने के निर्देश दिए हैं। बाकी जिलों के डीसी भी हालात के अनुसार स्कूल-आंगनवाड़ी सेंटर बंद करने का फैसला ले सकेंगे।

कांगड़ा के धर्मशाला में 24 घंटे में 333 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई है। इसके साथ ही यहां बारिश का 64 साल का रिकार्ड टूट गया। इससे पहले 6 अगस्त 1958 को यहां 314.9 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई थी। बारिश के कहर से हिमाचल के अलग-अलग जिलों में 742 सड़कें ब्लॉक हो गईं। बिजली के 2000 ट्रांसफॉर्मर बंद हो गए और 172 पेयजल योजनाएं प्रभावित हैं।

उधर, कांगड़ा में भारी बारिश से चक्की नदी में बना पंजाब और हिमाचल को जोड़ने वाला रेलवे पुल बह गया। हालांकि, इस पुल को एक हफ्ते पहले ही असुरक्षित घोषित कर दिया था और अगस्त के पहले हफ्ते में ही बंद कर दिया था।

मंडी में पहाड़ धंसा, एक ही परिवार के 8 लोग दबे

मंडी जिले में बारिश का कहर सबसे ज्यादा बरपा है। यहां गोहर में पहाड़ी धंसने से काशन पंचायत के जड़ोन गांव में एक ही परिवार के 8 सदस्य इसकी चपेट में आ गए। सभी के शव बरामद कर लिए गए हैं। घटना के समय सभी घर में सो रहे थे। यहां तीन अन्य हादसों में 4 और लोगों की मौत हुई है।

राज्य के 12 में से 11 जिलों में अगले 46 घंटे भारी बारिश का अलर्ट

मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के निदेशक सुरेंद्र पाल ने बताया कि अगले 36 से 46 घंटे तक राज्य में भारी बारिश का येलो अलर्ट रहेगा। इस दौरान लाहौल स्पीति को छोड़कर बाकी सभी 11 जिलों में भारी बारिश के आसार हैं। प्रदेश में मौसम 24 अगस्त के बाद ही साफ होने की उम्मीद है।

पिछले 24 घंटे में कांगड़ा में सबसे ज्यादा 346.6 मिमी बारिश-हिमाचल में बीते 24 घंटे के दौरान कांगड़ा जिला में सबसे ज्यादा 346.6 मिलीमीटर बारिश हुई। मंडी में 119.6 मिमी, डलहौजी में 111 मिमी, पालमपुर में 113 मिमी, सुंदरनगर में 77.7 मिमी, धर्मशाला में 333 मिमी, बरठीं में 60, शिमला में 57.7 मिमी और कुफरी में 69 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई।

मुंबई में 26/11 जैसे हमले की धमकी

पुलिस को पाकिस्तानी नंबर से भेजा वॉट्सएप मैसेज; एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया

मुंबई। मुंबई में 26/11 जैसा हमला करने की धमकी दी गई है। पुलिस को पाकिस्तान के एक नंबर से शुक्रवार रात वॉट्सऐप मैसेज मिला। इसमें कहा गया है कि अगर लोकेशन ट्रेस की गई तो वह भारत के बाहर की मिलेगी और धमाका मुंबई में होगा। धमकी में कहा गया है कि 6 लोग भारत में, जो इस काम को अंजाम देंगे। जिस नंबर से यह मैसेज किया गया है वह पाकिस्तान का है। मैसेज में उदयपुर कांड का भी जिक्र है। इस मामले में पुलिस ने वर्ली थाने में स्नड्डक्रदर्ज की है। वहीं, एक व्यक्ति को हिरासत में भी लिया गया है। इससे पहले मुंबई पुलिस कमिश्नर विवेक फणसालकर ने कहा कि कंट्रोल रूम के मोबाइल नंबर पर टेरर मैसेज मिला है। इसमें मुंबई को उड़ाने की धमकी दी है। मैसेज में अजमल कसाब और अल जवाई का भी जिक्र है। उस व्यक्ति ने भारत में भी कुछ लोगों के होने की बात कही है। नंबर में जो कोड दिख रहा है, वो पाकिस्तान का लग रहा है। जांच में नाम, पता, नंबर सबकी जानकारी मिल जाएगी। कमिश्नर ने कहा कि मुंबई पुलिस किसी भी धमकी को हल्के में नही लेती है। अभी मुंबई के वर्ली पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज करने की प्रक्रिया चल रही है। इसके बाद केस क्राइम ब्रांच को सौंपा जाएगा।

दिल्ली में इंटरनेशनल फेक पासपोर्ट रैकेट का खुलासा

मास्टरमाइंड सहित 5 लोग गिरफ्तार; 200 लोगों को भेज चुके हैं विदेश

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की IGI इकाई ने सबसे बड़े अंतरराष्ट्रीय नकली पासपोर्ट/वीजा रैकेट का भंडाफोड़ किया है। इसमें ग्रुप के मास्टरमाइंड सहित 5 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इनकी पहचान जाकिर, रवि, जमील, संजय और इमतियाज के रूप में हुई है। पुलिस को इनके पास से फर्जी पासपोर्ट, फर्जी वीजा सहित अन्य संबंधित चीजें बरामद हुई हैं। फिलहाल, पुलिस इनसे पूछताछ कर रही है। DCP (IGI एयरपोर्ट) तनु शर्मा ने बताया कि यह सिंडिकेट लंबे समय से चल रहा था। जाकिर इसका मास्टरमाइंड है। वह कई फिल्मों का फाइनेंसर है।

उसने अब तक 200 लोगों को विदेश भेजा है। गिरफ्तार हुए व्यक्तियों के पास नकली रबर स्टैंप, 325 फर्जी पासपोर्ट, ड्राइविंग लाइसेंस, 175 फर्जी वीजा, 12 प्रिंटर भी मिले हैं। इसमें अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और चीन के वीजा भी शामिल हैं। दिल्ली पुलिस की IGI यूनिट फर्जी पासपोर्ट के मामले में लगातार कार्रवाई कर रही है।

DCP ने बताया कि इस मामले में आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। इस सिंडिकेट में कई और लोगों की गिरफ्तारी होने की संभावना है। बताया जा रहा है कि यह रैकेट 2008 से एक्टिव था और अब तक करोड़ों की कमाई कर चुका है।

दिल्ली में 2 बांग्लादेशी गिरफ्तार, एक दर्जन पासपोर्ट मिले

दिल्ली पुलिस ने 14 अगस्त को पालम इलाके से दो बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ा था। इनके पास से कई पासपोर्ट और बांग्लादेश के मंत्रालयों के 10 नकली स्टाम्प बरामद किए गए। इनकी पहचान मोहम्मद मुस्तफा और मोहम्मद हुसैन के रूप में हुई।

कोविड टीकाकरण में 209.40 करोड़ से अधिक टीके लगे

नयी दिल्ली। देश भर में राष्ट्रीय कोविड टीकाकरण अभियान के अंतर्गत 209.40 करोड़ से अधिक कोविड टीके लगाए गए हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने यह शनिवार को यहां बताया कि आज सुबह सात बजे तक दो अरब 9 करोड़ 40 लाख 48 हजार 140 टीके दिये जा चुके हैं। मंत्रालय ने बताया कि पिछले 24 घंटों में कोविड संक्रमण के 13 हजार 272 नये मरीज सामने आयें हैं। इनके साथ ही देश में कोरोना रोगियों की संख्या एक लाख एक हजार 166 हो गयी है। यह संक्रमित मामलों का 0.23 प्रतिशत है। दैनिक संक्रमण दर 4.21 प्रतिशत हो गयी है। मंत्रालय ने बताया कि इसी अवधि में 13 हजार 900 लोग कोविड से मुक्त हुए हैं। अभी तक कुल 4 करोड़ 36 लाख 99 हजार 435 रोगी कोविड से उबर चुके हैं।

कोविड-19 : देश में बीते 24 घंटे में 13,900 लोग कोविड मुक्त

नयी दिल्ली। देश में पिछले 24 घंटे में 13,900 लोग कोरोना वायरस (कोविड-19) महामारी से ठीक हुए है इसी के साथ इस बीमारी से उबरने वालों की संख्या बढ़कर 4,36,99,435 हो गयी है। देश में रिकवरी दर 98.58 प्रतिशत है।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि सुबह सात बजे तक 209.40 करोड़ टीके दिये जा चुके हैं। मंत्रालय ने बताया कि कोरोना वायरस (कोविड-19) महामारी से 30 और लोगों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा बढ़कर पांच लाख 27 हजार 289 तक पहुंच गई है। देश में कोरोना सक्रिय मामलों की संख्या एक लाख

एक हजार 166 हो गयी है। सक्रिय मामलों की दर 0.23 प्रतिशत है। दैनिक संक्रमण दर 4.21 प्रतिशत हो गयी है।

मंत्रालय ने बताया कि कोरोना वायरस (कोविड-19) संक्रमण के 13,372 नये मामले सामने आने के साथ ही संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर चार करोड़ 43 लाख 27 हजार 890 तक पहुंच गयी। पिछले 24 घंटे में 3,15,231 कोविड परीक्षण किए गये हैं। देश में कुल 88.21 करोड़ से अधिक कोविड परीक्षण किए हैं।

पंजाब में सक्रिय मामले 311 बढ़कर 15856 हो गये हैं। राज्य में इस बीमारी से 747101 लोग ठीक हो चुके हैं। तथा दो और मरीजों की मौत होने से इस महामारी से मरने वालों की संख्या बढ़कर 17874 हो गई है।

इस अवधि में महाराष्ट्र में 43 सक्रिय मामले बढ़ने से इनकी कुल संख्या बढ़कर 11733 हो गयी। राज्य में इस महामारी से अब तक 7920772 लोग मुक्त हो चुके है और मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 148191 तक पहुंच गया है।

गुजरात हाईकोर्ट ने गैंगरेप के आरोपी को जमानत दी

कोर्ट ने कहा- पीड़िता केस के बाद भी आरोपी के साथ घूमती रही, आरोप गलत लग रहा है

अहमदाबाद। गुजरात हाईकोर्ट ने गैंगरेप में शामिल एक व्यक्ति को जमानत दी है। कोर्ट का कहना है कि आरोप लगाने के बाद पीड़िता के आरोपी के साथ अच्छे संबंध थे। ऐसे गंभीर आरोप लगाने के बाद भी वह उसके साथ घूमती रही। उसकी खातिरदारी का आनंद लेती रही। ऐसे में आरोप गलत प्रतीत होता है।

दरअसल, महिला अपने 5 पुरुष दोस्तों के साथ गुजरात के अहमदाबाद से गांधीधाम शहर घूमने गई थी। लौटने के बाद उसने इनमें से 4 लोगों पर गैंगरेप के आरोप लगाए। लेकिन साथ गए एक पुरुष का नाम नहीं लिया। इसके बाद वह गोवा घूमने भी गई। वहां से आने के बाद उसने उस युवक पर भी गैंगरेप में शामिल होने का आरोप लगा दिया। इस मामले में कोर्ट पहले ही एक आरोपी को जमानत दे चुका है। इसी जमानत के आधार पर मुख्य आरोपी ने जमानत याचिका दायर की थी।

सुनवाई के दौरान जज राजेंद्र सरीन ने कहा कि पेश किए गए सबूतों से पता चलता है कि महिला के आरोपी के साथ दोस्ताना संबंध हैं। इससे बलात्कार का आरोप भी गलत प्रतीत होता है, क्योंकि पहले वह आरोपी की खातिरदारी का आनंद ले रही थी, फिर उसके साथ घूमने भी गई। कोर्ट ने कहा कि महिला पढ़ी लिखी है। वह गरीब परिवार से भी नहीं आती है, ताकि उसे आरोपियों के साथ जाने के लिए मजबूर किया जा सके। अदालत ने महिला के उस आरोप को भी खारिज कर दिया है, जिसमें उसने रेप की वीडियोग्राफी और वारदात से पहले ब्लैकमेलिंग का आरोप लगाया था। महिला अदालत में इस आरोप को साबित नहीं कर पाई।

पीड़िता ने आरोपी के बेल एप्लीकेशन पर अपत्ति दर्ज करवाई

बता दें कि पीड़िता ने आरोपी के बेल एप्लीकेशन पर आपत्ति दर्ज करवाई। उसका कहना था कि उसे पहले भी धमकी दी गई थी। ऐसे में अगर आरोपी रिहा होता है, तो वह सबूतों से छेड़छाड़ कर सकता है। आरोपियों पर धारा 376 (डी), 120 (बी), 406, 294 (बी), 506 (2), 328, 362 और 114 के तहत मामला दर्ज किया गया था।

500 करोड़ रुपये के एक्सटॉर्शन केस में 22 लोग गिरफ्तार

गैंग चीनी नागरिकों के इशारे पर करता था काम

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने दो महीने से अधिक समय तक चले एक ऑपरेशन में 500 करोड़ रुपये से अधिक के इंस्टेंट लोन-कम-एक्सटॉर्शन रैकेट का भंडाफोड़ कर देश के विभिन्न हिस्सों से 22 लोगों को गिरफ्तार किया। इस गैंग के तार पड़ोसी देश चीन से जुड़े हैं और इसमें कई चीनी नागरिक भी शामिल हैं।

अधिकारियों ने शनिवार को इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि यह गिरोह चीनी नागरिकों के इशारे पर संचालित होता था और जबरन वसूली का पैसा हवाला और क्रिप्टोकरेंसी के जरिए चीन में भेजा जा रहा था।

पुलिस के अनुसार, सैकड़ों शिकायतें दर्ज की गई थीं जिनमें आरोप लगाया गया था कि लोन उच्च ब्याज दरों पर दिए जा रहे थे और ब्याज सहित रकम की पूरी वसूली के बाद गिरोह लोगों से उनकी मॉर्फ्ड अश्लील तस्वीरों का उपयोग करके अधिक पैसे वसूल करता था।

चीन और हांगकांग के सर्वरों पर डाली जाती थीं संवेदनशील जानकारियां

दिल्ली पुलिस के इंटेलिजेंस फ्यूजन एंड स्ट्रैटेजिक ऑपरेशन (आईएफएसओ) यूनिट ने इन शिकायतों का संज्ञान लिया और जांच के दौरान पाया कि इस तरह के 100 से अधिक शिकातें प्राप्त हुई थीं। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि

यह गिरोह ऐप यूजर्स से कई अनुचित परमिशन मांग रहा था। ऐप यूजर्स के कॉन्टैक्ट्स, चैट, मैसेजों और फोटो का एक्सेस मिलने के बाद, यह गिरोह चीन और हांगकांग स्थित अपने सर्वरों पर संवेदनशील जानकारियां अपलोड करता था। छोटी मात्रा में लोन प्रदान करने की आड़ में ऐप विकसित किए गए थे। अधिकारी ने कहा कि यूजर्स ऐसे ऐपों में से किसी एक को डाउनलोड करते, ऐप को अनुमति देते और लोन की राशि मिनटों में उनके खाते में जमा हो जाती।

लोन लेने वालों को विभिन्न नंबरों से आते थे कॉल

डीसीपी (आईएफएसओ) केपीएस मल्होत्रा ने कहा कि इसके बाद लोन लेने वाले व्यक्ति को विभिन्न नंबरों से कॉल आने शुरू हो जाते जो नकली आईडी पर प्राप्त किए गए थे, जो यह धमकी देते हुए पैसे की उगाही करते थि कि अगर उन्होंने रुपये नहीं दिए तो उनकी मॉर्फ्ड अश्लील तस्वीरें इंटरनेट पर अपलोड कर दी जाएंगी। डीसीपी ने कहा कि सामाजिक बदनामी और कलंक के कारण यूजर्स उन्हें पैसों का भुगतान करते थे, जिसे बाद में हवाला के माध्यम से या क्रिप्टोकरेंसी खरीदने के बाद चीन भेज दिया जाता था।

कई लोग कर चुके हैं आत्महत्या

एक व्यक्ति जिसे 5,000 से 10,000 रुपये तक के छोटे लोन की सख्त जरूरत होती थी, उसे बदले में कई लाख रुपये देने के लिए मजबूर किया जाता था। पुलिस ने कहा कि इसके कारण कई आत्महत्याएं भी हुई हैं। उन्होंने कहा कि गैंग ने कई खातों का इस्तेमाल किया और प्रत्येक खाते में प्रतिदिन 1 करोड़ रुपये से अधिक प्राप्त किए।

हत्या

भीख तक मांगी; पेट पालने के पैसे नहीं थे तो बच्चा नहर में फेंका

बेरोजगारी के कारण 11 महीने के बेटे को मार डाला

सांचौर (जालोर)। राजस्थान के जालोर में आर्थिक तंगी से परेशान एक पिता ने अपने 11 महीने के बेटे को नर्मदा नहर में फेंककर मार डाला। आरोपी ने 2 साल पहले लव मैरिज की थी। कोई काम नहीं होने के कारण घर खर्च नहीं चला पा रहा था। ऐसे में उसने बच्चे को मारने का प्लान बनाया और दादा-दादी के पास छोड़ने के बहाने पत्नी-बच्चे को लेकर गुजरात से राजस्थान आ गया। घटना जालोर के सांचौर की है। करीब 24 घंटे बाद मासूम का शव मिला। पुलिस ने आरोपी पिता को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी मुकेश (24) बनासकांठा के वाव

थाना क्षेत्र के नलोधर गांव का रहने वाला है। सांचोर थाने के एएसआई राजू सिंह ने बताया कि अपने 11 महीने के बेटे के मर्डर से पहले गुरुवार को मुकेश ने सिद्धेश्वर (सांचौर) गांव में रामदेवरा यात्रियों के लिए लगाए गए राम रसोड़े में खाना खाया। फिर पत्नी से कहा, हमारी लव मैरिज के चलते घरवाले नाराज हैं, इसलिए मैं अकेले जाकर बच्चे को उसके दादा-दादी के पास छोड़ आता हूं।

पुलिस के मुताबिक उसने पत्नी को वहीं पर रोका और 200 मीटर दूर जाकर बेटे को नहर में फेंक दिया। वापस आकर उसने पत्नी को बताया कि बच्चे को घर के बाहर छोड़कर आया हूं। घरवालों को फोन करके बता दूंगा।

आरोपी बोला- भीख भी मांग चुका हूं

मुकेश ने पुलिस को बताया कि करीब 2 साल पहले उसने बिहार के मुजफ्फरपुर की लड़की से लव मैरिज की थी। वह शादी के बाद पत्नी के साथ अहमदाबाद में रह रहा था। वहां पर वह सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी करता था। करीब 7 महीने पहले उसकी नौकरी छूट गई। उसने परिवार चलाने के लिए भीख तक मांगी। पर कोई फायदा नहीं हुआ। आर्थिक तंगी से परेशान होकर उसने पूरे परिवार के साथ कांकरिया (अहमदाबाद) तालाब में कूदकर सुसाइड करने का प्लान बनाया था, लेकिन वहां लोगों की आवाजाही होने से तब वह ऐसा नहीं कर पाया।

20 किलोमीटर दूर मिला बच्चे का शव

राम रसोड़े में पुलिस मित्र काना राम (43) ने पति-पत्नी को पहले बच्चे के साथ देखा था, लेकिन थोड़ी देर बाद उनके पास बच्चा नहीं था। शक होने पर उसने सांचौर पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया। उसने बताया कि बेरोजगारी के कारण मेरे पास बच्चे को खिलाने के लिए कुछ भी नहीं है, इसलिए नहर में फेंक दिया। आरोपी के कबूलनामे के बाद पुलिस ने शुक्रवार शाम करीब 5 बजे सिद्धेश्वर से 20 किलोमीटर दूर तेतरोल में नहर से बच्चे का शव बरामद कर लिया और पोस्टमार्टम के बाद नगर पालिका के सहयोग से उसका अंतिम संस्कार करवाया।

बांके बिहारी मंदिर में दम घुटने से 2 की मौत

रात 2 बजे मंगला आरती में पहुंचे थे 50 हजार लोग, क्षमता 800 की थी, 50 बेहोश होकर गिर पड़े

मथुरा। जन्माष्टमी पर बांके बिहारी मंदिर में रात दो बजे मंगला आरती के दौरान दम घुटने से दो श्रद्धालुओं की मौत हो गई। 6 श्रद्धालुओं की तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायलों को फिलहाल वृंदावन के 3 अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। मरने वालों में एक महिला और एक पुरुष है। भीड़ इतनी ज्यादा थी कि 50 से ज्यादा लोग बेहोश होकर गिर पड़े।

मंदिर के सेवादारों के मुताबिक, अधिकारियों के परिजन छत पर बनी बालकनी से दर्शन कर रहे थे। अधिकारियों ने अपने परिवार की सुरक्षा के लिए ऊपरी मंजिल के गेट बंद करा दिए। भीड़ का दबाव बढ़ने लगा जिससे हादसा हुआ।

मृतकों के नाम

- **परिसर के आंगन तक क्षमता से ज्यादा लोग आने दिए गए।**
- **परिसर से दो एग्जिट गेट रखे गए थे। मगर वो ब्लॉक हो गए।**
- **अफसर वीआईपी दर्शन में व्यस्त रहे। व्यवस्थाएं बिगड़ती चली गईं।**

800 भक्त की क्षमता, पहुंचे 50 हजार से ज्यादा

ठाकुर बांके बिहारी मंदिर में रात 12 बजे श्रीकृष्ण का अभिषेक किया गया। इसके बाद ठाकुर जी का विशेष श्रृंगार हुआ। इस दौरान कपाट बंद थे। भक्त मंदिर के आंगन में इकट्ठा होते रहे। 1.45 बजे कपाट दोबारा खोले गए। इसके बाद 1.55 बजे मंगला आरती शुरू हुई। मंदिर के आंगन में एक साथ करीब 800 भक्त आ सकते हैं। अनुमान है कि यहां क्षमता से 50 हजार अधिक श्रद्धालु पहुंच गए। भीड़ अधिक होने की वजह से कुछ श्रद्धालुओं का दम घुटने लगा।

सांस लेने में दिक्कत होने के बाद नोएडा सेक्टर 99 की रहने वाली महिला निर्मला देवी और वृंदावन की भूलेराम कॉलोनी रुक्मणि विहार के रामप्रसाद विश्वकर्मा की सबसे पहले तबीयत बिगड़ी। रेस्क्यू टीम अस्पताल लेकर जा रही थी, मगर उन्होंने दम तोड़ दिया। राम प्रसाद मूल रूप से जबलपुर के रहने वाले हैं।

शार्ट न्यूज

मीरवाइज के संदर्भ में उपराज्यपाल का दावा झूठा

श्रीनगर। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने शनिवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर के उप राज्यपाल मनोज सिन्हा का हुर्रियत नेता मीरवाइज उमर फारूक के संदर्भ में किये गये दावे को झूठा करार दिया है। श्री महबूबा ने आज ट्वीट कर लिखा, अनावृत झूठ का सामना करना पड़ा। भारत सरकार हर विरोधाभासी राय के प्रति असहिष्णु है। अगर मीरवाइज नजरबंद नहीं है तो उन्हें अपने धार्मिक कर्तव्यों के निर्वहन करने की अनुमति दी जानी चाहिए। प्रशासन को उन्हें अगले शुक्रवार को जामा मस्जिद में धार्मिक उपदेश देने की अनुमति देने पर बात करनी चाहिए। उल्लेखनीय है कि शुक्रवार को बीबीसी हिंदी को दिए साक्षात्कार में उप राज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा था कि मीरवाइज खुद तय करना हैं कि उन्हें क्या चाहिए। उपराज्यपाल ने दावा किया था, हमारी तरफ से वह न तो नजरबंद हैं और न ही उन्हें गिरफ्तार किया गया है। श्री सिन्हा के इस दावे पर शुक्रवार को मुख्यधारा के साथ-साथ अलगाववादियों ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है।

जम्मू-कश्मीर के उधमपुर में मिट्टी का घर ढहने से दो बच्चों की मौत

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले में भारी बारिश के कारण मिट्टी का एक घर ढहने से दो बच्चों की मौत हो गई। पुलिस ने शनिवार को बताया कि भारी बारिश के कारण मित्तल क्षेत्र के समोले गांव में भूस्खलन हुआ। उन्होंने कहा, भूस्खलन के कारण मिट्टी का घर ढहने से दो बच्चों की मौत हो गई। उन्होंने कहा कि सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंचे बचाव दल ने मलबे से शव बरामद किये है। उन्होंने बताया कि मृतक बच्चों की पहचान आरिफ (3) और गनी (2) के रूप में हुई है। पुलिस ने कानूनी औपचारिकता के बाद शव परिजनों को सौंप दिये।

सीजेआई ने विजयवाड़ा में अदालत परिसर का उद्घाटन किया

विजयवाड़ा। भारत के मुख्य न्यायाधीश एन वी रमना ने यहां शनिवार को नवनिर्मित अदालत परिसर का उद्घाटन किया। न्यायमूर्ति रमना ने कहा कि वर्ष 2013 में उन्होंने ही यहां अदालत परिसर के निर्माण की आधारशिला रखी थी। परिसर के निर्माण कार्य में राज्य के विभाजन और वित्तीय बाधाओं के कारण देरी हुई थी। आखिरकार एक अरब रुपये की लागत वाला आठ मंजिला अदालत परिसर बनकर तैयार हो गया और आज इसका उद्घाटन हो गया। इस अवसर पर अपने संबोधन में न्यायमूर्ति रमना ने मामलों को तेजी से निपटाने की जरुरत को रेखांकित करते हुए कहा कि जितनी जल्दी हो सके , लोगों को न्याय मिलना चाहिए। उन्होंने जोर दिया कि अगर लोगों का न्यायपालिका में विश्वास कम होगा तो यह लोकतांत्रिक प्रणाली के लिए घातक होगा। न्यायमूर्ति रमना ने कहा कि उनके कार्यकाल में विभिन्न उच्च न्यायालयों में 15 मुख्य न्यायाधीश , उच्चतम न्यायालय में 11 और विभिन्न उच्च न्यायालयों में 250 न्यायाधीशों की नियुक्ति की गई। इस मौके पर मुख्यमंत्री वाई एस जगन मोहन

अनुव्रत मंडल की हिरासत अवधि 24 अगस्त तक बढ़ायी गयी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में आसनसोल की विशेष अदालत ने पशु तस्करी मामले में आरोपी अनुब्रत मंडल की हिरासत अवधि शनिवार को 24 अगस्त तक बढ़ा दी। इससे पहले अदालत ने मंडल को केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की 10 दिन की हिरासत में भेजा था। मंडल के वकील ने उनके स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए जमानत के लिए आवदेन किया था लेकिन सीबीआई के वकील ने इसका विरोध किया और कहा कि इससे सबूतों के साथ छेड़छाड़ होगी। आसनसोल लाने से पहले सीबीआई मंडल को नियमित जांच के लिए अस्पताल लेकर गई। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के बीरभूम जिले के अध्यक्ष मंडल को उसके गांव नीचूपट्टी में घर से 11 अगस्त को सीमा पार गायों की तस्करी घोटाला मामले में सीबीआई के साथ सहयोग नहीं करने और संघीय जांच एजेंसी के दस समनों को नहीं मानने के आरोप में गिरफ्तार किया था। मंडल ने जांच में सीबीआई के साथ सहयोग करने का दावा किया है।

शीर्ष अदालत से भी पंत परिवार को झटका

नैनीताल। उत्तराखंड के अल्मोड़ा के प्रसिद्ध चितई गोल्ज्यू मंदिर स्वामित्व विवाद में पंत परिवार को पुन: झटका लगा है। उच्चतम न्यायालय ने संध्या पंत की अपील को खारिज कर दिया है। शीर्ष अदालत ने उच्च न्यायालय के आदेश में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया है। दरअसल कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश रवि मलिमथ की अगुवाई वाली पीठ ने 19 नवम्बर, 2020 को महत्वपूर्ण निर्णय जारी करते हुए गोल्ज्यू मंदिर विवाद को सिविल न्यायालय में स्थानांतरित करते हुए कहा था कि सिविल अधिकारों को जनहित याचिका के माध्यम से निर्णित नहीं किया जा सकता है। पीठ ने इस विवाद के हल के लिये सिविल न्यायालय में वाद दायर करने के निर्देश दिये। अदालत ने यह भी कहा था कि विवाद के निपटारे तक अंतरिम व्यवस्था बनी रहेगी यानी मंदिर का प्रबंधन जिला प्रशासन की अगुवाई वाली कमेटी करेगी। इसी के साथ ही अदालत ने याचिका को पूरी तरह से निस्तारित कर दिया था। हाईकोर्ट के इस आदेश को पंत परिवार की संध्या पंत की ओर से शीर्ष अदालत में चुनौती दी गयी। संध्या पंत की ओर से दायर अपील में कहा गया कि गोल्ज्यू मंदिर की स्थापना वर्ष 1919 में पंडित केशव दत्त पंत व स्व0 भोला दत्त पंत की ओर से की गयी। मंदिर पर वास्तविक अधिकार इसी पंत परिवार का है।

धामी ने आपदा प्रभावित क्षेत्रों का किया स्थलीय निरीक्षण

देहरादून। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को थानो, कुमाल्डा एवं उसके आसपास के आपदा प्रभावित क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने कमिश्नर गढ़वाल एवं जिलाधिकारी टिहरी को निर्देश दिए कि आपदा प्रभावित क्षेत्र के लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाएं। उनके लिए भोजन एवं अन्य आवश्यक सामग्री की पर्याप्त व्यवस्था की जाय। श्री धामी ने जेसीबी से आपदा प्रभावित क्षेत्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जो मार्ग अवरुद्ध हुए हैं, लोगों को आवागमन के लिए वैकल्पिक मार्ग की व्यवस्था की जाए। जिन इन क्षेत्रों में पेयजल एवं विद्युत की आपूर्ति बाधित हुई है उन क्षेत्रों में विद्युत एवं पेयजल की जल्द सुचारू व्यवस्थाएं की जाय। थानों मार्ग पर क्षतिग्रस्त पुल का निरीक्षण करते हुए मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आवागमन को सुचारू करने के लिए शीघ्र वैकल्पिक व्यवस्था की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि आपदा प्रभावित क्षेत्रों में प्रशासन एवं एसडीआरएफ की टीमें निरंतर राहत एवं बचाव कार्यों के साथ ही अन्य व्यवस्थाएं कर रही हैं।

अवैध खनन होने से कमजोर पड़े पुल के पिलर, पुल गिरने से हिमाचल का संपर्क टूटा

पठानकोट। पंजाब के सीमावर्ती पठानकोट जिले में हिमाचल को जोड़ने वाला वह रेलवे पुल, जो अवैध खनन के कारण कमजोर हो चुका था ,आज भारी बारिश के दौरान पानी के तेज बहाव में गिर गया। गौरतलब है कि हाल में रेलवे की ओर से पंजाब सरकार को एक पत्र लिखकर निरंतर हो रहे अवैध खनन के कारण पिलरों के कमजोर होने के प्रति आगाह किया था। यह रेलवे पुल पंजाब तथा हिमाचल को जोड़ता है। चक्की दरिया पर बना पुल हिमाचल प्रदेश की लाइफलाइन कहलाता है। यह पठानकोट-जोगिंदरनगर नेरोगेज लाइन को जोड़ता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि उनके बच्चे पंजाब में पढ़ने इसी पुल से जाते थे। हिमाचल के व्यापारियों तथा गरीबों के लिये यही रेलवे पुल बड़ा सहारा था। लोगों का कहना है कि नदी में पानी कम होते ही ट्रैक्टर-ट्रालियों की भीड़ देखी जा सकती है। ये लोग पुल के पिलरों के आसपास से भी रेत निकालते हैं, जिससे पिलर के आसपास खड्डे पड़ गये जिसके कारण आज पुल गिर गया। इसे बनने में कितना समय लगेगा, इस बारे में अभी कुछ नहीं कहा जा सकता। गौरतलब है कि हिमाचल में भारी बारिश से कम से कम आठ लोगों की मौत हो गयी तथा 15 से अधिक लोग लापता हैं। कई सड़कें बंद हो गयीं और बिजली पानी की आपूर्ति ठप हो गयी।

पुंछ के कई इलाकों में पुलिस की रेड

आतंकी संगठन लश्कर और अल बद्र को धन भेजने को लेकर एक्शन

श्रीनगर। पुलिस ने एक हवाला गिरोह के संबंध में जम्मू-कश्मीर के पुंछ में कई स्थानों पर शनिवार को छापा मारा। इस गिरोह का पता उन दो लोगों की गिरफ्तारी के बाद चला था, जो आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा और अल बद्र को कथित रूप से धन भेज रहे थे।

पुंछ निवासी अब्दुल हामिद मीर को जम्मू बस अड्डे से बुधवार को और दिल्ली निवासी कपड़ा कारोबारी मोहम्मद यासीन को राष्ट्रीय राजधानी से गुरुवार को गिरफ्तार किया गया था। उनके पास से हवाला का 24 लाख रुपये धन बरामद हुआ था।

अधिकारियों ने बताया कि पुलिस शनिवार तड़के से पुंछ में कई स्थानों पर छापेमारी कर रही है। उन्होंने कहा कि छापेमारी जारी है और विस्तृत जानकारी का इंतजार किया जा रहा है। पुलिस के अनुसार, दिल्ली के तुर्कमान गेट के निवासी यासीन ने खुलासा किया है कि दक्षिण अफ्रीका के जरिये भारत में हवाला का पैसा पहुंचता था और सूरत व मुंबई में इसे एकत्र किया जाता था।

पुलिस ने बताया कि आरोपी मीना बाजार में कपड़ों की दुकान चलाता है और जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों को पैसे पहुंचाने वालों के लिए दिल्ली में संपर्क का काम करता था।

कुपवाड़ा में दो हाइब्रिड आतंकवादी गिरफ्तार

वहीं, कुपवाड़ा जिले से सुरक्षाबलों ने दो हाइब्रिड आतंकवादियों को गिरफ्तार किया और उनके पास से हथियार व गोलाबारूद बरामद किए। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। हंदवाड़ा में चार अगस्त को तीन हाइब्रिड आतंकवादियों को गिरफ्तार किया गया था और इस मामले की जांच के सिलसिले में इन दोनों को गिरफ्तार किया गया।

पुलिस के एक प्रवक्ता ने कहा कि पुलिस हंदवाड़ा मामले की जांच कर रही थी जब उन्हें आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने वाले दो और व्यक्तियों के बारे में पता चला। इन आतंकवादियों की पहचान हमपोरा के निवासी ऐजाज अहमद भट उर्फ हिलाल और सागीपोरा के रहने वाले नसीर अहमद मीर के रूप में की गई है। प्रवक्ता ने कहा कि भट और मीर के पास से दो पिस्तौल, पिस्तौल की चार मैगजीन, 58 गोलियां और छह ग्रेनेड बरामद किए गए।

उन्होंने गांधी को मार डाला, क्या वे मुझे बख्श देंगे: सिद्दारमैया

बेंगलुरु। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सिद्दारमैया ने उन्हें जान से मारने की धमकी मिलने की जानकारी देते हुए सवाल किया, उन्होंने गांधी को मार डाला। क्या वे मुझे बख्शेंगे ?

श्री सिद्दारमैया ने चिकमंगलूर में एक कार्यक्रम में मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए कहा, उन्होंने गांधी को मार डाला। गोडसे ने गांधी को गोली मार दी। वे उनकी तस्वीर की पूजा करते हैं।

इसका संज्ञान लेते हुए मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने कहा कि उन्होंने श्री सिद्दारमैया से मुलाकात की और उन्हें पर्याप्त सुरक्षा तथा मामले की गहन जांच का आश्वासन दिया है। उन्होंने जांच के लिए श्री सिद्दारमैया से धमकी भरी कॉल का विवरण भी मांगा।

श्री बोम्मई ने कहा, हम इस मुद्दे को गंभीरता से ले रहे हैं। हमने इस बारे में पुलिस महानिदेशक से बात की है। पुलिस इसकी जांच करेगी। हमने राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता को पूर्ण सुरक्षा प्रदान करने का निर्देश दिया है। किसी को भी ऐसा बयान नहीं देना चाहिए जो दूसरों के मन में ईर्ष्या पैदा करता है।

श्री सिद्दारमैया ने अपनी कार पर अंडे फेंके जाने और कोडागु और चिकमंगलुरु की यात्रा के दौरान काले झंडे लहराए जाने के बाद अपनी सुरक्षा को लेकर चिंता जताई।

श्री बोम्मई ने पुलिस महानिदेशक (कानून-व्यवस्था) आलोक कुमार के साथ भी बातचीत की और उन्हें हालिया घटनाक्रम के बाद सिद्दारमैया को अतिरिक्त सुरक्षा देने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने दोनों राजनीतिक दलों से कहा कि वे कानून अपने हाथ में न लें और किसी भी तरह की भड़काऊ टिप्पणी करने से बचें।

त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

अगरतला। त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री विप्लव कुमार देव के खिलाफ शहर के बनमालीपुर इलाके में बिना किसी घोषणा के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ उनकी तस्वीर को अवैध रूप से खड़ा करने को लेकर एक वकील ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। त्रिपुरा उच्च न्यायालय के अधिवक्ता भास्कर देववर्मा ने पूर्वी अगरतला थाना में एक प्राथमिकी दर्ज की, जिसमें शिकायत की गई है कि श्री देव ने बनमालीपुर के कई स्थानों पर अपनी और प्रधामंत्री नरेंद्र मोदी की तस्वीरों के साथ बड़ी संख्या में फ्लेक्स लगाए लेकिन प्रिंटर और प्रकाशकों का उल्लेख किए बिना आजादी का अमृत महोत्सव अंकित किया। इस बीच पुलिस ने कहा कि शिकायत के आधार पर जांच शुरू कर दी गई है और कुछ सबूत एकत्र किए गए हैं।

जांच के क्रम में यदि आवश्यक हुआ तो श्री देव को उनके बयान के लिए बुलाया जाएगा और तय समय में मामले को निर्णय लेने के लिए अदालत के समक्ष रखा जाएगा।

हरिद्वार की सीएमओ डा. नैथानी को मिली क्लीन चिट

नैनीताल। उत्तराखंड सरकार ने हरिद्वार जनपद की पूर्व मुख्य चिकित्साधिकारी (सीएमओ) डा. सरोज नैथानी को कोविड महामारी के दौरान पीपीई किट व अन्य मदों की खरीद में हुई अनियमितता के गंभीर आरोपों से बरी कर दिया है। रिपोर्ट में डा. नैथानी को मेहनती व आज्ञाकारी अधिकारी बताया गया है।

प्रदेश सरकार की ओर से करायी गयी गहन जांच के बाद यह निर्णय लिया गया है। सरकार की ओर से गोपनीय जांच रिपोर्ट को उच्च न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया है। सरकार ने डा. नैथानी को एनएचएम में हुई नियुक्ति व एएनएम पदोन्नति विवाद से भी बरी कर दिया है। सरकार की ओर से कहा गया है कि डा. नैथानी के खिलाफ आरोपों की पुष्टि नहीं होती है, इसलिये शिकायती प्रकरण को समाप्त किया जाता है।

हरिद्वार निवासी कपिल देव की ओर से दायर जनहित याचिका के जवाब में सरकार की ओर से जांच रिपोर्ट पिछले सप्ताह उच्च न्यायालय में प्रस्तुत की गयी। याचिकाकर्ता की ओर से इस मामले को चुनौती देते हुए कहा गया कि पूर्व सीएमओ की ओर से कोविड महामारी के दौरान सामान की खरीददारी में अनियमितता बरती गयी है।

पीपीई किट व मास्क को कई सौ गुना दाम पर खरीदा गया है। हरिद्वार ग्रामीण के तत्कालीन विधायक यतीश्वरानंद की ओर से भी पूर्व सीएमओ की कार्यशैली पर प्रश्नचिन्ह लगाये गये हैं और मुख्यमंत्री व शासन से इस मामले की जांच करने की मांग की है।

सचिव चिकित्सा स्वास्थ्य एंव चिकित्सा शिक्षा अमित नेगी की ओर से 18 नवम्बर, 2021 को प्रेषित रिपोर्ट में कहा गया है कि अपर सचिव चिकित्सा स्वास्थ्य व चिकित्सा शिक्षा की अध्यक्षता में करायी गयी जांच में डा. नैथानी के विरूद्ध प्रतिकूल तथ्य नहीं पाये गये हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि चिकित्सा स्वास्थ्य व चिकित्सा शिक्षा विभाग की अपर सचिव गरिमा रौंकली की अध्यक्षता में गठित दो सदस्यीय कमेटी को जांच सौंपी गयी। निदेशक वित्त श्रीमती कविता नबियाल भी इस कमेटी में बतौर सदस्य शामिल थी।

कमेटी की ओर से हरिद्वार कुंभ घोटाले में पीपीई किट व मास्क की खरीददारी, स्वास्थ्य पर्यवेक्षक के रिक्त नौ पदों पर पदोन्नति व राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत की गयी नियुक्ति से संबंधित तीन बिन्दुओं पर जांच की गयी।

असम में पिता ने 6 हजार में बेची नवजात बच्ची

घरवालों को दी बच्ची की मौत की सूचना; 3 आरोपी गिरफ्तार

एजेंसी

दिसपुर। असम के विश्वनाथ जिले में एक नवजात बच्ची को 6,000 रुपए में बेच दिया गया। यह घटना जिले के गोहपुर इलाके की है। मामले में पुलिस ने 3 लोगों को अरेस्ट किया है। गिरफ्तार लोगों में बच्ची का पिता भी शामिल है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

गोहपुर थाने के प्रभारी अधिकारी सुशील कुमार दत्ता ने कहा कि लखीमपुर जिले में पिता ने अपनी बच्ची को बेचा था। बच्ची को सुरक्षित बचा लिया गया है।

पुलिस ने बताया कि जिस आरोपी को पकड़ा गया, उसी के पिता ने थाने में शिकायत दर्ज करवाई थी। शिकायतकर्ता ने बताया, मेरी बहू ने 11 अगस्त को गोहपुर सरकारी अस्पताल में एक लड़की को जन्म दिया। मेरे बेटे ने बताया कि अस्पताल में बच्ची की मौत हो गई, लेकिन मुझे उसकी इस बात पर शक हुआ। मैंने अस्पताल में बच्ची के जन्म के बारे में पूछताछ की, तब पूरा खुलासा हुआ।

पुलिस ने बच्ची को सुरक्षित बचाया

गोहपुर पुलिस स्टेशन में आरोपी पिता और एक महिला के खिलाफ केस दर्ज किया गया और मामले की जांच शुरू की गई। पुलिस ने दोनों को अरेस्ट किया। दोनों आरोपियों ने अपना अपराध कबूल किया। इसके बाद पुलिस को पता चला कि तीसरा आरोपी लखीमपुर जिले का कृष्ण प्रसाद उपाध्याय है। तीनों को अरेस्ट कर अब नवजात बच्चों को खरीदने-बेचने वाले गिरोह का पता लगाया जा रहा है।

ओडिशा में भी 7 हजार में बेची गई थी बच्ची

ओडिशा के जाजपुर जिले में पुलिस ने एक नवजात बच्ची को छुड़ाया था, जिसे उसके माता-पिता ने बेच दिया था। माता-पिता ने उनकी गरीबी के कारण बच्ची को बेच दिया था। बच्ची को 7,000 रुपए में बेच दिया गया था। बच्ची को पुलिस ने बाल कल्याण समिति को सौंप दिया था।

नाना-नानी ने बेच दी थी 4 महीने की बच्ची

ओडिशा के बरहामपुर शहर में नाना-नानी ने 4 महीने की बच्ची को बेच दी थी, क्योंकि उनकी बेटी ने घरवालों के खिलाफ जाकर लव मैरिज की थी। इसी वजह से नाना-नानी ने बच्ची को बेच दिया था। पुलिस ने बच्ची को बचाकर उसके माता-पिता को सौंप दिया था।

ठाकुर ने जान-माल के नुक्सान पर जताई चिंता

शिमला। हिमाचल के मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर ने प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में मूसलाधार बारिश के कारण जान-माल के भारी नुकसान पर गहरी चिंता व्यक्त की है।

ठाकुर ने सभी जिलों के उपायुक्तों तथा अन्य संबंधित अधिकारियों को प्रभावित क्षेत्रों में तत्काल राहत, बचाव और पुनर्वास कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में पांच लोगों की मौत और लगभग 15 लोगों के लापता होने की सूचना प्राप्त हुई है। उन्होंने कहा कि एनडीआरएफ और राज्य की बचाव टीमों को राहत एवं बचाव कार्यों के लिए घटनास्थलों पर भेज दिया गया है। सभी घटनास्थलों पर राहत एवं बचाव कार्य युद्ध स्तर पर किए जा रहे हैं।

भूस्खलन और बाढ़ से हुई मौतों पर दुख व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति और शोक संतप्त परिवारों को अपूर्णीय क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की है।

ठाकुर ने स्थानीय लोगों के साथ-साथ पर्यटकों से भी विशेष ऐहतियात बरतने और भूस्खलन एवं बाढ़ की आशंका वाले क्षेत्रों से दूर रहने की अपील की है।

हरियाणा में पशुओं में शत प्रतिशत वैक्सीनेशन का आश्वासन

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्य सचिव संजीव कौशल ने कहा है कि प्रदेश में गौ-वंश में लम्पी स्किन बीमारी की रोकथाम और नियंत्रण के लिए सभी पशुओं में अगले सात दिनों तक शत - प्रतिशत वैक्सीनेशन कर लिया जाएगा।

श्री कौशल ने कहा कि इस समय प्रदेश में तीन लाख डोज उपलब्ध हैं जिन्हें दो दिन में उपयोग कर लिया जाएगा। इसके अलावा, अगले सप्ताह में पांच लाख डोज और उपलब्ध हो जाएंगी।

मुख्य सचिव ने आज लम्पी स्किन बीमारी की रोकथाम को लेकर वीडिओ कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिला उपायुक्तों के साथ अहम बैठक की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि लम्पी स्किन बीमारी की रोकथाम के लिए वैक्शीनेशन तेजी से किया जाए। उन्होंने कहा कि लम्पी स्किन बीमारी के कारण भय का माहौल पैदा न होने दें। पशुपालन विभाग आज तुरंत प्रभाव से एडवाईजरी जारी करें और नागरिकों को अवगत कराएं कि लम्पी स्किन बीमारी से संक्रमित गायों का दूध भी इस्तेमाल किया जा सकता है। बशर्ते दूध को हमेशा उबालकर ही इस्तेमाल करें। उन्होंने कहा कि मरे हुए पशुओं का निस्तारण पशुपालन विभाग द्वारा तय तरीके से ही करें। आठ से 10 फुट का गड्ढा खोद कर ऐसे पशुओं को दबायें। यह अवश्य ध्यान रखें कि किसी भी स्थिति में ऐसे पशुओं के शव को खुले में न छोड़ें।

नड्डा ने बारिश से हुये जानमाल के नुकसान पर दुख जताया

शिमला। जगत प्रकाश नड्डा ने हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश और भूस्खलन के कारण हुए जानमाल के नुकसान को लेकर दुख व्यक्त किया है। नड्डा ने उन परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की जिन्होंने बारिश और भूस्खलन के कारण अपने प्रियजनों को खोया है। यह नुकसान अपूरणीय है । उन्होंने शोक संतप्त परिवारों को दुख की घड़ी में शक्ति प्रदान करने की कामना की। यह लंबे समय के बाद है कि हिमाचल में इतनी लंबी बारिश का दौर देखने को मिला है। हिमाचल कठिन परिस्थितियों वाला पहाड़ी राज्य है। बारिश के कारण होने वाले नुकसान भारी हैं, केंद्र और राज्य सरकार समग्र स्थिति को नियंत्रित करने और आम जनता के लिए किसी भी तरह की मदद का विस्तार करने के लिए युद्ध स्तर पर काम कर रही हैं।

केरल में मुस्लिम नेता ने जेंडर-न्यूट्रल पॉलिसी को बताया गलत

पीएमए सलाम बोले, स्कूलों में लड़के-लड़कियों का साथ बैठना खतरनाक

तिरुवनंतपुरम। केरल में मुस्लिम नेता पीएमए सलाम ने स्कूलों में एक साथ लड़के-लड़कियों के बैठने को खतरनाक बताया है। सलाम, केरल इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग के महासचिव प्रभारी हैं। ये बयान तब आया, जब राज्य सरकार जेंडर न्यूट्रल एजुकेशन सिस्टम को लागू करने की कोशिश कर रही है।

पीएमए सलाम ने जेंडर न्यूट्रल एजुकेशन सिस्टम की आलोचना करते हुए कहा कि सरकार की कोशिश खतरनाक है। लड़के और लड़कियों को कक्षाओं में एक साथ बैठने की क्या जरूरत है ? आप इस सिस्टम के जरिए उन्हें क्यों मजबूर कर रहे हैं या ऐसे अवसर पैदा कर रहे हैं ? इससे केवल समस्याएं ही होंगी। छात्रों का पढ़ाई में मन नहीं लगेगा और वे विचलित होंगे।

उन्होंने आगे कहा कि जेंडर न्यूट्रैलिटी एक धार्मिक मुद्दा नहीं बल्कि एक नैतिक मुद्दा है। सरकार छात्रों पर जेंडर न्यूट्रैलिटी थोपने की कोशिश कर रही है। ये सिस्टम छात्रों को गुमराह करेगा। सरकार को इसे वापस लेना चाहिए। केरल राज्य के बाल अधिकार आयोग ने 22 जुलाई को स्कूलों को लेकर आदेश जारी किया था। इसमें जेंडर न्यूट्रल एजुकेशन सिस्टम को लागू करने की बात कही गई थी। आदेश में 2023-24 एकेडमिक ईयर से गर्ल्स स्कूल और बॉयज स्कूलों को खत्म करने के लिए कहा गया था। आयोग ने कहा था कि इन सभी स्कूलों को को-एड में बदला जाना चाहिए।

सरकार सशस्त्र बल न्यायाधिकरण को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध : राजनाथ

नयी दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि सरकार सशस्त्र बल न्यायाधिकरण को और अधिकार संपन्न बनाने के लिए प्रतिबद्ध है लेकिन न्यायाधिकरण को भी इस बात पर विशेष ध्यान देना चाहिए कि सभी को समय पर न्याय मिले।

श्री सिंह ने शनिवार को यहां सशस्त्र बल न्यायाधिकरण की प्रधान पीठ की बार ऐसोसिएशन द्वारा आयोजित संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि न्यायपालिका लोकतंत्र का मजबूत स्तंभ है और न्यायिक अधिकारी तथा वकील न्यायिक प्रणाली के आधार स्तंभ हैं। उन्होंने कहा कि लोग सभी दरवाजे बंद होने के बाद ही न्यायालय की शरण में आते हैं इसीलिए मजबूत

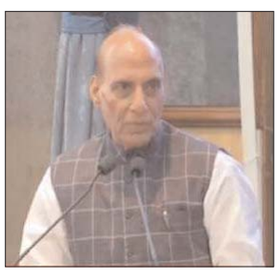

न्याय प्रणाली को सुशासन का आधार माना जाता है।

उन्होंने कहा कि न्यायालयों में निरंतर बढते मामलों के चलते ही देश में विभिन्न तरह के न्यायाधिकरणों की स्थापना की गयी। उन्होंने कहा कि दुनिया के कुछ ही ऐसे देश हैं जिनमें इस तरह के न्यायाधिकरण हैं और भारत ने इनके कामकाज के मामले में अच्छी प्रतिष्ठा हासिल की है। उन्होंने कहा , भारत में सशस्त्र बल न्यायाधिकरण के पास मूल और अपील दोनों क्षेत्राधिकार हैं जबकि आज भी इंग्लैंड और अमेरिका जैसे विकसित देशों में सशस्त्र बलों के मामलों से निपटने के लिए मूल अधिकार नहीं हैं। सरकार इसे और अधिक रेस्पॉन्सिव बनाने के लिए प्रतिबद्ध और लगातार प्रयासरत है, जिन उद्देश्यों के लिए इसकी स्थापना की गई थी।

उन्होंने कहा कि इस न्यायाधिकरण ने सैनिकों और भूतपूर्व सैनिकों की कानूनी अपेक्षाओं को पूरा करने और उनके हितों की रक्षा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है।

बिरला ने राजीव गांधी को दी श्रद्धांजलि

नयी दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के नेतृत्व में सांसदों ने शनिवार को यहां पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। श्री बिरला ने संसद के सेंट्रल हॉल में पूर्व पीएम के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस मौके पर कांग्रेस सांसद मल्लिकार्जुन खड़गे, के सी वेणुगोपाल, जयराम रमेश और राजीव शुक्ला समेत कई अन्य लोग भी मौजूद थे। इससे पहले दिन में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने अपने पति रॉबर्ट वाड्रा के साथ यहां वीर भूमि में पूर्व प्रधानमंत्री को श्रद्धांजलि दी। राहुल गांधी ने ट्विटर पर अपने पिता और पूर्व प्रधानमंत्री गांधी को याद करते हुए लिखा, पापा आप हर पल मेरे दिल में मेरे साथ हैं।

आईटीबीपी के घायल जवानों से अस्पताल में मिले शाह

नयी दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को यहां अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान एम्स के ट्रामा सेंटर जाकर वहां भर्ती भारत तिब्बत सीमा पुलिस (आई टी बी पी) के घायल जवानों से मुलाकात की और उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली।

जम्मू कश्मीर के पहलगाम में बस दुर्घटना में घायल हुए जवानों कांस्टेबल बलवंत सिंह, त्सेवांग दोर्जे और कांस्टेबल बबलू कुमार को श्रीनगर से विशेष एयर एंबुलेंस के जरिए एम्स ट्रॉमा सेंटर में लाया गया था।

डॉक्टरों ने श्री शाह को जवानों की स्वास्थ्य स्थिति और भविष्य में अपनाई जाने वाली चिकित्सा प्रक्रियाओं के बारे में जानकारी दी गई। बल के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी गृह मंत्री को घायलों की स्वास्थ्य स्थिति के बारे में जानकारी दी। गृह मंत्री ने घायल कर्मियों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

अमरनाथ यात्रा में ड्यूटी पूरी होने के बाद आइटीबीपी के जवान 16 अगस्त को चंदनवाड़ी लौट रहे थे कि अचानक उनकी बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। दुर्घटना में सात जवानों की मृत्यु हो गई थी जबकि 32 घायल हो गए थे। घायल जवानों को उसी दिन इलाज के लिए श्रीनगर ले जाया गया था।

गंभीर रूप से घायल तीन जवानों को बेहतर इलाज के लिए श्रीनगर से विशेष एयर एम्बुलेंस के माध्यम से शुक्रवार ट्रॉमा सेंटर, एम्स लाया गया था।

शार्ट न्यूज

जन्माष्टमी उत्सव पर वृद्ध आश्रम में भोजन प्रसाद का वितरण

कपिल शर्मा/गौरवशाली भारत

नॉगल चौधरी। भगवान कृष्ण जन्माष्टमी के पावन पर्व पर शाखाा नाँग चौधरी के पंजाब नेशनल बैंक से रिटायर्ड फील्ड ऑफिसर बंशीधर बांयला ने अपनी शुभ कमाई में से सेवा संस्थान द्वारा चलाए जा रहे वृद्ध आश्रम में 1 दिन का भोजन देकर पुण्य का फल प्राप्त किया। उन्होंने काफी दिनों से अपनी इच्छा जाहिर की थी कि, उन्हें आश्रम में सेवा करने का मौका दिया जाए। चुंकि मानवत की सेवा ही मानव की सबसे अच्छा कर्म है। उन्होंने बताया कि, आश्रम में रह रहे सभी बुजुर्ग मेरे मां-बाप के समान हैं। इस अवसर पर भवन निर्माण पीडब्ल्यूडी विभाग से रिटायर्ड एसडीओ रोहतास सिंह, वार्ड पार्षद होशियार सिंह , दोखेरा से अध्यापक राजेंद्र प्रसाद व वेद प्रकाश बायला छपरा बीबीपुर की उपस्थिति में सेवा संस्था के वरिष्ठ इंचार्ज अंजलि , काउंस सुमन देवी को सहयोग राशि प्रदान की सभी बुजुर्गों ने उनकी दिर्घायु की कामना करते हुए उन्हें ढेरों शुभाशीष दिया। इस अवसर पर बुधराम मांगेराम, विशंभर प्रसाद, चमेली देवी, प्रकाश नेत्र प्रकाश, शांति देवी आदि बुजुर्गो ने शुभ आशीर्वाद प्रदान किया।

ब्लेड से हमला करने वाला आरोपी गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा। सूरजपुर कोतवाली पुलिस ने एक युवक की गर्दन पर ब्लेड से हमला करने वाले आरोपी दोस्त को गिरफ्तार किया है। शराब पार्टी के दौरान दोनों में किसी बात को लेकर झगड़ा हुआ था। जिसके बाद आरोपी ने दोस्त की गर्दन पर स्लाइडर ब्लेड से हमला कर उसे लहूलुहान कर दिया था। इसके बाद आरोपी वारदात को अंजाम देकर मौके से फरार हो गया था। कोतवाली प्रभारी अवधेश प्रताप सिंह ने बताया कि आरोपी दीपक कुमार मूलरूप से बुलंदशहर का रहने वाला है। फिलहाल वह देवला गांव में किराए के मकान में रह रहा था। पुलिस ने बताया कि 14 अगस्त की रात को आरोपी दीपक और पीड़ित अश्वनी दोनों एक साथ बैठकर शराब पी रहे थे। शराब पीते समय नशे में दोनों के बीच किसी बात को लेकर झगड़ा हुआ और गाली-गलौज होने लगी। इसी दौरान आरोपी दीपक ने अश्वनी की गर्दन पर गत्ता काटने वाले स्लाइडर ब्लेड से जान से मारने की नीयत से हमला कर दिया। इसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। आसपास मौजूद लोगों ने घायल को नजदीक के एक अस्पताल में भर्ती करवाया। जहां उसका इलाज चल रहा है। इस मामले में पीड़ित के भाई ने सूरजपुर कोतवाली में आरोपी दीपक के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया था। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी दीपक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

सेक्टर के पार्क में निकला कोबरा सांप

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के सेक्टर डेल्टा-1 ए ब्लॉक पार्क में सुबह के समय कोबरा सांप दिखाई दिया। सांप सड़क के पास से होते हुए पार्क के अंदर पहुंचा। लोगों से इसकी शिकायत ग्रेनो प्राधिकरण के अधिकारियों से की, लेकिन कोई नहीं पहुंचा। आरडब्ल्यूए के पूर्व अध्यक्ष ऋषिपाल भाटी ने बताया कि सेक्टर के पार्क की देखरेख न होने की वजह से हरियाली बढती जा रही है, जिसकी वजह से कीड़े और सांप आए दिन दिखाई दे रहे हैं। सुबह के समय ए ब्लॉक के पार्क में काफी संख्या में लोग टहलने के लिए आते हैं, ऐसे में शनिवार को पार्क के छोटे गेट पर कोबरा सांप दिखाई दिया। पार्क के गेट पर सांप काफी देर तक रहा। सांप देखने के बाद ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की टीम से शिकायत की है, लेकिन इस पर किसी ने संज्ञान नहीं लिया।

टाइल दिलवाने का झांसा देकर ठगी

नोएडा। सेक्टर-26 निवासी व्यक्ति ने अपने जानकार के खिलाफ सस्ते दाम पर टाइल दिलवाने का झांसा देकर दो लाख रुपये ठगने का केस दर्ज कराया है। आरोपी ने रुपये लेकर टाइल नहीं दी। अब वह रुपये वापस भी नहीं कर रहा है। सेक्टर-26 निवासी गोविंद कुमार शर्मा ने पुलिस को शिकायत दी है कि उनकी सुबोध शर्मा के साथ दोस्ती थी। उनको अपने घर में फर्श की टाइल लगवानी थी। इसको लेकर सुबोध से उनकी बात हुई। सुबोध ने कहा कि वह उन्हें सस्ते दाम पर टाइल उपलब्ध करा देगा। आरोप है कि सुबोध ने टाइल दिलवाने का झांसा देकर उनसे दो लाख रुपये ले लिए और कहा कि जल्द ही टाइल घर पहुंचा देगा। आरोप है कि रुपये लेने के बाद उसने ना तो उन्हें टाइल दिलवाई और ना ही उनके रुपये वापस कर रहा है। अब वह रुपये मांगने पर धमकी देता है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

युवती से छेड़छाड़ करने का आरोपी गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा। सूरजपुर पुलिस ने युवती से छेड़छाड़ करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि उसने युवती को फोन कर गाली गलौज और बदतमीजी की थी। इस मामले में युवती परिजनों ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया था। सूरजपुर कोतवाली प्रभारी अवधेश प्रताप सिंह ने बताया कि पकड़ा गया आरोपी राहुल संतोष नगर कॉलोनी मे रहता है। उसने पड़ोस में रहने वाली युवती के साथ छेड़छाड़ की थी। युवती के विरोध करने पर आरोपी ने उसे फोन किया और गाली गलौज कर बदतमीजी की थी। परिजनों का आरोप है कि वह रास्ते में आते-जाते वक्त युवती पर अश्लील टिप्पणी करता था। परिजनों ने पुलिस से आरोपी राहुल की शिकायत की थी।

फांसी की सजा को सुरक्षाकर्मी ने हाईकोर्ट में दी चुनौती

गुरुग्राम। साल 2018 में न्यायधीश के बेटे और पत्नी की गोली मारकर हत्या के मामले में सुरक्षाकर्मी महिपाल को जिला एवं सत्र न्यायालय ने फरवरी 2020 में दोषी करार देते हुए मौत की सजा सुनाई थी। महिपाल ने सेशन कोर्ट के फैसले को पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में चुनौती दी है। जानकारी के अनुसार महिपाल ने हाईकोर्ट में गुहार लगाई है कि उसकी मौत की सजा रद्द की जाए। न्यायाधीश की पत्नी रितु एवं उनके पुत्र ध्रुव पर उसने गोली नहीं चलाई थी। उसका कहना है कि कार में कार में पेटिंग रखने के दौरान ध्रुव को खरोंच लग गई थी। ध्रुव ने नाराज होकर उसे गालियां देनी शुरू कर दी थी। इसी पर दोनों में हाथापाई भी हुई थी। उसी दौरान ध्रुव ने उसका सर्विस रिवॉल्वर छीनने का प्रयास किया था। इसी छीनाझपटी में फायरिंग हो गई थी और यह घटना घटित हो गई थी।

सड़क किनारे सो रहे युवक पर क्रेन चढ़ा दी, मौत

गुरुग्राम। कुंडली-मानेसर निमार्णधीन हाईवे के साइड में सो रहे युवक पर चालक ने क्रेन (हाइड्रा मशीन) चढ़ा दी। गंभीर रूप से घायल युवक को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। चालक हाइड्रा को मौके पर छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने निर्माणाधीन कंपनी के अधिकारी की शिकायत पर भोंडसी थाने में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मूलरूप से यूपी के बलिया निवासी भूपेंद्र पाठक ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि एप्को इंफ्राटेक कंपनी में एचआर अधिकारी हैं। उन्होंने बताया कि उनकी कंपनी अलीपुर से कुंडली हाईवे के निर्माण का काम कर रही है। शुक्रवार सुबह दस बजे निमार्णधीन हाईवे पर वह कार से जा रहे थे। गांव धुनेला के पास हाईवे पर एक व्यक्ति साइड में सड़क पर सो रहा था। तभी तक चालक ने उस सो रहे व्यक्ति पर क्रेन चढ़ा दी। चालक मौके पर क्रेन छोड़कर फरार हो गया। घायल अवस्था में युवक को अस्पताल में लेकर गए, जहां पर डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान दिवेश निवासी मैनपुर यूपी के रूप में हुई। जांच अधिकारी ने बताया कि मृतक का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया गया है। क्रेन को जब्त कर लिया गया है। चालक की पहचान करने का प्रयास कर रहे हैं।

देशभर में श्रद्धा भक्ति और उल्लास के साथ मनाई गई जन्माष्टमी

भगवान श्री कृष्ण की जन्मस्थली मथुरा समेत देश भर के मंदिरों में मची धूम, रघुनाथ-जानकी एवं लक्ष्मी-नारायण मन्दिर में उमड़ा आस्था का सैलाब

कपिल शर्मा/गौरवशाली भारत

देशभर में शुक्रवार 19 अगस्त को मन्दिरों में कृष्ण जन्मोत्सव मनाया गया। बृजभूमि मथुरा से लेकर वृंदावन बरसाना तक जन्माष्टमी की लाइव तस्वीरों ने कृष्ण भक्तों का उत्साह दुगना कर दिया। भगवान श्री कृष्ण जन्म उत्सव में श्रद्धालुओं ने कृष्ण भक्ति के रंग में रंगे दिखे वहीं अन्य अलग-अलग मंदिरों में बड़ी संख्या में भक्त भी पहुंचे और बांकेबिहारी के दर्शन किए और कृष्ण की बाल लीलाओं का आनंद लेते हुए दिखाई दिये। इस दिवस पर ग्राम्य-शहरों के विभिन्न मंदिरों में पहुंचे श्रद्धालुओं में भी कृष्ण उत्साह देखने को मिला। महेन्द्रगढ़ जिला के विधानसभा क्षेत्र कस्बा नांगल चौधरी स्थित श्री रघुनाथ जानकी व लक्ष्मी-नारायण मन्दिर में भी श्री कृष्ण जन्माष्टमी के पावन पर्व पर सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालुओं ने 12 बजे की मध्य काल रात्रि भगवान श्री कृष्ण आरती के दर्शन किए साथ ही भगवान श्री विष्णु चरणामृत धनिया पंजीरी विशेष भोग प्रसाद माखन-मिश्री प्रसाद प्राप्त किया।

इस शुभअवसर पर नांगल चौधरी के कटला मंडी स्थित भगवान श्री रघुनाथ - जानकी व लक्ष्मीनारायण मन्दिर में शुक्रवार सुबह से ही भक्तों की अधिक संख्या देखने को मिली। जन्माष्टमी के पावन पर्व पर पण्डित शिव शंकर पुजारी व अभिषेक (बन्टी) पुजारी द्वारा दरबार में प्राण प्रतिष्ठित प्रतिमा श्री कृष्ण राधा रानी व रघुनाथ-जानकी और लक्ष्मीनारायण का भव्य श्रंगार किया साथ ही रंगीन लाइटों से दरबार की शोभा में भव्य सजावट की गई। इस दौरान पुजारी द्वारा श्रध्दालुओं को मस्तिष्क चंदन लगाकर अभिनंदन किया और कृष्ण की जन्म कथा से लेकर बाल लीलाओं का वर्णन किया। इस उत्सव में मन्दिर में लगे लाउडस्पीकर डीजे पर महिलाओं व बच्चों ने भी श्री कृष्ण भक्ति भजनों पर नृत्य - गायन किया।

जन्माष्टमी के शुभ अवसर पर भगवान श्री रघुनाथ- जानकी जी मन्दिर में बच्चों ने भी कृष्ण जन्मदिन को बड़े हर्षोल्लास से मनाया और मन्दिर में जुटे भारी संख्या में श्रद्धालुओं का मनोरंजन करते हुए अपनी प्रतिभा दिखाई और कृष्ण की बाल लीलाओं की भूमिका निभाते हुए श्रध्दालुओं का मन मोह लिया।

इस दौरान कई महिला - पुरुष श्रध्दालुओं ने उपवास रखते हुए भगवान श्री रघुनाथ जानकी व लक्ष्मीनारायण मन्दिर में द्वापरयुग के अवतारी श्री कृष्ण की बाल छवि लड्डू गोपाल को पालना में झोटा देते हुए स्वयं को धन्य महसूस किया। इस विशेष शुभ पावन अवसर पर कैहन्या की भूमिका निभाते हुए कई छोटे नन्हें बालक भी कृष्ण-राधा-रानी, गोपी-ग्वाल, बाल सखा की भूमिका निभाते हुए परी शर्मा, कनीका शर्मा, श्याम शर्मा, साक्षी शर्मा, सक्षम शर्मा आदि बच्चों ने अपनी प्रतिभा दिखाई साथ ही वहीं मनोरंजन का आंनद लेते हुए रेवाड़ी से पहुंचे मुख्य अतिथि स्वरूप हरीश शर्मा, निधि शर्मा जन्माष्टमी समारोह में शामिल हुए।

इस अवसर पर मुरारी लाल पुजारी, बाबु लाल पुजारी, पं. शिवशंकर पुजारी, आशा शर्मा, मुकेश पुजारी, कुसुम शर्मा, श्रवण पुजारी, बोबी शर्मा, सत्यनारायण पुजारी, मंजू शर्मा, रामप्यारी, बंटी (अभिषेक) अन्नू अनुराग, शुभम (सोनू) अजय (बुग्गी), यशु सहित मित्र मंडली आदि मौजूद रहे।

बालिका विद्यालय में गुरु वंदन छात्र अभिनंदन कार्यक्रम का आयोजन

कपिल शर्मा/गौरवशाली भारत

नॉंगल चौधरी। शाखा भारत विकास परिषद के सौजन्य से राजकीय बालिका वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के प्रांगण में परिषद दायित्व धारियों द्वारा शनिवार सुबह घड़ी करीब साढ़े आठ बजे कार्यक्रम गुरु वंदन छात्र अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। विद्यालय प्राचार्य विक्रम सिंह रोहिल्ला की अध्यक्षता में यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न किया गया।

इस कार्यक्रम में गुरु वंदना एवं सम्मान में विद्यालय के पूर्व अध्यापक सेवानिवृत्त शिक्षक बाबूलाल स्वामी को उनके शिष्य व शिक्षक रविन्द्र चौधरी और अधिवक्ता लक्खीराम द्वारा सम्मानित किया गया।

इस दौरान विद्यालय के प्राचार्य विक्रम सिंह रोहिल्ला समेत वाणिज्य प्रवक्ता शीला यादव को अध्यापिका सरिता, परिषद पूर्व अध्यक्ष हेमंत कुमार, सचिव सत्यवीर स्वामी सहित दायित्व धारियों द्वारा पुष्प माला से सम्मानित किया गया।

भारत विकास परिषद के सौजन्य से यह गुरु वंदन छात्र अभिनंदन कार्यक्रम में विद्यालय की मेधावी छात्रा राखी समेत छह छात्राओं को भी पुरुस्कार से नवाजा गया। इस कड़ी में विद्यालय की सभी बालिकाओं को शिक्षा, सेवा, संस्कार के विषय पर संबोधित करते हुए परिषद दायित्व धारियों द्वारा कार्यक्रम को सम्पन्न किया गया।

इस विशेष अवसर पर विद्यालय प्राचार्य समेत शिक्षक

पीजीटी फाइन आर्ट राजकुमार, प्राध्यापक राधेश्याम, यशपाल सिंह, डीपीई रमेश सोनी, अशोक कुमार, ईएसएचएम सुरेंद्र सिंह, प्राध्यापक , मुख्तियार सिंह, करतार सिंह, देवेन्द्र वर्मा, कृष्ण कुमार, रविन्द्र चौधरी, गणित अध्यापक सूरेश कुमार, प्रीतम, लिपिक जसवंत, पीजीटी इंग्लिश शारदा यादव, पीजीटी इंग्लिश अनूप, पीजीटी हिन्दी निवेदिता, अध्यापिका सरिता यादव, सुनिता, शीला यादव, सुषमा, शालिनी प्रधान, दया शर्मा, मनीषा, दिव्या, पीसीए गरिमा चौधरी, योगिता, मोनिका, मंजू, एनएसएस इंचार्ज सीमा यादव सहित सर्व स्टॉफ़ और विद्यालय की छात्राएँ उपस्थित रही।

बच्चों को लेकर दो पक्षों के बीच जमकर हुआ संघर्ष

लोनी। दो पक्षों के बीच बच्चों को लेकर हुए विवाद में जमकर संघर्ष हुआ। दोनों ओर से जमकर पथराव हुआ व एक दूसरे पर लाठी डंडों से मारपीट की। पुलिस ने दोनों पक्षों के कुल 19 लोगों के विरुद्ध संगीन धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की है। जिनमें से पांच को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। जबकि अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी का प्रयास किया जा रहा है।

लोनी थाने की रूपनगर कॉलोनी में गुरुवार शाम 6.30 बजे कुछ बच्चे पानी टंकी के पास खेल रहे थे। इसी दौरान उनके बीच मामूली कहासुनी हो गई, लेकिन मामूली विवाद ने उस समय संघर्ष का रूप धारण कर लिया जब दोनों के परिजन लाठी डंडे लेकर आमने सामने आ गए। दोनों पक्षों के बीच जमकर पथराव हुआ व लाठी डंडे चले।

जिसमें कई लोगों को जानलेवा चोट लगी। झगडे की सूचना पर रूपनगर चौकी प्रभारी मौके पर पहुंचे, लेकिन स्थिति की गंभीरता को भांपते हुए थाने से भारी पुलिस फोर्स मौके पर बुलाया तब जाकर भीड को तितर बितर किया गया। पुलिस ने दोनों पक्षों के विरुद्ध 147,148, 149, 323, 504, 506, 342, 307, 34 व 7 सीएलए के तहत रिपोर्ट दर्ज की है।

नोएडा-ग्रेनो में पकड़े गए दूसरे जिले के 32 आटो के परमिट निरस्त होंगे

नोएडा। नोएडा-ग्रेनो में पकड़े गए दूसरे जिले के 32 आटो के परमिट निरस्त होंगे। इनमें गाजियाबाद, हापुड़ समेत अन्य जिलों में पंजीकृत आटो शामिल हैं। परिवहन विभाग ने गाजियाबाद आरटीओ से परमिट निरस्त करने की संस्तुति की है।

नोएडा-ग्रेटर नोएडा में 17 हजार से अधिक ऑटो पंजीकृत हैं। इसके अलावा यहां पर गाजियाबाद, हापुड़ और बुलंदशहर में पंजीकृत ऑटो भी प्रवेश कर जाते हैं।

नोएडा ऑटो चालक यूनियन के अध्यक्ष ओमप्रकाश गुर्जर ने कहा कि कई बार इसकी शिकायत परिवहन विभाग में की जा चुकी है लेकिन कोई सुनवाई नहीं होती है। उन्होंने कहा कि दूसरे जिले के ऑटो जगह जगह पर दौड़ते हैं। इससे यहां के परमिट धारक चालकों को नुकसान होता है।

एआरटीओ प्रवर्तन प्रशांत तिवारी ने कहा कि ऑटो उसी जिले में चलने चाहिए जहां का परमिट होता है। यदि दूसरे जिले में ऑटो प्रवेश कर रहा है तो यह परमिट शर्त का उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि गौतमबुद्ध नगर में दौड़ते मिले ऑटो जब्त किए गए हैं।

इनके खिलाफ सख्त कदम उठाते हुए परमिट निरस्त करने की संस्तुति की गई है। एआरटीओ प्रवर्तन ने कहा कि ऐसे ऑटो के खिलाफ लगातार अभियान चलेगा। एनसीआर परमिट के अलावा दूसरे जिले के ऑटो यहां प्रवेश न करें।

कारों के शीशे तोड़कर चोरी के मामले में एक आरोपी गिरफ्तार

गाजियाबाद। कविनगर और सिहानी गेट थानाक्षेत्र में कारों के शीशे तोड़कर बैग और नगदी चोरी के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। सिहानी पुलिस ने आरोपी के पास से चेकबुक, डेबिट कार्ड, बैग और बाइक बरामद की है। पकड़े गए आरोपी के दो साथी फरार हैं। सिहानी गेट थाना प्रभारी नरेश कुमार शर्मा ने बताया कि 10 अगस्त को बदमाशों ने पूर्व जिला पंचायत सदस्य के प्रत्याशी समेत पांच कारों के शीशे तोड़कर बैग चोरी किए थे। इन बैगों में नगदी समेत कीमती दस्तावेज थे। सभी मामलों में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। पुलिस तभी से इन बदमाशों की तलाश कर रही थी। पुलिस को मिली सूचना पर एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

केजरीवाल की बढ़ती लोकप्रियता को रोकना चाहती है मोदी सरकार : संजय सिंह

आनंद राय/गौरवशाली भारत

लखनऊ/नई दिल्ली। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के घर पर सीबीआई की छापेमारी पर आप यूपी प्रभारी सांसद संजय सिंह ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए बयान जारी कर कहा कि केजरीवाल का शिक्षा और स्वास्थ्य मॉडल पूरी दुनिया में लोकप्रिय हो रहा है जिसे भाजपा हर हाल में रोकना चाहती है ।

दिल्ली और पंजाब की जीत के बाद अरविंद केजरीवाल जी की लोकप्रियता पूरे देश में फैल रही है । अमेरिका का @NYTimes अख़बार जो मोदी सरकार के बारे में छापता था कि कोरोना के टाइम पर लाखों की मृत्यु हुई वही अख़बार कल मनीष सिसोदिया की फोटो के साथ केजरीवाल के शिक्षा मॉडल की चर्चा करता है मोदी जी को देश के साथ ख़ुश होना चाहिए, वो उल्टा मनीष सिसोदिया पर सीबीआई रेड करवा रहे हैं । अगर देश में ऐसी छोटी सोच के प्रधानमंत्री हैं जो शिक्षा और स्वास्थ्य पर काम न करने दें तो वो देश को क्या आगे लेकर जाएंगे । मोदी जी छोटी सोच से बाहर आइए अब केजरीवाल जी रुकने वाले नहीं हैं।

संजय सिंह ने शराब नीति मुद्दा पर कहा कि गुजरात में भाजपा नेताओं द्वारा ज़हरीली शराब बनाई गई जिसके पीने से सैकड़ों लोगों की जान चली गई क्या इनके ख़िलाफ़ CBI जांच हुई ? उन्होंने कहा कि केजरीवाल के गुजरात पहुंचते ही मोदी फ्री की रेवड़ी बोलकर हमलावर होते हैं जब केजरीवाल जी देश को बताते हैं कि मोदी जी ने दोस्तों को लाखों करोडों की फ्री की रेवड़ी दी तो ये CBI-ED लगा देते हैं. देशभर से लोग उनके भारत को No 1 राष्ट्र बनाने के मिशन से जुड़ रहे हैं इसीलिए मोदी जी को रात भर एक ही चिंता रहती है कैसे केजरीवाल को रोका जाए ?

मोदी सरकार केजरीवाल से घबरा गई है सीबीआई से छापेमारी कराकर साफ हो गया कि 2024 का चुनाव भाजपा बनाम आप के बीच होगा ।

दिल्ली शराब नीति मामला : सीबीआई ने आरोपियों से शुरू की पूछताछ, 3 के बयान दर्ज

एजेंसी

नई दिल्ली। सीबीआई ने शनिवार को दिल्ली आबकारी नीति के क्रियान्वयन से जुड़े कथित भ्रष्टाचार के मामले में पूछताछ शुरू करने के दौरान तीन आरोपियों के बयान दर्ज किए। अधिकारियों ने इस बारे में जानकारी देते हुए कहा कि एजेंसी शुक्रवार को दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के आवास सहित 31 स्थानों पर छापेमारी के दौरान जब्त किए गए दस्तावेजों की भी जांच कर रही है। सीबीआई की एफआईआर में मनीष सिसोदिया समेत 15 के नाम हैं।

अधिकारियों ने कहा कि तीनों आरोपियों को सीबीआई मुख्यालय बुलाया गया जहां उनके बयान दर्ज किए गए और तलाशी के दौरान बरामद वित्तीय लेन-देन के कुछ दस्तावेजों के साथ उनका सामना कराया गया। अधिकारियों ने कहा कि एक बार दस्तावेजों और इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स के साथ-साथ बैंक लेनदेन की जांच की प्रक्रिया पूरी हो जाने के बाद अन्य आरोपियों को भी समन जारी किया जाएगा।

ईडी करेगी मनी लॉन्ड्रिंग की जांच

बुधवार को एक विशेष अदालत के समझ दर्ज की गई सीबीआई की एफआईआर को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के साथ भी साझा किया गया है। ईडी एक वित्तीय जांच एजेंसी है, जो इस मामले में मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों की जांच करेगी।

एजेंसी ने शुक्रवार को 31 स्थानों पर छापेमारी की थी, जिसमें सिसोदिया से संबंधित परिसरों के साथ-साथ कुछ नौकरशाह और व्यवसायी भी शामिल थे।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के साथ आप ने भी सीबीआई के इन छापों की निंदा करते हुए दावा किया कि सीबीआई अधिकारियों को आप नेताओं को परेशान करने के लिए ऊपर से आदेश दिया गया है। वहीं, भाजपा ने दिल्ली सरकार से अपनी आबकारी नीति पर सफाई देने को कहा है।

सीबीआई जांच के तहत इंडोस्प्रिट्स के मालिक समीर महेंद्रू द्वारा कथित तौर पर सिसोदिया के करीबी सहयोगियों को करोड़ों में कम से कम दो भुगतान किए गए हैं, जो आबकारी नीति के निर्माण और कार्यान्वयन में कथित अनियमितताओं में सक्रिय रूप से शामिल शराब व्यापारियों में से एक थे।

एफआईआर में इन तीन आरोपियों के भी नाम

एफआईआर में गुरुग्राम में बड्डी रिटेल प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक अमित अरोड़ा, दिनेश अरोड़ा और अर्जुन पांडे पर सिसोदिया के करीबी सहयोगी होने का आरोप लगाया गया है, जो शराब लाइसेंसधारियों से एकत्र किए गए अनुचित आर्थिक लाभ को आरोपी लोक सेवकों तक पहुंचाने में सक्रिय रूप से शामिल थे।

मुरथल के रेस्तरां और सड़क किनारे चल रहे ढाबों को बंद करें

एजेंसी

नई दिल्ली। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने हरियाणा के मुख्य सचिव को पर्यावरण नियमों का उल्लंघन करने वाले मुरथल के रेस्तरां और सड़क किनारे चल रहे ढाबों को बंद करने को कहा है। साथ ही, मुख्य सचिव को पर्यावरण और जन स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए प्रभावी उपाय सुनिश्चित करने को लेकर एक बैठक आयोजित करने का भी निर्देश दिया गया है।

एनजीटी अध्यक्ष जस्टिस ए.के. गोयल की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि अधिकारियों द्वारा जमीनी स्तर पर कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं दिखी है और पर्यावरण को लगातार नुकसान हो रहा है। बेंच ने कहा कि सड़क किनारे के सभी ढाबों, भोजनालयों, रेस्तरां को उनके तरल और ठोस कचरे के प्रबंधन और सामान्य साफ-सफाई की स्थिति बनाए रखने की आवश्यकता है। बेंच ने कहा कि उचित अवसर दिए जाने के बावजूद लंबे समय तक बड़े पैमाने पर उल्लंघनों के मद्देनजर नियमों के पालन तक इकाइयों को बंद करने की प्रभावी कार्रवाई की अपेक्षा की जाती है। कानून की उचित प्रक्रिया का पालन करते हुए प्रदूषण फैलाने के संबंध में पिछले उल्लंघनों के लिए मुआवजे की वसूली की जाए।

बेंच ने कहा कि हम हरियाणा के मुख्य सचिव को निर्देश देते हैं कि इस मामले पर गौर करें और पर्यावरण तथा जन स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए त्वरित और प्रभावी उपाय सुनिश्चित करके स्थिति का समाधान करें। मुख्य सचिव एक माह के भीतर बैठक कर मामले में समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करें।

चोरी के मामले में गिरफ्तार हुई महिला के अन्य मामले सामने आए

ट्रांस हिंडन। इंदिरापुरम के एटीएस सोसाइटी में चोरी करने के मामले में गिरफ्तार की गई पूनम के खुलासे होने के बाद इसके अन्य शहरों में किए गए चोरी के कारनामे सामने आने लगे है। महिला ने पानीपत की रहने वाली अधिवक्ता और एसबीआई बैंक की मैनेजर के घर में चोरी के वारदात को भी अंजाम दिया है।

दोनों मामलों में संबंधित थानों में मुकदमे दर्ज किया गया हैं। पानीपत के सेक्टर-11 स्थित चांदनीबाग निवासी जतिन रहेजा ने बताया कि वह पेश से अधिवक्ता और सीए हैं। इंदिरापुरम थाने में पकड़ी गई पूनम की जानकार मिलने के बाद उन्होंने गाजियाबाद पुलिस से संपर्क कर बताया कि इसी महिला ने 12 जून को घर में नौकरी के बहाने महज तीन दिन ही 75 लाख रुपए नगदी और लगभग 30 लाख के जेवरात तथा जमीन से संबंधित कागजात चोरी कर लिए थे। इसके बाद संबंधित थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

लॉरेंस बिश्नोई गैंग के नाम पर मांगते थे फिरौती, 4 बदमाश गिरफ्तार

एजेंसी

गुरुग्राम। गुरुग्राम में गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के नाम पर फिरौती और रंगदारी मांगने वाले गैंग का भंडाफोड़ करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

चारों आरोपियों की उम्र महज 19 से 25 साल के बीच है। पुलिस इनसे पूछताछ कर मामले की छानबीन में जुटी है।

गुरुग्राम पुलिस की सीआईए सोहना टीम ने फिरौती मांगने वाले गैंग के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान 19 वर्षीय ऋतिक, 20 वर्षीय गुलशन, 24 वर्षीय बंटी और संदीप उर्फ सैंडी के रूप में हुई है। एसीपी (क्राइम) प्रीतपाल सिंह ने बताया कि पुलिस ने गिरफ्तारी के दौरान इनके पास से 100 एटीएम कार्ड, 62 सिम कार्ड और 23 मोबाइल फोन भी बरामद किए हैं। आरोप है कि इस गैंग के सदस्य दुबई और पाकिस्तान के नंबर से फोन कर धमकाते और फिरौती मांगते थे।

फिरौती का पैसा दुबई के जरिए पाकिस्तान पहुंचता था। यह आरोपी सोहना के प्रॉपर्टी डीलर को भी लगातार धमकी दे रहे थे।

इन आरोपियों ने प्रॉपर्टी डीलर से 5 लाख रुपये की फिरौती मांगी थी। गुरुग्राम पुलिस इनसे पूछताछ के आधार पर इस गैंग के अन्य आरोपियों से तफ्तीश में जुटी है।

संपादकीय

कट्टरपंथियों के मुँह पर तमाचा है शेख हसीना का बांग्लादेशी हिंदुओं को दिया गया आश्वासन

बांग्लादेशी प्रधानमंत्री शेख हसीना ने हिंदुओं को बड़ा आश्वासन देते हुए कहा है कि हम चाहते हैं कि सभी धर्मों के लोग समान अधिकारों के साथ रहें।% उन्होंने हिंदुओं से कहा कि आप इस देश के लोग हैं, आपको यहां समान अधिकार प्राप्त हैं, आपके पास भी वही अधिकार हैं जो मेरे पास हैं। बांग्लादेश में अक्सर हिंदू कट्टरपंथियों के निशाने पर रहते हैं। कई बार हिंदुओं के मंदिरों पर हमले किये जाते हैं, उनकी संपत्ति को नुकसान पहुँचाया जाता है और उनके उत्सवों में बाधा पहुँचाई जाती है। कई बार हिंदुओं की नृशंस हत्या की घटनाएं भी सामने आई हैं जिसको लेकर हिंदू समुदाय के लोग खौफ में भी रहे हैं लेकिन अब बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने हिंदुओं को बड़ा आश्वासन देते हुए कहा है कि हिंदू समुदाय के पास भी उतने ही अधिकार हैं जितने मेरे पास हैं। हम आपको बता दें कि शेख हसीना ढाका के ढाकेश्वरी मंदिर और चट्टोग्राम में जेएम सेन सभागार में हुए कार्यक्रमों में डिजिटल माध्यम से शामिल हुईं और श्रद्धालुओं को संबोधित किया। हम आपको यह भी बताना चाहेंगे कि दुर्गा पूजा उत्सव के दौरान ढाका में लगने वाले मंडपों की संख्या पश्चिम बंगाल में लगने वाले मंडपों की तुलना में कहीं अधिक होती है। इससे आप अंदाजा लगा सकते हैं कि यहां हिंदू समुदाय तमाम बाधाओं के बावजूद अपने धर्म और संस्कृति को जीवित रखने और उसे आगे बढ़ाने के लिए कितना तत्पर रहता है। इस बार श्रीकृष्ण जन्माष्टमी उत्सव दो साल बाद बड़ी धूमधाम से बांग्लादेश में मनाया गया क्योंकि दो साल तक कोरोना की वजह से तमाम तरह की पाबंदियां रहीं थीं। इस उत्सव में भागीदारी करते हुए शेख हसीना ने हिंदुओं और अन्य धर्मों में विश्वास रखने वाले लोगों से अनुरोध किया कि वे अपने आपको अल्पसंख्यक न मानें। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में धर्मों से परे, सभी के पास समान अधिकार हैं। शेख हसीना ने कहा, हम चाहते हैं कि सभी धर्मों के लोग समान अधिकारों के साथ रहें। उन्होंने हिंदुओं से कहा कि आप इस देश के लोग हैं, आपको यहां समान अधिकार प्राप्त हैं, आपके पास भी वही अधिकार हैं जो मेरे पास हैं। शेख हसीना ने कहा कि''हम भी आपको समान रूप से देखना चाहते हैं। कृपया स्वयं को दूसरों से कम न समझें। आप इस देश में पैदा हुए हैं। आप इस देश के नागरिक हैं।'' प्रधानमंत्री शेख हसीना ने इस बात पर दुख भी जाहिर किया कि जब भी कोई अवांछित घटना होती है तो उसे इस तरह बढ़चढ़ा कर पेश किया जाता है मानो बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के पास कोई अधिकार ही नहीं हैं। बांग्लादेशी मीडिया में शेख हसीना का यह भाषण खूब सुर्खियां बटोर रहा है। ''प्रोथोम आलो'' अखबार में हसीना को यह कहते हुए उद्धृत किया गया है''घटना को ऐसा रंग दिया जाता है मानो बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के पास कोई अधिकार ही नहीं हैं। और घटना के बाद सरकार द्वारा की गई कार्रवाई को समुचित महत्व ही नहीं दिया जाता है।'' उन्होंने कहा कि उनकी सरकार और अवामी लीग किसी भी धर्म के लोगों को तवज्जो नहीं देने में विश्वास नहीं करती। शेख हसीना ने कहा''मैं साफ कह सकती हूं। हमारी सरकार इसे लेकर पूरी तरह सतर्क है और मैं इसका आपको आश्वासन दे सकती हूं।'' हम आपको बता दें कि साल 2022 की जनगणना के अनुसार बांग्लादेश में हिंदू समुदाय दूसरा सबसे बड़ा धार्मिक समुदाय है। 16 करोड़ से अधिक आबादी वाले बांग्लादेश में हिंदू आबादी लगभग 7.95 प्रतिशत है। हम आपको याद दिला दें कि हाल ही में बांग्लादेश के नरेल में अल्पसंख्यकों के खिलाफ घृणा अपराध हुए थे जिस पर भारत सरकार ने भी कड़ा रुख अख्तियार करते हुए बांग्लादेश सरकार को हिंदुओं की रक्षा के लिए पर्याप्त कदम उठाने के लिए कहा था। इसलिए शेख हसीना ने जन्माष्टमी पर जो कुछ कहा है वह कट्टरपंथियों के मुंह पर तमाचा और हिंदुओं के लिए बड़े आश्वासन के रूप में देखा जा रहा है।

प्राकृतिक संसाधनों का असंतुलित दोहन, मानवीय विनाश की नई इबारत

जब हम अपने विकास का इतिहास देखते हैं तो ब्रिटिश सत्ता के दौरान हमारे संसाधनों का प्रकृति का अंधाधुंध दोहन होता रहा है। आजादी हमें मिली है यानी कि मानव को परंतु प्रकृति आजादी से अछूती रही है। अमूमन हमारी जरूरत रोटी, कपड़ा, मकान और जल की थी कि हमको उद्योग धंधे का विकास तीव्र गति से करना पड़ा। मशीनें जितनी बड़ी से बड़ी होती गई आदमी उतना ही बौना होता गया। कृषि में नई नई तकनीक ट्रैक्टर, रसायनिक उर्वरक, कीटनाशकों के प्रयोग से भूमि बंजर होकर कराहाने लगी। विकास का सही मायने माननीय शक्तियों के साथ ऊर्जा और उसकी शक्ति तथा सामर्थ्य का सही उपयोग ही होगा। जब से हमने विकास के पथ पर उड़ान भरी है उद्योगों की चिमनी यों को ऊपर उठाया मोबाइल क्रांति का बटन दबाया ई-मेल पर सवार होकर विश्व संदेश को सुना तब से हमारे झरनों का कल कल स्वर और संगीत बंद हो गया, पक्षियों का कलरव बंद हो गया पक्षी अब चीत्कार कर रहे हैं।

नदी नाले सूखकर मृतप्राय हो गए हैं। समुद्र की लहरों की झंकार विलुप्त हो गई है और पानी खारा और खारा हो गया है। अब हमें यह सोचना है कि विकास के नाम पर हमें ग्रीन इंडिया चाहिए या इंटरनेट की सवारी कर डिजिटल इंडिया चाहिए। बच्चों की झोली में इंटरनेट को डालकर डिजिटल जेनरेशन का सपना देखना चाहिए या प्रकृति की गोद में सुगंधित वायु की लहरों में खो जाना चाहिए। झरनों में बैठकर नौका विहार का आनंद लेना चाहिए या कंप्यूटर में बैठकर नेट खोल कर नन्हे मुन्ने की आंखों पर जोर डालकर उन्हें चश्मा वाला बनाना चाहिए। हरा भरा हिंदुस्तान यानी कि ग्रीन इंडिया और डिजिटल इंडिया का सपना नदी के दो कभी ना मिलने वाले किनारे हैं। विकास के नाम पर असीमित उद्योग धंधों की बाढ़ आ गई है। भूमि समाप्त हो रही है साथ ही हमारी वायु विषैली हो गई है। रात में शहरी मकानों मैं बिजली के झालरों के सामने आकाश में रात्रि के तारों की चमक फीकी पड़ गई है। जंगलों को हम ऐसे साफ करते गए जैसे सड़क पर रोड रोलर चला रहे हैं। नगर बने ,महानगर बने ,मकान बने किंतु अब घर गायब होते गए, हमें तब सुध आई जब चिड़िया चुग गई खेत, हमें विकास के नाम पर मानव सभ्यता से जुड़ी जमीन पानी, हरियाली,पक्षी जानवर सब चाहिए केवल अंधाधुन्ध कंक्रीट का विकास या इंटरनेट की रफ्तार नहीं चाहिए। इसके लिए हमें संसाधनों के अंधाधुंध प्रयोग पर अंकुश लगाना होगा। संसाधनों का इस्तेमाल अतिरेक में नहीं होना चाहिए । महात्मा गांधी ने खुद कहा है कि पृथ्वी पर सभी की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए संसाधन है, किंतु मानव की लालच को पूरा करने का कोई साधन नहीं है। हम प्राकृतिक परियोजना तथा परिस्थितिकी की परियोजनाओं का स्वागत करना होगा सम्मान करना होगा। हमें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सौर, पवन, बायोगैस, ज्वार तरंग लहरों को ऊर्जा का आधार बनाना होगा।

भारत में परिस्थितियां बड़ी विषम है एक तरफ सोडियम लाइट से नहाती दिल्ली ,मुंबई ,बेंगलुरु की रंगीन सड़कें हैं, ऊंची ऊंची इमारतें हैं, तेज गति की मेट्रो है,वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग का लुफ्त उठाते हुए युवक युवतियां है, दूसरी तरफ पसीने से भीगा हुआ किसान हैं। कैरोसिन की चिमनी में बच्चों को कहानी सुनाती माताएं हैं। यानी कि इतनी डिजिटल विषम बताएं भारत के अलावा विश्व के किसी भी कोने में नहीं है। भारत में विकास के नाम पर डिजिटलाइजेशन करने की आवश्यकता जरूर है पर गांव जंगलों नदियों और प्राकृतिक संसाधनों के निरस्तीकरण और विनाश की कीमत पर नहीं। हमें यह साबित करना होगा कि भारत के विकास की हरित क्रांति के साथ-साथ डिजिटल इंडिया भी विकास की गति को बढ़ा रहे हैं। इसमें कोई संदेह नहीं कि भारत कि हरित क्रांति का विकास ही डिजिटल इंडिया का स्वप्न को भी पूरा करेगा। इसके लिए स्वच्छ साफ-सुथरे संसाधन जैसे जल, खनिज, यूरेनियम ,थोरियम नहीं होगा तब तक नाभिकीय रिएक्टर की भट्टीयां कैसे चलेंगी। किसी कवि ने कहा है, जो घर बनाओ तो एक पेड़ भी लगा लेना, पंछी सारे उपवन के चहचहा उठेंगे।

राष्ट्र को दागी नेताओं से मुक्ति कब मिलेगी?

ललित गर्ग

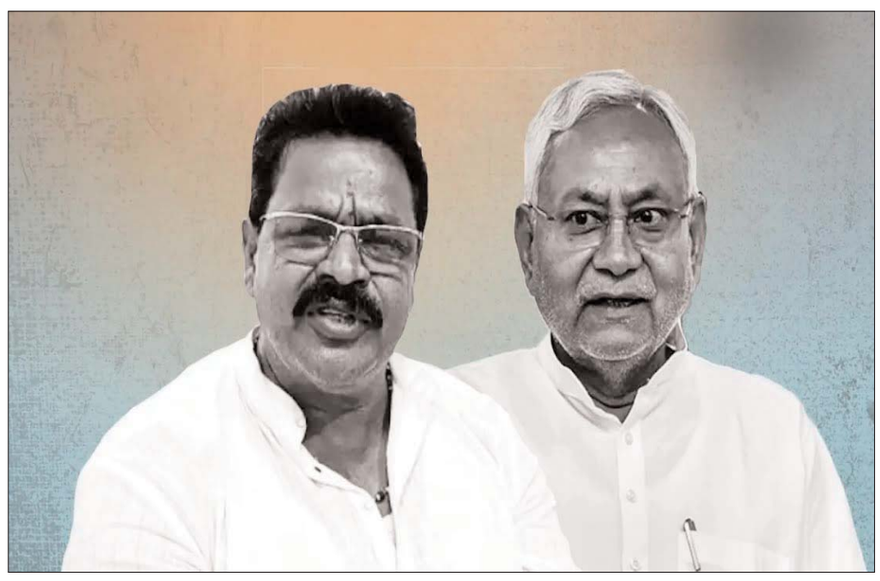

भारतीय राजनीति में आपराधिक छवि वाले या किसी अपराध के आरोपों का सामना कर रहे लोगों को जनप्रतिनिधि बनाए जाने एवं महत्वपूर्ण मंत्रालय की जिम्मेदारी देने के नाम पर गहरा सन्नाटा पसरा है, जो लोकतंत्र की एक बड़ी विडम्बना बनती जा रही है। कैसा विरोधाभास एवं विसंगति है कि एक अपराध छवि वाला नेता कानून मंत्री बन जाता है, एक अनपढ़ या कम पढ़े-लिखे प्रतिनिधि को शिक्षा मंत्री बना दिया जाता है। ऐसे ही अन्य महत्वपूर्ण मंत्रालय के साथ होता है। यह कैसी विवशता है राजनीतिक दलों की? अक्सर राजनीति को अपराध मुक्त करने के दावे की हकीकत तब सामने आ जाती है जब किसी राज्य या केंद्र में गठबंधन सरकार के गठन का मौका आता है। बिहार में नई सरकार में कानून मंत्री बने राष्ट्रीय जनता दल के विधायक कार्तिकेय सिंह हैं। जिन्हें मंगलवार को पटना के दानापुर में अदालत के सामने समर्पण करना था, मगर वे राजभवन में शपथ लेने पहुंच गए।

बिहार में नीतीश कुमार को एक सुशासन के तौर पर जाना जाता है जिन्होंने राज्य में अपराध के खात्मे की घोषणा के बूते ही अपने राजनीतिक कद को ऊंचा किया। लेकिन ताजा उलटफेर में जिन लोगों को मंत्रीमंडल में शामिल किया गया है, उनमें से कई पर लगे आरोपों के बाद एक बार फिर इस सवाल ने जोर पकड़ा है कि जो लोग राजनीति को अपराधीकरण से मुक्त बनाने की बात करते हैं, वे हर बार मौका मिलने पर अपने संकल्प एवं बेदाग राजनीति के दावों से पीछे क्यों हट जाते हैं? गौरतलब है कि 2014 में कार्तिकेय सिंह सहित सत्रह अन्य लोगों पर पटना के बिहटा थाने में अपहरण का मामला दर्ज कराया गया था। कार्तिकेय सिंह पर आरोप है कि उन्होंने एक बिल्डर को मारने के मकसद से अपहरण की साजिश रची थी। यह अजीब स्थिति है कि अक्सर साफ-सुथरी और ईमानदार सरकार देने के दावों के बीच आपराधिक छवि के लोगों को उच्च पद देने का सवाल उभर जाता है। सवाल है कि क्या नीतीश कुमार अपने ही दावों को लेकर वास्तव में गंभीर हैं? ऐसे जिम्मेदार राजनेता अपने दावों से पीछे हटेंगे तो राजनीति को कौन नैतिक संरक्षण देगा?

आज भारत की आजादी का अमृत महोत्सव की परिसम्पन्नता पर एक बड़ा प्रश्न है भारत की राजनीति को अपराध मुक्त बनाने का। यह बेवजह नहीं है कि देशभर में अपराधी तत्त्वों के राजनीति में बढ़ते दखल ने एक ऐसी समस्या खड़ी कर दी है कि अपहरण के आरोपी अदालत में पेश होने की जगह मंत्री पद की शपथ लेने पहुंच जाते हैं। हम ऐसे चरित्रहीन एवं अपराधी तत्वों को जिम्मेदारी के पद देकर कैसे सुशासन स्थापित करेंगे? कैसे आम जनता के विश्वास पर खरे उतरेंगे? इस तरह अपराधी तत्वों को महिमामंडित करने के बाद नीतीश कुमार के उन दावों की क्या विश्वसनीयता रह जाती है कि वे बिहार को अपराध और भ्रष्टाचार से मुक्त कराएंगे?

बड़ा प्रश्न है कि आखिर राजनीति में तब कौन आदर्श उपस्थित करेगा? क्या हो गया उन लोगों को जिन्होंने सदैव ही हर कुर्बानी करके आदर्श उपस्थित किया। लाखों के लिए अनुकरणीय बने, आदर्श बने। चाहे आज़ादी की लड़ाई हो, देश की सुरक्षा हो, धर्म की सुरक्षा हो, अपने वचन की रक्षा हो अथवा अपनी संस्कृति और अस्मिता की सुरक्षा का प्रश्न हो, उन्होंने फर्ज़ और वचन निभाने के लिए अपना सब कुछ होम दिया था। महाराणा प्रताप, भगत सिंह, दुर्गादास, छत्रसाल, शिवाजी जैसे वीरों ने अपनी तथा अपने परिवार की सुख-सुविधा को गौण कर बड़ी कुर्बानी दी थी। गुरु गोविन्दसिंह ने अपने दोनों पुत्रों को दीवार में चिनवा दिया और पन्नाधाय ने अपनी स्वामी भक्ति के लिए अपने पुत्र को कुर्बान कर दिया। ऐसे लोगों का तो मन्दिर बनना चाहिए। इनके मन्दिर नहीं बने, पर लोगों के सिर श्रद्धा से झुकते हैं, इनका नाम आते ही। लेकिन आज जिस तरह से हमारा राष्ट्रीय जीवन और सोच विकृत हुए हैं, हमारी राजनीति स्वार्थी एवं संकीर्ण बनी है, हमारा व्यवहार झूठा हुआ है, चेहरों से ज्यादा नकाबें ओढ़ रखी हैं, उसने हमारे सभी मूल्यों को धराशायी कर दिया। राष्ट्र के करोड़ों निवासी देश के भविष्य को लेकर चिन्ता और ऊहापोह में हैं। वक्त आ गया है जब देश की संस्कृति, गौरवशाली विरासत को सुरक्षित रखने के लिए कुछ शिखर के व्यक्तियों को भागीरथी प्रयास करना होगा। दिशाशून्य हुए नेतृत्व वर्ग के सामने नया मापदण्ड रखना होगा। अगर किसी हत्या, अपहरण या अन्य संगीन अपराधों में कोई व्यक्ति आरोपी है तो उसे राजनीतिक बता कर संरक्षण देने की कोशिश या राजनीतिक लाभ उठाने की कुचेष्टा पर विराम लगाना ही होगा।

सीमाओं पर राष्ट्र की सुरक्षा करने वालों की केवल एक ही मांग सुनने में आती है कि मरने के बाद हमारी लाश हमारे घर पहुंचा दी जाए। ऐसा जब पढ़ते तो हमारा मस्तक उन जवानों को सलाम करता है, लगता है कि देश भक्ति और कुर्बानी का माद्दा अभी तक मरा नहीं है। लेकिन राजनीति में ऐसा आदर्श कब उपस्थित होगा। राजनीति में चरित्र एवं नैतिकता के दीये की रोशनी मन्द पड़ गई है, तेल डालना होगा। दिल्ली सरकार में मंत्रियों के घरों पर सीबीआई के छापे और जेल की सलाखें हो या बिहार मंत्री परिषद के गठन में अपराधी तत्वों की ताजपोशी- ये गंभीर मसले हैं, जिन पर राजनीति में गहन बहस हो, राजनीति के शुद्धिकरण का सार्थक प्रयास हो, यह नया भारत - सशक्त भारत की प्राथमिकताएं होनी ही चाहिए।

सभी अपनी-अपनी पहचान एवं स्वार्थपूर्ति के लिए दौड़ रहे हैं, चिल्ला रहे हैं। कोई पैसे से, कोई अपनी सुंदरता से, कोई विद्वता से, कोई व्यवहार से अपनी स्वतंत्र पहचान के लिए प्रयास करते हैं। राजनीति की दशा इससे भी बदतर है कि यहां जनता के दिलों पर राज करने के लिये नेता अपराध, भ्रष्टाचार एवं चरित्रहीनता का सहारा लेते हैं। जातिवाद, प्रांतवाद, साम्प्रदायिकता को आधार बनाकर जनता को तोड़ने की कोशिशें होती है। पर हम कितना भ्रम पालते हैं। पहचान चरित्र के बिना नहीं बनती। बाकी सब अस्थायी है। चरित्र एक साधना है, तपस्या है। जिस प्रकार अहं का पेट बड़ा होता है, उसे रोज़ कुछ न कुछ चाहिए। उसी प्रकार राजनीतिक चरित्र को रोज़ संरक्षण चाहिए और यह सब दृढ़ मनोबल, साफ छवि, ईमानदारी एवं अपराध-मुक्ति से ही प्राप्त किया जा सकता है। नीतीशकुमार से बहुत उम्मीदें है, वे अपनी छवि के मुताबिक फैसले ले और ईमानदार लोगों को मंत्री बनाएं। यही उनके लिये सुविधाजनक होगा और यही उनके राजनीतिक जीवन का दीर्घता प्रदान करेंगा।

बिहार ही नहीं समूचे देश में जन प्रतिनिधि बनने एवं उसे मंत्री बनाये जाने की न्यूनतम अपेक्षाओं में उसका अपराधमुक्त होना जरूरी होना चाहिए। उस पर किसी भी अदालत में कोई मामला विचाराधीन नहीं होना चाहिए। बिहार की मौजूदा सरकार में हालत यह है कि जितने विधायकों को मंत्री बनाया गया है, उनमें से बहत्तर फीसद के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं। गैरसरकारी संगठन एसोसिएशन आफ डेमोक्रेटिक रिसर्च की ताजा रिपोर्ट में यह बताया गया है कि तेईस मंत्रियों ने अपने खिलाफ दर्ज आपराधिक मामलों की जानकारी दी है। इनमें सत्रह मंत्रियों के खिलाफ गंभीर अपराधों का धाराएं लगी हुई हैं। कब मुक्ति मिलेगी इन अपराधी तत्वों से राष्ट्र को? राजनीति में चरित्र-नैतिकता सम्पन्न नेता ही रेस्पेक्टेबल (सम्माननीय) हो और वही एक्सेप्टेबल (स्वीकार्य) हो।

जापान अपने युवाओं से क्यों कर रहा ज्यादा शराब पीने की अपील, चलाया जा रहा कैंपेन

एक रिपोर्ट के मुताबिक जापान के युवा बुजुर्गों की तुलना में कम शराब पी रहे हैं। इसके बाद जापान की नेशनल टैक्स एजेंसी ने युवाओं को शराब पीलाने के लिए साकेविवा नाम से एक प्रतियोगिता की शुरुआत की।

शराब पीना स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होता है, लेकिन शराब पिलाना राजस्व के लिए फायदेमंद होता है। यकीन नहीं होता तो आप भारत में ही तमाम राज्यों के बजट उठा कर देख लीजिए कि उनकी कमाई का कितना हिस्सा शराब की बिक्री से आता है। जिन राज्यों में नाम के लिए शराबबंदी है, वहां बिक रही शराब से राजनीति और सरकारी तंत्र में कितने हाथ गर्म होते हैं वो भी किसी से छिपा नहीं हैं। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के यहां शराब घोटाले में सीबीआई रेड ने देश की सियासत को गर्म कर दिया है। लेकिन आज बात भारत की नहीं बल्कि एक ऐसे देश की करेंगे जहां राजस्व को बढ़ाने के लिए शराब की प्रतियोगिता ही रख दी गई। ये देश है दिल्ली से पांच हजार किलोमीटर दूर जापान की। जापान सरकार ने अपने नागरिकों को शराब पिलाने के लिए एक प्रतियोगिता की शुरुआत की है। इसके साथ ही लोगों से शराब की खपत बढ़ाने के लिए आइडिया भी मांगा गया है। ऐसा इसलिए की वहां के युवा अपने बुजुर्गों की तुलना में कम शराब पी रहे हैं। जिससे जापान में शराब से होने वाली आमदनी घट गई है। इसलिए वहां की सरकार अपने नागरिकों से ज्यादा शराब पीने की अपील कर रही है। ताकी उससे मिलने वाले टैक्स में बढ़ोतरी हो और जापान की अर्थव्यवस्था को फायदा पहुंचे।

एक रिपोर्ट के मुताबिक जापान के युवा बुजुर्गों की तुलना में कम शराब पी रहे हैं। इसके बाद जापान की नेशनल टैक्स एजेंसी ने युवाओं को शराब पीलाने के लिए साकेविवा नाम से एक प्रतियोगिता की शुरुआत की। जापान सरकार को उम्मीद है कि प्रतियोगिता के बाद ऐसा प्लान तैयार होगा जिससे शराब पीने वाले युवाओं की संख्या जापान में बढ़ेगी। जापान की शराब से होने वाली आय में भी बढ़ोतरी होगी।

इस प्रतियोगिता में 20-39 साल के लोग हिस्सा ले सकेंगे। जिन्हें ये बताना होगा कि वो किस तरह युवाओं में शराब की खपत को बढ़ा सकते हैं। बिक्री में आई गिरावट की वजह से जापान में शराब का कारोबार लगातार सिकुड़ता जा रहा है। नेशनल टैक्स एजेंसी का कहना है कि कोरोना के दौरान लोगों में शराब की लत कम हुई। एक रिपोर्ट के अनुसार 1995 की तुलना में लोगों में बहुत कम लोग शराब पी रहे हैं। 1995 में जापान में एक साल में एक व्यक्ति औसतन 100 लीटर शराब पीता था। लेकिन 2020 में ये आंकड़ा 75 लीटर तक रह गया। 1980 में देश की कुल कमाई का 5 ब हिस्सा शराब बिक्री से आता था। लेकिन 2020 में ये घटकर 1.7 ब ही रह गया है। मतलब ये कि जापान को कई साल से लगातार बड़ा घाटा उठाना पड़ रहा है।

कोविड-19 के बाद आई गिरावट

दो दशकों (2000-2020) के डेटा से पता चलता है कि जापान में शराब पर एकत्र कर की मात्रा और बिक्री (खपत) की मात्रा में कमी आई है। 2000 में शराब पर एकत्र कर 1,758,800 मिलियन येन था और बिक्री या खपत की मात्रा 9,519,513 केएल थी। हालांकि, 2020 में सरकार ने शराब पर 1,068,100 मिलियन येन कर एकत्र किया, जबकि खपत 7,827,698 केएल थी। पीने वाले बीयर के बजाय कम कीमत वाली शराब, जैसे स्पार्कलिंग शराब, चुहाई और बीयर जैसे उत्पादों को पसंद करते हैं। कोविड-19 महामारी घरेलू शराब की खपत में गिरावट आई और लॉकडाउन के कारण रेस्तरां में भी खपत प्रभावित हुए। शराब कम खपत होने की एक बड़ी वजह जापान की तेजी से बूढ़ी होती आबादी भी है। क्योंकि विश्व बैंक की एक रिपोर्ट के मुताबिक जापान में एक तिहाई आबादी यानी 29 फीसदी लोग 65 साल या उससे ऊपर की है। यही वजह है कि जापान की सरकार युवाओं को शराब पीने का न्यौता दे रही है और उनसे शराब की खपत के लिए सुझाव भी मांग रही है।

विश्व मच्छर (मलेरिया) दिवस 20 अगस्त 2022 मनाया गया

मलेरिया जैसी संक्रामक बीमारी से मुक्ति के लिए विश्व मच्छर दिवस श्रेष्ठ मंच हो सकता है

विश्व मच्छर दिवस पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा मच्छरों द्वारा फैलाई जाने वाली बीमारियों से बचने के उपायों का जन जागरण जागरूकता अभियान चलाया जाता है - एडवोकेट किशन भावनानी

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर अधिकतम मनुष्यों को मच्छरों से मलेरिया सहित अनेक प्रकार की बीमारियां होती है यह जानकारी है, परंत पिछले दो वर्षों से दुनिया में कहर बनकर बरसी कोविड महामारी से डब्लयूएचओ सहित दुनिया के सभी स्वास्थ्य मंत्रालयों को गंभीरता से सचेत रहने पर मजबूर किया है इसीलिए हर संक्रामक बीमारी पर आज सचेत रहने की जरूरत है। चूंकि हर वर्ष 20 अगस्त 2022 को विश्व मच्छर (मलेरिया) दिवसमनाया गया है इसीलिए आज हम इस आर्टिकल के माध्यम से मच्छरों और उनके द्वारा जनित बीमारियों की चर्चा करेंगे।

साथियों बात अगर हम मच्छर की करें तो, मच्छर नाम एक स्पेनिश शब्द से आया है जिसका अर्थ है छोटी मक्खी । मूल रूप से मच्छर मधुमक्खियों के समान पौधे के अमृत पर भोजन करते हैं। आमतौर पर हम मानते हैं कि मच्छर इंसानों को इसलिए काटते हैं क्योंकि उन्हें इंसानों का खून पीने की जरूरत होती है, लेकिन यह सच नहीं है। दरअसल, मादा मच्छर अंडे देने से पहले अपने अंडे के विकास में मदद करने के लिए खून चूसती हैं। नर मच्छर खून बिल्कुल नहीं खाते। साथियों जीवित रहने के लिए केवल मादा मच्छर ही खून पर निर्भर करती हैं। नर मच्छर फूलों के अमृत या अन्य उपयुक्त चीनी स्रोतों पर भोजन करते हैं। मच्छरों द्वारा रक्त खींचने के लिए उपयोग की जाने वाली तेज सूंड ने दवा में उपयोग की जाने वाली बेहतर, कम दर्दनाक हाइपोडर्मिक सुइयों के डिजाइन को प्रेरित किया है। अधिकांश कीड़ों के विपरीत, मच्छर प्रकाश की ओर नहीं, बल्कि कार्बन डाइऑक्साइड की ओर आकर्षित होते हैं। इससे उन्हें संकेत मिलता है कि स्वादिष्ट रक्त वाला स्तनपायी पास में है। नर और मादा मच्छर अपने पंखों की धड़कन को अपने साथी के साथ सिंक्रनाइज़ करते हैं। पृथ्वी पर किसी भी अन्य जानवर की तुलना में मच्छरों से अधिक मौतें होती हैं।मच्छरों को बैक्टीरिया और पसीने की गंद अपनी तरफ आकर्षित करती है जिस वजह से वो इंसानों के पैरों में सबसे ज्यादा काटते हैं। साथियों दिखने में मामूली कीट लगने वाले मच्छर,खून चूसने वाले वे कीट हैं, जो मलेरिया जैसी गंभीर बीमारियों के जनक हैं। आज तक मलेरिया के लिए कोई वैक्सीन नहीं बन सका है। अंटार्कटिका को अपवाद मान लें तो दुनिया भर में मलेरिया का आतंक छाया हुआ है। सहारा अफ्रीका, दक्षिण एशिया और कैरिबियन सहित दुनिया के कुछ हिस्सों में मच्छर जनित मलेरिया चिंता का विषय बना हुआ है।

साथियों बात अगर हम विश्व मच्छर दिवस के महत्व की तरह तो, चूंकि आम जनता को स्वस्थ रहने की आदतों और अपने घरों के आसपास मच्छरों के प्रजनन से बचने के सरल तरीकों के बारे में शिक्षित करने की आवश्यकता है, इसलिए यह दिन बहुत महत्वपूर्ण है इस दिनकी प्राथमिक गतिविधि लोगों को मलेरिया के प्रसार और मच्छरों से होने वाली अन्य घातक बीमारियों के बारे में सावधानी बरतने में सहायता कर रही है । विश्व मच्छर दिवस मलेरिया के कारण होने वाली बीमारियों से लड़ने में स्वास्थ्य अधिकारियों, गैर सरकारी संगठनों और अन्य लोगों के प्रयासों को रेखांकित करता है।लोग उन्हें शिक्षित करने, जागरूकता पैदा करने और मच्छर पैदा करने वाली बीमारियों को रोकने के बारे में प्रचार करने के लिए इस दिन एकत्रित होते हैं। कई धर्मार्थ ट्रस्ट और संगठन लोगों को मच्छरदानी, कॉइल और कुनैन वितरित करने में मदद करते हैं, खासकर उन परिवारों में जिनमें छोटे और वृद्ध नागरिक हैं।

साथियों बात अगर हम मच्छरों से होने वाले रोगों की करें तो

मच्छरों से होने वाली कुछ सामान्य बीमारियां हैं- मलेरिया, एक परजीवी के कारण होता है, जो एनोफिलीज मच्छर द्वारा फैलता है।

साथियों जीका , एक वायरल बीमारी, एडीज मच्छर से फैलती है जो दिन में काटता है। जीका के सबसे आम लक्षण बुखार, दाने, जोड़ोंमें दर्द औरनेत्रश्लेष्मलाशोथ (लाल आंखें) हैं। रोग के लक्षण कई दिनों से लेकर एक सप्ताह तक रहते हैं। गर्भावस्था के दौरान, जीका गंभीर जन्म दोष माइक्रोसेफली और अन्य जन्मजात विकृतियों का कारण बनता है, जिसे जन्मजात जीका सिंड्रोम के रूप में जाना जाता है। दुर्लभ मामलों में, जीका से गुइलेन बैरे सिंड्रोम भी हो सकता है । चिकनगुनिया , एडीज एजिप्टी और एडीज एल्बोपिक्टस मच्छरों के माध्यम से फैलता है, सिरदर्द, बुखार, मतली, उल्टी और मांसपेशियों में दर्द जैसे लक्षण भी पैदा करता है। वेस्ट नाइल वायरस विभिन्न प्रजातियों द्वारा प्रेषित होता है, ज्ञात प्राथमिक प्रजाति क्यूलेक्स पिपियंस है । कुछ फ्लू जैसे लक्षण होते हैं और दुर्लभ मामलों में स्थायी स्नायविक क्षति या मृत्यु भी हो सकती है। साथियों बात अगर हम मच्छरों द्वारा पैदा की जाने वाली बीमारियों से बचाव की करें तो, मच्छरों की आबादी का जल्द पता लगाने के लिए वेक्टर निगरानी की जानी चाहिए ताकि प्रारंभिक चरण में उन्हें नियंत्रित करने के लिए पर्याप्त उपाय किए जा सकें। सभी पानी के कंटेनरों को ढककर पानी की टंकियों, कंटेनरों, कूलर, पक्षी-स्नान आदि को खाली और सुखाकर मच्छरों के प्रजनन का उन्मूलन , यानी खुले स्थानों से वर्षा जल एकत्र करने वाली वस्तुओं को त्यागना, बंद गटर और सपाट छतों की जाँच करना जिनमें खराब जल निकासी हो सकती है। सजावटी पानी की टंकियों /बगीचों या आस-पास के तालाबों में लार्वा वाली मछलियों को शामिल करने से बीमारियों को रोकने में मदद मिल सकती है।

ख़ामोश चेहरा , चुप सी निगाहे

ख़ामोश चेहरा , चुप सी निगाहे
ख़ामोश चेहरा , चुप सी निगाहे
कहना भी चाहे , कह भी ना पाये ,
कैसी मोहब्बत समझ में आये

ख़ामोश चेहरा , चुप सी निगाहे ..
वो चाहती है , मै जानता हूँ ,
जो सोचती है , में चाहता हूँ
कैसे बताऊ समझ मे ना आये

ख़ामोश चेहरा , चुप सी निगाहे ..
एक बार हँस के देखे जो मुझको
शरमा के फिर जो जादू चलाये
नादान दिल ये संभालता नहीं है
कैसे सँभालु समझ मे ना आये

ख़ामोश चेहरा , चुप सी निगाहे ..
क्या है तम्मना कैसे बताऊ
जी चाहता है बाहों में भर लूँ
हुई जो खता तो कैसे मनाऊ
फिर सोचता हूँ
उनसे कहूँ या दिल में छुपा लूँ
उनसे कहूँ या दिल में छुपा लूँ

राकेश झा

शार्ट न्यूज

बरेली में हादसा : 30 फीट नीचे खाई में गिरी कार, दो की मौत, तीन घायल

बरेली। दिल्ली-लखनऊ राष्ट्रीय मार्ग पर मीरगंज थाना क्षेत्र में हुए सड़क हादसे में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। मीरगंज के थाना प्रभारी इंस्पेक्टर सतीश कुमार ने बताया, घटना शुक्रवार देर रात की है। मीरगंज ओवर ब्रिज सेएक कार नीचे 30 फुट खाई में जा गिरी जिसमें पानी भरा था। हादसे में दो लोगों की मौके पर मौत हो गई, जबकि घायल तीन लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने बताया कि लखीमपुर खीरी जिले के मोहम्मदी गांव के निवासी पांच दोस्त कार से दिल्ली जा रहे थे। इसी दौरान, मीरगंज ओवरब्रिज पर कार असंतुलित होकर नीचे 30 फुट खाई में जा गिरी, जिससे सभी लोग कार में फंस गए। अधिकारी ने बताया कि दो घंटे की मशक्कत के बाद उनमें से एक गुरु प्रीत सिंह बाहर निकला और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने बचाव कार्य शुरू किया और कार से सभी को बाहर निकाला, तब तक 40 वर्षीय सलीम और 28 वर्षीय आमिर की मौके पर ही मौत हो चुकी थी। कार में सवार तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए थे, जिन्हें पुलिस ने बरेली के एक अस्पताल में भर्ती कराया जहां उनका इलाज हो रहा है।

पंक्चर टायर बदलते समय ड्राइवर और खलासी को ट्रक ने मारी टक्कर, दोनों की मौत

बस्ती। उत्तर प्रदेश के बस्ती में एक ट्रेलर ट्रक की टक्कर से ड्राइवर और खलासी की मौत हो गई। ये घटना छावनी थाने के गोरखपुर-अयोध्या राष्ट्रीयराज मार्ग पर स्थित नल्हीपुर गांव के पास की है जहां सुबह सात बजे एक पिकअप पंचर हो गया। जब ड्राइवर और खलासी टायर चेंज कर रहे थे तभी एक कंटेनर बेकाबू होकर टक्कर मार दी। जिससे मौके पर ही चालक और खलासी की मौत हो गई। वहीं इस घटना के बाद से एक लेन पर जाम लग गया।पुलिस ने शनिवार को इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि नाल्हीपुर के समीप पंचर टायर बदलते समय ट्रक ने टक्कर मार दी जिससे दोनों की मौत हो गई। दोनों मृतकों की पहचान अफजल बैर और रविंद्र के तौर पर हुई है। रविंद्र लखीमपुर के बांसी गांव का रहने वाल था, वहीं अफजल बैर का घर पीलीभीत जिले के जादमपुर गौरैया शरीफ में है।बस्ती पुलिस ने शव को कब्जे लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है, वहीं क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क के किनारे सर्विस लेन पर खड़ी कराया गया है। इस घटना से राजमार्ग पर कुछ समय के लिए बाधित हुए यातायात को फिर से बहाल करा दिया गया है।

इटावा में मैनपुरी अंडर पास में फिर फंसी रोडवेज बस

इटावा। उत्तर प्रदेश में इटावा जिले के मैनपुरी अंडर ब्रिज बरसात मे लोगो के लिए मुसीबत बन चुका है जिसमे आये दिन वाहन फंसते रहते है। रुक-रुक के बारिश से शनिवार सुबह मैनपुरी अंडरपास में पानी भर गया जिसमें औरैया डिपो की सवारियों से भरी रोडवेज बस फंस गई और उसमें सवार यात्री करीब आधे घंटे बेहाल रहे। देर रात से शुरू हुई बारिश से सैफ़ई इटावा को जोड़ने वाला मुख्य रेलवे अंडर ब्रिज तालाब बन गया जिसमें शनिवार सुबह यूपी परिवहन निगम की औरैया डिपो की बस चालक पानी की गहराई नही समझ सका और बस को निकालने का प्रयास किया। इटावा के सिविल लाइन इलाके के मैनपुरी अंडरपास में बरसात के दौरान हुए करीब आठ फ़ीट पानी भर गया जिसमें आगरा की ओर से आ रही औरैया डिपो की 20 सवारियों से भरी रोडवेज बस बीच पानी में बंद हो गई । पानी बस के अंदर तक जा पहुंचा जिसके बाद सवारियों में अफरा-तफरी मच गई। इसके बाद वहां पर तैनात पालिका कर्मियों की नजर जब बस पर पड़ी तो उसको कड़ी मशक्कत कर जेसीबी की मदद से बाहर निकलवाया । करीब आधा घंटे के रेस्क्यू के बाद बस बाहर आ सकी जिसके बाद बस के अंदर बैठी सवारियों ने राहत की सांस ली। इसके बाद रोडवेज परिचालक राजेश ने बस में बैठी सवारियों को दूसरी बस की मदद से गंतव्य की ओर भेजा। बस चालक राजीव ने बताया कि वह पहली बार इस रूट पर बस लेकर आया था। अंडर पास में भरे पानी का अंदाजा नहीं था जिसके कारण जब बस पानी में आई तो वह बंद हो गई। बस पहले से ही धक्का परेड थी, पानी में आने के बाद बंद हो गई। एक माह में दूसरी बार यह बड़ा वाहन इस ब्रिज में फस गया। इससे पूर्व प्लाई बोर्ड लदा ट्रक इसमें जलमग्न होगया था। जिससे ट्रक में बैठे चालक परिचालक तीन घण्टे ट्रक के ऊपर बैठकर अपनी जान बचा पाए थे। फायर ब्रिगेड की रेस्क्यू टीम की मदद से दोनों को बाहर निकाला गया था। इसी अंडर ब्रिज में दो वर्ष पूर्व एक बच्चे की डूबकर मौत होगयी थी।

जौनपुर-रायबरेली इंटरसिटी एक अक्टूबर से होगी शुरू

जौनपुर। कोविड-19 महामारी के कारण 22 मार्च 2020 से बंद दैनिक यात्रियों की पसंदीदा ट्रेन रायबरेली जौनपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस का संचालन एक अक्टूबर से फिर से शुरू होगा। अधिकृत सूत्रों ने शनिवार को बताया कि रायबरेली से प्रतापगढ़,बादशाहपुर,जंघई,जफराबाद होकर जौनपुर जाने वाली 14201/14202 रायबरेली जौनपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस के संचालन को रेलवे बोर्ड ने हरी झंडी दे दी है। ट्रेन का संचालन 01 अक्टूबर से शुरू होगा जिससे दैनिक यात्रियों को काफी राहत होगी। उन्होने बताया कि रेलवे बोर्ड से हरी झंडी मिलते ही उत्तर रेलवे महाप्रबंधक कार्यालय की तरफ से ट्रेनों के रैक तैयार करने के लिए संबंधित मंडल प्रबंधकों को पत्र जारी किया गया है ताकि जल्द से जल्द ट्रेन को पटरी पर उतारा जा सके।लखनऊ मंडल कार्यालय ने ट्रेनों के संचालन को लेकर उनकी तरफ से प्रस्ताव रेलवे के पास भेजा गया है जो ट्रेन अभी नहीं चली हैं,रेलवे द्वारा दिए गए आदेशों के अनुपालना में रैक तैयार करने का कार्य आरंभ कर दिया गया है।

औरैया में सड़क हादसे में बीएससी के छात्र की मौत

औरैया। उत्तर प्रदेश में औरैया जिले के दिबियापुर क्षेत्र में शनिवार को मोटरसाइकिल फिसलने से बीएससी के छात्र की ट्री गार्ड से टकरा कर मृत्यु हो गयी जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि फफूंद क्षेत्र के गांव आशा का पुरवा निवासी आशीष (18) बीएससी प्रथम वर्ष का छात्र था। वह अपने साथी विनय (18) के साथ बाइक से दिबियापुर में अपने ताऊ के यहां दूध लेकर आया था। दूध देने के बाद वह वापिस अपने गांव जा रहा था कि कन्नो पुल के पास उसकी बाइक फिसल गई और बाइक ट्री गार्ड में जा घुसी जिससे दोनों गम्भीर रूप से घायल हो गए। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पीआरवी पुलिस ने घायलों को सीएचसी दिबियापुर में भर्ती कराया जहां चिकित्सकों ने आशीष को मृत घोषित कर दिया और विनय को गम्भीर हालत में रिम्स सैफई रेफर कर दिया।

पिता की डांट से क्षुब्ध छात्र ने की आत्महत्या

महोबा। उत्तर प्रदेश में महोबा के सदर कोतवाली क्षेत्र में शनिवार को पिता की डांट से क्षुब्ध एक स्नातक छात्र ने गोली मार कर आत्महत्या कर ली। पुलिस उप अधीक्षक आरपी राय ने बताया कि आल्हा चौक निवासी सर्राफा कारोबारी लाल जी सोनी का पुत्र श्रेयस (18) स्नातक का छात्र था और एसएससी की तैयारी कर रहा था। परिजनों के मुताबिक वह रक्षाबंधन के त्योहार पर पिछले दिनों घर आया था। इस दौरान किशोर के मित्रों संग घूमने और पढ़ाई लिखाई में लापरवाही बरतने पर कल रात लाल जी ने उसे फटकार लगाई थी। डांट से क्षुब्ध श्रेयस ने आज सुबह अपने कमरे में रखे पिता के लाइसेंसी रिवाल्वर से खुद को गोली मार ली जिससे उसकी मौके पर ही मृत्यु हो गयी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बस्ती में कन्टेनर की टक्कर से दो मरे

बस्ती। उत्तर प्रदेश मे बस्ती जिले के छावनी क्षेत्र में पन्चर टायर बदलते समय कन्टेनर की टक्कर से दो व्यक्तियों की मौके पर मौत हो गयी है। पुलिस सूत्रो ने शनिवार को बताया कि गोरखपुर-अयोध्या राष्ट्रीय राजमार्ग पर नाल्हीपुर के समीप पिकअप वाहन का पन्चर टायर बदलते समय रविन्द्र और अफजल को अनियंत्रित कन्टेनर ने टक्कर मार दिया जिससे मौके पर ही दोनो की मौत हो गयी। मृतक पीलीभीत जिले के निवासी हैं। हादसे के कुछ ही क्षण पहले इनका साथी आसिफ बैर कुछ ही दूरी पर शौच करने के लिए चला गया था और वह बच गया।

एसपी की रिपोर्ट पर पूरी चौकी सस्पेंड

दरोगा और कांस्टेबल पर गिरी गाज, गोकशी की वारदात पर कार्रवाई

मेरठ। सरूरपुर के मैनापूठी गांव में लगातार दूसरे दिन गोकशी की वारदात हुई। एसएसपी ने इसी को लेकर बड़ी कार्रवाई करते हुए पूरी हर्रा पुलिस चौकी को सस्पेंड कर दिया है। इस मामले में एसपी देहात से गोपनीय रिपोर्ट मांगी गई थी, जिसके बाद यह कार्रवाई की गई है। साथ ही चौकी पर तैनात पुलिसकर्मियों की भूमिका की जांच भी शुरू कर दी गई है। वहीं, दूसरी ओर पूरे जिले में गोकशों के खिलाफ बड़ा ऑपरेशन शुरू किया गया है।

सरूरपुर में गोकशी की वारदात रूकने का नाम नहीं ले रही है। गुरुवार को जसड़ के जंगल में गोकशी की गई थी। शुक्रवार को भी मैनापूठी गांव के जंगल में गोकशी की दूसरी वारदात हो गई। शुक्रवार को गोकशी की वारदात को लेकर हिंदू संगठनों में आक्रोश फैल गया। भारी संख्या में हिंदू संगठनों से जुड़े लोग मैनापूठी में सरधना-बिनौली रोड पर जाम लगाकर बैठ गए और कई घंटे तक धरना-प्रदर्शन करते हुए पुलिस के खिलाफ नारेबाजी की। हालांकि, बाद में शुक्रवार देर शाम मौके पर पहुंचे एसपी देहात ने हंगामा कर रहे लोगों को शांत कराया। हर्रा पुलिस चौकी पुलिस के खिलाफ तत्काल कार्रवाई का भरोसा भी दिलाया।

एसपी देहात की रिपोर्ट पर पूरी चौकी सस्पेंड

गोकशी की घटना को लेकर एसएसपी रोहित सिंह सजवाण ने एसपी देहात केशव कुमार से पूरी रिपोर्ट मांगी थी। एसपी देहात ने चौकी के खिलाफ रिपोर्ट दी, जिसके बाद एसएसपी ने हर्रा चौकी प्रभारी दरोगा संजय कुमार समेत पूरी चौकी को सस्पेंड कर दिया। सस्पेंड होने वालों में कांस्टेबल राहुल कुमार, कांस्टेबल जितेंद्र सिंह, कांस्टेबल विकास और कांस्टेबल सत्यवीर सिंह शामिल है। इस मामले में आरोपी पुलिस कर्मियों की भूमिका की जांच भी कराई जा रही है।

पांच घंटे रहा हंगामा

सरूरपुर क्षेत्र में गोकशी की वारदात की जानकारी बजरंगदल, विहिप और भाजपा कार्यकर्ताओं ने मौके पर पहुंचकर गोवंश के अवशेष एकत्र किए।

इसके बाद मैनापूठी गांव में ले जाकर सड़क पर यही लोग धरना देकर बैठ गए। पांच घंटे तक उन्होंने धरना-प्रदर्शन करते हुए जमकर नारेबाजी की। लोगों ने पुलिस पर गोकशों को संरक्षण देने का खुला आरोप लगाया।

उत्तराखंड में पेपर लीक मामले में नगर निगम के जेई गिरफ्तार

सहारनपुर। सहारनपुर नगर निगम में जल-कल विभाग के एक जूनियर इंजीनियर को उत्तराखंड एटीएस ने पेपर लीक मामले में गिरफ्तार किया है। उप नगरायुक्त दिनेश यादव ने शनिवार को बताया कि ललितराज के खिलाफ विभागीय कार्रवाई किए जाने के लिए उत्तर प्रदेश के निदेशक नगर निकाय को पत्र भेजा गया है। उत्तराखंड के अपर पुलिस अधीक्षक एसटीएफ ने नगरायुक्त को पत्र भेजकर ललितराज की गिरफ्तारी से अवगत कराया था।

सहारनपुर निगम के अधिकारियों के ललितराज पिछले 15 दिनों से गैर हाजिर चल रहे थे। उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की परीक्षा 2021 में पेपर लीक मामले में देहरादून के रायपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया था जिसकी तफ्तीश उत्तराखंड एसटीएफ कर रही है। ललितराज समेत 20 लोग इस मामले में गिरफ्तार हो चुके हैं। वह 2015 में जल-कल विभाग में जेई के पद पर नियुक्त हुआ था। 2019 में रूड़की निवासी उनकी पत्नी की देहरादून में एक निगम में सेवारत हैं।

एसटीएफ के एसएसपी अजय सिंह के मुताबिक पर्याप्त सबूत मिलने के बाद ललितराज शर्मा की गिरफ्तारी की गई है। उनके मुताबिक उन्होंने कई अभ्यर्थियों को पास कराने का ठेका ले रखा था। परीक्षा से पहले ललित 24 अभ्यर्थियों को धामपुर के नकल सेंटर पर ले गया था।

वाराणसी-गोंडा एक्सप्रेस का बहराइच तक यात्रा विस्तार

जौनपुर। रेलयात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे ने 14213/14214 वाराणसी-गोंडा एक्सप्रेस को 21 अगस्त से बहराइच तक यात्रा विस्तार देने का निर्णय किया है ।

रेलवे के उच्चाधिकारियों ने शनिवार को बताया कि यह रेलगाड़ी 21 अगस्त से गोंडा से रात्रि 08.20 बजे प्रस्थान कर उसी दिन रात्रि 09.45 बजे बहराइच पहुँचेगी ।

वापसी दिशा में 14214 22 अगस्त बहराइच से सुबह 05.15 बजे प्रस्थान कर उसी दिन सुबह 06.40 बजे गोंडा पहुँचेगी ।

यहाँ से यह रेलगाड़ी सुबह 06.50 बजे वाराणसी के लिए प्रस्थान करेगी। यात्रा विस्तार दिए गए मार्ग पर यह रेलगाड़ी पयागपुर स्टेशन पर दोनों दिशाओं में ठहरेगी ।अभी तक गया ट्रेन गोंडा से वाराणसी तक अयोध्या, शाहगंज, जौनपुर होते हुए वाराणसी जाती थी, अब यह गोंडा के पश्चात बहराइच तक भी जाएगी।

रेलवे बोर्ड के डायरेक्टर विवेक कुमार सिन्हा ने ट्रेन के यात्रा विस्तार कर संचालन की हरी झंडी दे दी है। बहराइच, गोंडा जिले के लोग सावन या अन्य माह में बनारस में काशी विश्वनाथ की यात्रा कई वाहनों को बदलकर करते थे लेकिन जिला मुख्यालय से इंटर सिटी ट्रेन का संचालन शुरू होने से अब जिले के लोग सीधे बनारस जाकर काशी विश्वनाथ जा सकेंगे।

रायबरेली में युवक ने की आत्महत्या

रायबरेली ।उत्तर प्रदेश में रायबरेली के मिल एरिया इलाके में पैसों की लेनदेन को लेकर एक युवक ने शनिवार को संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस सूत्रों ने बताया कि तौफीक (26) छोटा मोटा व्यापार करता था।व्यापार के लिए उसने किसी से कुछ पैसा उधार लिया था जिसकी वापसी के लिए बकायेदार उस पर दबाव बना रहे थे। धमकी और दबाव से परेशान होकर उसने आज सुबह अपने घर में छत के पंखे में फांसी लगा ली जिससे उसकी मौत हो गई। मृतक की ओर से उसके पिता इकबाल रजा ने तहरीर दी है जिससे अभी तक पैसो की लेनदेन का मामला सामने आया है। पुलिस ने मृतक के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की हर पहलू से जांच कर रही है।

बलिया : शराब के नशे में धुत कार सवारों ने 4 को रौंदा, 2 की मौत

बलिया। शराब के नशे में धुत कार सवारों ने शुक्रवार की रात चार लोगों को रौंद दिया। हादसे में दो की मौत हो गयी, जबकि दो गंभीर रुप से घायल हो गये। हादसे से नाराज ग्रामीण कार को क्षतिग्रस्त करने के साथ ही गाड़ी को फूंकने का प्रयास करने लगे। हालांकि पुलिस ने समझा-बुझाकर किसी तरह मामला शांत कराया।

इलाके के जमालपुर निवासी 60 वर्षीय चंद्रभान सिंह और 50 वर्षीय मदन सिंह बंशीबाजार चट्टी से पैदल ही घर लौट रहे थे। इसी बीच माल्दह की ओर से आ रही अनियंत्रित कार ने दोनों को रौंद दिया।

लोग दोनों घायलों को सम्भालने लगे, तथा कार चालक वाहन लेकर भागने लगा। इसी बीच कुछ दूरी पर साईकिल से घर लौट रहे झोरीडीह निवासी 54 वर्षीय प्रेमशंकर तथा सब्जी खरीदकर पैदल जा रहे हड़सर निवासी 28 वर्षीय अखिलेश शर्मा को भी टक्कर मार दिया।

भागने के प्रयास में कार बिल्थरारोड की ओर से जा रहे बोरबेल का बोरिंग करने वाले ट्रैक्टर से टकरा गयी। आसपास के लोग मौके पर पहुंच गये तथा कार सवार तीन लोगों को पकड़कर पिटाई करने लगे। हालांकि कुछ लोगों ने भीड़ के चंगुल से उन्हें बचाते हुए भगा दिया। नाराज भीड़ कार को क्षतिग्रस्त करने के बाद जलाने का प्रयास करने लगी। इसी बीच पहुंची पुलिस ने हालात को सम्भालते हुए लोगों को समझा-बुझाकर शांत कराया। सभी घायलों को सीएचसी सिकन्दरपुर पहुंचाया गया, जहां के डॉक्टरों ने प्राथमिक इलाज के बाद सभी को सदर अस्पताल रेफर कर दिया।

जानकारी होने के बाद पहुंचे परिजन चारो घायलों को लेकर जिला अस्पताल पहुंचे। चिकित्सकों ने चंद्रभान व मदन को मृत घोषित कर दिया, जबकि अखिलेश को वाराणसी रेफर कर दिया। एसओ सिकन्दरपुर पंकज सिंह का कहना है कि छानबीन की जा रही है।

मासूम को मिली प्रेम की सजा, मां के प्रेमी ने अगवा किया फिर मारकर पेड़ से लटकाया

सिकंदराबाद/ बुलंदशहर। शादीशुदा प्रेमिका से हुए विवाद के बाद रिश्तेदार प्रेमी ने उसके मासूम पुत्र को अगवा कर मार डाला और शव को पेड़ से लटका दिया। प्रेमी से विवाद के बाद शादीशुदा प्रेमिका अपनी बहन के घर सिकंदराबाद गई थी, जहां से बालक को अगवा कर घटना को अंजाम दिया गया। मृतक बच्चे के पिता ने आरोपी पत्नी और उसके प्रेमी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। घटना से पीड़ित परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। पुलिस के अनुसार, अगौता थाना क्षेत्र के गांव अनहेड़ा निवासी संजय कुमार जिला फरीदाबाद में नौकरी करता है। संजय कुमार के अनुसार पत्नी रीना के रिश्तेदार अरुण निवासी गांव मौजपुर थाना अनूपशहर से कई साल से प्रेम संबंध हैं। गुरुवार को रीना चार वर्षीय पुत्र केशव उर्फ गुल्लू के साथ सिकंदराबाद के गांव अमीनगर निवासी अपनी बहन कविता के घर गई थी। आरोप है कि गांव अमीनगर से अरूण ने बालक केशव को अगवा कर लिया। सिकंदराबाद पुलिस को रात के वक्त मामले की सूचना दी गई।

पुलिस द्वारा सर्विलांस से आरोपी की लोकेशन का पता किया गया तो वह बुलंदशहर भूड़ चौराहे की निकली। पुलिस टीम ने बुलंदशहर पहुंचकर आरोपी अरूण को दबोच लिया। शुक्रवार सुबह को गांव मऊखेड़ा के समीप एक बाग से बालक का शव पेड़ से लटका हुआ बरामद हो गया। पुलिस की जांच में सामने आया कि आरोपी अरूण का रीना से विवाद हो गया था। बच्चे के पिता ने पुलिस को लिखवाई शिकायत में कहा है कि उसकी पत्नी ने का रिश्तेदार से ही प्रेम संबंध चल रहा था और उनके झगड़े में मासूम को निशाना बनाया गया। पिता की शिकायत पर पुलिस ने बच्चे की मां और प्रेमी को गिरफ्तार किया।

फर्रुखाबाद में ट्रैक्टर चोर गिरफ्तार, छह ट्रैक्टर बरामद

फर्रुखाबाद। उत्तर प्रदेश में फर्रुखाबाद जिले के राजेपुर क्षेत्र में पुलिस ने शनिवार को अंतरराज्यीय ट्रैक्टर चोरों के एक गिरोह का भंडाफोड़ करते हुये छह चोरों को छह ट्रैक्टरों के साथ गिरफ्तार किया। पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा ने बताया कि मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने आज सुबह ग्राम दहलियासे आगे बंद पड़े ईट भट्टे के निकट छापामारी की और छह चोरों को धर दबोचा ।इस दौरान गिरोह के तीन सदस्य पुलिस को चकमा देकर भाग निकले। पुलिस ने मौके से आधा दर्जन चोरी के ट्रैक्टर और तीन ट्राली बरामद की।

उच्च शिक्षा मंत्री को नहीं मिला शिक्षा के मंदिर में प्रवेश, नाराज होकर लौटे

आगरा। उत्तर प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय को उनके ही शहर के एक उच्च शिक्षण संस्थान में प्रवेश नहीं मिल पाने के कारण शनिवार को उन्हें संस्थान में कार्यक्रम का उदघाटन किये बिना नाराज होकर वापस लौटना पड़ा।

यह घटना शहर के प्रतिष्ठित आगरा कॉलेज में हुई। कॉलेज के ऑडिटोरियम में चित्रकला विभाग द्वारा कला प्रदर्शनी का आयोजन किया गया था, जिसका उद्घाटन करने के लिए उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय पहुंचे थे। कॉलेज के मुख्य दरवाजे पर ही उनकी गाड़ी को रोक दिया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार उपाध्याय दरवाजे पर लगभग 10 मिनट तक खड़े रहे। उनकी गाड़ी को कॉलेज में प्रवेश नहीं मिलने से नाराज होकर वह बिना उद्घाटन किए लौट गए। मंत्री के लौटने की खबर जैसे ही आयोजकों को मिली तो वहां खलबली मच गई। आयोजक दौड़ कर गेट तक पहुंचे, लेकिन तब तक मंत्री वापस लौट चुके थे।

इस बारे में आगरा कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अनुराग शुक्ला का कहना है कि वह अवकाश पर हैं। जब उन्हें इसकी सूचना प्राप्त हुई तो उन्होंने इस बारे में पता किया।

उन्हें बताया गया कि आज कॉलेज में परीक्षा है। परीक्षा छूटने के बाद छात्र निकल रहे थे और दूसरी परीक्षा के छात्र प्रवेश ले रहे थे।

केंद्र एवं प्रदेश में भाजपा सरकार सभी वर्गो के लिए कर रही निरंतर काम : बृजेश पाठक

बस्ती। उत्तर प्रदेश सरकार के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने शनिवार को दावा किया कि केन्द्र और प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार सभी वर्गों के लिए निरंतर कार्य कर रही है। बस्ती में विकास योजनाओं की समीक्षा बैठक के बाद संवाददाताओं के सवालों का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि केंद्र तथा प्रदेश सरकार से समाज के सभी वर्ग खुश हैं। बतौर स्वास्थ्य मंत्री प्रदेश की स्वास्थ्य सुविधाओं में निरंतर सुधार होने का दावा करते हुए उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में अस्पतालों में ऑक्सीजन की कमी कहीं नहीं है। वेंटीलेटरों को सक्रिय किया जा रहा है। कोरोना काल के बाद से कहीं भी ऑक्सीजन की कमी नहीं होने पाई है। उन्होंने कहा कि अगर कहीं ऐसी समस्या आई है तो उसका त्वरित समाधान हुआ है। चिकित्सकों की कमी को पूरा करने के लिए प्रदेश सरकार पहल कर रही है। शीघ्र ही उसकी भरपाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार स्वास्थ्य, चिकित्सा, शिक्षा सेवा के लिए प्राथमिकता से निरंतर कार्य कर रही है। पाठक ने बताया कि राज्य में कानून व्यवस्था पूरी तरह से चुस्त-दुरुस्त है। प्रदेश से अपराधी या तो पलायन कर गये हैं या पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर चुके हैं। उन्होंने बताया कि एक दिवसीय समीक्षा बैठक में बस्ती जनपद के विकास कार्यों के संबंधों में जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों से वार्ता करने के बाद यहां की मूलभूत सुविधाओं को दूर करने का प्रयास शीघ्र किया जाएगा।

उधार देना बना जानलेवा, 70 हजार रुपए वापस मांगने पर दोस्त ने गला घोंटकर की हत्या

लखनऊ। लखनऊ में एक शख्स के लिए अपने दोस्त को रुपए उधार देना जानलेवा साबित हो गया। काकोरी नकटौरा के रहने वाले दिलीप यादव (38) ने नफीस को एक लाख 30 हजार रुपये उधार दिए थे। 60 हजार रुपये वापस मिल गए थे। बताया जा रहा है कि 70 हजार रुपये लौटाने के लिए दिलीप दबाव बना रहा था इसलिए नफीस ने रुस्तम उर्फ नियश और अखिलेश यादव की मदद से हत्या की साजिश रची थी।

11 अगस्त को वह लोग घूमने के बहाने दिलीप को साथ ले गए थे। रास्ते में उसे शराब पिलाई गई। इसके बाद गमछे से गला कस कर दिलीप की हत्या करने के बाद शव को बड़ागांव नहर में फेंक दिया था। बेटे के घर नहीं लौटने पर मां शिवकुमारी ने नफीस समेत तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। जिसके आधार पर आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

जमीन बेचने से मिले थे रुपये- नकटौरा निवासी दिलीप यादव ने 18 बिसवां जमीन बेची थी। जिससे उसे 65 लाख रुपये मिले थे। नफीस और दिलीप दोस्त थे। जमीन बेचने से दिलीप को लाखों रुपये मिलने की बात पता चलने पर नफीस ने उससे एक लाख 30 हजार रुपये उधार मांगे थे। एडीसीपी दक्षिण मनीषा सिंह के अनुसार दिलीप ने करीब छह महीने पहले रुपये दिए थे। जिसे आरोपी नफीस वापस नहीं कर रहा था। कई बार कहने के बाद उसने 60 हजार रुपये लौटाए थे।

70 हजार रुपये बाकी थे। कुछ दिन पूर्व दिलीप ने दोस्त पर बचे हुए रुपये देने का दबाव डाला था। इसके बाद नफीस ने उन्नाव हसनगंज निवासी रुस्तम और असीवन निवासी अखिलेश यादव के साथ हत्या की साजिश रच दी। पुलिस के मुताबिक दिलीप के परिवार की एक महिला पर भी नफीस गंदी निगाह रखता था। इसकी भनक लगने पर दिलीप ने उसे कई लोगों के सामने डांटा भी था।

कैमरों में साथ जाते दिखे

इंस्पेक्टर के मुताबिक 11 अगस्त से लापता दिलीप की मां शिवकुमारी ने 14 को थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में गला घोंट कर हत्या किए जाने की पुष्टि हुई थी। शिवकुमारी ने बेटे के दोस्त नफीस पर शक जताया था।

सोनभद्र अभी भी पानी बिन व्याकुल

सोनभद्र। उत्तराखंड हिमाचल महाराष्ट्र मध्यप्रदेश में बादल फटने और बाढ़ के हालातों की ताजातरीन खबरें आ रही हैं लेकिन उत्तरप्रदेश के सोनभद्र में बिन पानी सब सून की स्थिति यथावत बरकरार है। हालांकि आज तेज बारिश का दौर जारी है लेकिन जिलामुख्यालय सोनभद्ररार्बर्ट्सगंज को पेयजलापूर्ति करने को बनी भेलाही बन्धीबलुई की तलहटी में ही पानी समाया हुआ है। ऐसे में अगर बारिश न हुई तो गर्मी आने के पहले ही पेयजल के अकाल पड़ जाने की प्रबल संभावना है तो सोनभद्र का गोविन्दबल्लभपन्त सागर जो मध्यप्रदेश तक को जलापूर्ति करता है और हाड़ो प्लान्ट से विद्युत उत्पादन करता है तथा औरभी पावरप्लांट को जलापूर्ति करता है, इसमें भी अभी तक 2000 क्यूसेक पानी कम है जल संग्रहण क्षमता के मानक की तुलना में। ऐसे में देश को विद्युत आपूर्ति करने वाले सोनभद्र के हालात भी विचारणीय हैं। सोनभद्र सूबे के अंतिम जिला है जो मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, बिहार से करीने से सटा हुआ है।

मध्यप्रदेश में बाढ़ बेकाबू है,गंगा के जलस्तर में निरंतर अभिवृद्धि हो रही है , बादल फट रहे हैं हिमाचल और उत्तराखंड में लेकिन पौराणिक आख्यानों में वर्णित महानद शोणभद्रभद्र जिसे सोनभद्र के नाम से अभिहित किया जाता है और इसी के नाम पर इस जनपद के नामकरण भी सोनभद्र हुआ, इसकी बात करें तो मध्यप्रदेश के अमरकंटक से बहने वाले सोनभद्र की यात्रा पटना (बिहार) के पास वाया छत्तीसगढ़ झारखंड जा कर गंगा में मिलती है।

इसके नि:सृत होने के स्थल मध्यप्रदेश में बाढ़ यानी अतिवृष्टि होती रही , धार को भी खतरा आया लेकिन वहीं से बहनेवाले सोनभद्र में क्क के सोनभद्र में सोन नद अपने करारोंट्ठकगारों तक को स्पर्श करने में इस अगस्त के दूसरे पखवाड़े तक नाकामी का मुंह देखता रहा नतीजतन समूचा सोनाञ्चल सूना-सूना से है वीरान इलाकों वृक्षों के झंखाड़ो तले बहते हुए भी ऐसे विषम हालात पैदा हुए हैं सोनभद्र में। लब्बोलुआब कहने का तात्पर्य यह कि समूचा सोनभद्र सूखे की विषम परिस्थितियों से गुजर रहा है आज की तारीख में भी जबकि 2022 का अगस्त माह महज दस दिन बचा है। एक खास बात यह कि किसानों की बदहाली देखते महसूस करते हुए भी अभी तक सोनभद्र को सूखा घोषित करने की बात नहीं आई है जबकि केवल सोनभद्र ही नहीं पूरा भारतवर्ष कृषि की प्रधानता के लिए अग्रणी माना जाता है। यहाँ के बाशिंदे इन्द्रदेव की पूजा कर मन्नते मांगते नहीं थक रहे हैं बर्षात के लिए लेकिन नाउम्मीदी ही उनके चंहुओर मंडरा रही है।

बिहार ले जाई जा रही 120 बोतल अंग्रेजी शराब के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

कुशीनगर। उत्तर प्रदेश के कुशीनगर जिले में गोरखपुर नरकटियागंज रेलमार्ग के खड्डा रेलवे स्टेशन पर रेल सुरक्षा बल (आरपीएफ) और राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) की सयुक्त छापेमारी में 120 बोतल अंग्रेजी शराब के साथ बिहार निवासी दो शराब तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। रेल प्रशासन की ओर से शनिवार को बताया गया कि जेल भेजे गये तस्कर इस शराब को बिहार ले जा रहे थे। जीआरपी के गोरखपुर के पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अपराधियों व अवैध शराब कारोबारियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत शुक्रवार को देर शाम रेलगाड़ियों में संघन चैकिंग के दौरान स्टेशन पर शराब की यह खेप पकड़ी गयी।

अमेठी में जमीनी विवाद में हत्या

एजेंसी

अमेठी। यूपी में अमेठी के मोहनगंज क्षेत्र में जमीनी विवाद के चलते दबंगों ने शनिवार को एक व्यक्ति की धारदार हथियार से हत्या कर दी।

परिजनो ने पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाते हुये जमकर हंगामा किया और एक बाइक में आग लगा दी। परिजनों का आरोप है कि 15 दिन से शिकायत के बावजूद भी स्थानीय पुलिस ने दबंगों के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं किया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस के साथ साथ पुलिस अधीक्षक मौके पर पहुंचे गए।

मामले की गंभीरता को देखते हुए गांव में भारी पुलिस बल तैनात है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि क्षेत्र के गुलाबगंज मजरे राजापुर गांव में जमीनी विवाद में दबंगो ने हौसिला प्रसाद यादव (55) की धारदार हथियार से हमला कर हत्या कर दी। आबादी की जमीन को लेकर हौसला प्रसाद और उसके पड़ोसी के बीच काफी दिन से विवाद चल रहा था इसके पहले भी कई बार दोनों पक्ष आमने सामने हो चुके थे। ग्रामीणों के अनुसार हौसिला प्रसाद 15 दिन पहले भी पुलिस से दबंगो के खिलाफ शिकायत किया था। पुलिस ने कोई ठोस कार्यवाही नही की जिसकी वजह से आज दबंगो ने इतनी बड़ी वारदात को अंजाम दे दिया। पुलिस की कार्यवाही और घटना से आक्रोशित परिजनों ने जमकर हंगामा काटा।

ग्रामीणों ने परिजनों के साथ मिलकर दबंगों की भी बाइक जला दिया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंचकर लोगों को समझाया बुझाया यहां तक की पुलिस अधीक्षक अमेठी को खुद मौके पर जाना पड़ा तब जाकर मामला शांत हुआ अप पुलिस परिजनों की तहरीर पर मुकदमा लिखकर कार्रवाई करने की बात कही है।

शार्ट न्यूज

कीमती धातुओं में नरमी

मुंबई। डॉलर में जारी तेजी के दबाव में वैश्विक बाजार में कीमती धातुओं में गिरावट से आज घरेलू सर्राफा बाजार में सोना 94 रुपये प्रति दस ग्राम और चांदी 963 रुपये प्रति किलोग्राम उतर गई। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोना हाजिर 0.47 प्रतिशत की टूटकर 1749.94 डॉलर प्रति औंस पर आ गया। इसी तरह अमेरिका सोना वायदा 0.30 प्रतिशत गिरकर 1750 डॉलर प्रति औंस रह गया। इस दौरान चांदी हाजिर 2.20 प्रतिशत की बड़ी गिरावट लेकर 19.09 डॉलर प्रति औंस बोली गई। देश के सबसे बड़े वायदा बाजार एमसीएक्स में सोना 94 रुपये फिसलकर 51509 रुपये प्रति दस ग्राम और सोना मिनी 114 रुपये उतरकर 51534 रुपये प्रति दस ग्राम पर रही। इसी तरह चांदी 963 रुपये लुढ़ककर 55480 रुपये प्रति किलोग्राम और चांदी मिनी 918 रुपये कमजोर होकर 56240 रुपये प्रति किलोग्राम बोली गयी।

रुपया 20 पैसे लुढ़का

मुंबई। दुनिया की प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर में जारी तेजी और घरेलू शेयर बाजार में भारी गिरावट के दबाव में आज अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया 20 पैसे लुढ़ककर 79.84 रुपये प्रति डॉलर रह गया। पिछले कारोबारी दिवस रुपया 19 पैस कमजोर होकर 79.64 रुपये प्रति डॉलर रहा था। शुरुआती कारोबार में रुपया 11 पैसे टूटकर 79.75 रुपये प्रति डॉलर पर खुला। सत्र के दौरान लिवाली के दबाव में यह 79.84 रुपये प्रति डॉलर के निचले स्तर तक लुढ़क गया। हालांकि बिकवाली होने से यह 79.73 रुपये प्रति डॉलर के उच्चतम स्तर पर भी रहा। अंत में पिछले दिवस के 79.64 रुपये प्रति डॉलर की तुलना में 20 पैसे गिरकर 79.84 रुपये प्रति डॉलर पर आ गया।

होण्डा ने पेश किया नया 2022 एक्टिवा प्रीमियम संस्करण

नयी दिल्ली। दोपहिया वाहन बनाने वाली प्रमुख कंपनी होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने आज अपने लोकप्रिय स्कूटर होंडा एक्टिवा का 2022 एक्टिवा प्रीमियम संस्करण लॉंच करने की घोषणा की जिसकी दिल्ली में एक्स शोरूम कीमत 75400 रुपये है। कंपनी के प्रबंध निदेशक और सीईओ आत्सुशी ओगाता ने कहा, ''हमेशा अग्रणी स्थिति बरक़रार रखते हुए होण्डा एक्टिवा अपनी आकर्षक अपील के साथ देश के सभी आयुवर्गों के राइडरों को लुभाती रही है। पिछले दो दशकों के दौरान ब्राण्ड एक्टिवा न सिर्फ तकनीकी बदलाव से होकर गुज़री है बल्कि हर नए अपडेट के साथ पहले से अधिक शार्प, ट्रेंडी और आकर्षक अपील देती रही है। 2022 प्रीमियम एडीशन के साथ, हमें खुशी है कि हम एक्टिवा को नए अवतार में लेकर आए हैं जो सुनहरे स्पर्श के साथ उपभोक्ताओं से बेजोड़ आकर्षण का वादा करती है।'' प्रीमियम डिज़ाइन, नए आकर्षक लुक के साथ कंपनी ने कहा कि एक्टिवा का प्रीमियम संस्करण 3 नए रंगों- मैट सैंगरिया रैड मैटेलिक, मैट मार्शल ग्रीन मैटेलिक और पर्ल साइरन ब्लू में उपलब्ध है।

पेट्रोल-डीजल की कीमतें यथावत

नयी दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेल की कीमतों में जारी नरमी के बीच घरेलू स्तर पर आज भी पेट्रोल और डीजल के दाम यथावत रहे। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कल रात कारोबार बंद होने पर लंदन ब्रेंट 96.72 डॉलर प्रति औंस पर रहा था। अमेरिकी क्रुड 0.65 प्रतिशत उतरकर 89.91 डॉलर प्रति औंस बोला गया था। घरेलू स्तर पर तेल विपणन करने वाली कंपनी भारत पेट्रोलियम के अनुसार घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये प्रति लीटर और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर पर यथावत है। पिछले दो महीने से अधिक समय से तेल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। मुंबई में पेट्रोल और डीजल के दाम क्रमश: 106.31 रुपये प्रति लीटर और 94.27 रुपये प्रति लीटर हैं। देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतें मूल्य वर्धित कर (वैट) और माल ढुलाई शुल्क के आधार पर सभी राज्यों में अलग-अलग हैं। पेट्रोल-डीजल के मूल्यों की प्रतिदिन समीक्षा की जाती है।

अमेज़न डॉट इन की 'होम शॉपिंग स्प्री' की घोषणा

नयी दिल्ली। ऑनलाइन मार्केटप्लेस अमेज़न डॉट इन ने आज से 22 अगस्त तक होम शॉपिंग स्प्री की घोषणा की है। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि मौजूदा सीजन से जुड़ी सभी जरूरी चीजों को एक ही स्थान पर लेकर आया है। यहां ग्राहक 22 अगस्त 2022 तक होम एंड किचन अप्लायंसेस से लेकर वाटर प्यूरीफायर और गीजर, पेस्ट कंट्रोल प्रोडक्ट, कुकवेयर एंड डाइनिंग, फर्नीचर, होम इंप्रूवमेंट, स्पोर्ट और ऑटोमोबाइल इक्विपमेंट आदि सहित घरेलू जरूरत की वस्तुओं पर कई ऑफ़र और डील्स का लाभ उठा सकते हैं। इसके साथ ही, ग्राहकों को यूरेका फोर्ब्स, विप्रो, पिजन, लिवगार्ड, द स्लीप कंपनी, ड्यूरोफ्लेक्स, स्लीपी हेड, फिलिप्स, लिवप्योर, रॉयल एनफील्ड, सोलिमो, वेगा, स्टीलबर्ड जैसे कुछ ब्रांडों के प्रोडक्ट पर बचत करने का मौका भी मिल रहा है।

1 रुपये के इस शेयर ने निवेशकों के 1 लाख को बना दिया रु 6.39 करोड़, दिया 63883 प्रतिशत से ज्यादा रिटर्न

नई दिल्ली। यूपीएल लिमिटेड केमिकल इंडस्ट्री की एक लार्ज कैप कंपनी है। इसका मार्केट कैप रु 58,671.05 करोड़ है। यूपीएल लिमिटेड के शेयरों ने लंबी अवधि में अपने निवेशकों को तगड़ा मुनाफा कराया है। यह शेयर पिछले 20 साल में 1 रुपये से बढ़कर 767 रुपये का हो गया। इस दौरान यूपीएल लिमिटेड ने 63,883.33 प्रतिशत मल्टीबैगर रिटर्न दिया है। एनएसई पर यूपीएल लिमिटेड के शेयर शुक्रवार को 767.80 रुपये प्रति शेयर पर कारोबार कर रहे थे। 5 जुलाई, 2002 को स्टॉक की कीमत रु 1.20 थी। यानी इस दौरान करीबन 20 साल में शेयर ने 63,883.33 प्रतिशत का मल्टीबैगर रिटर्न दिया है। इस प्रकार, यदि किसी व्यक्ति ने 20 साल पहले यूपीएल लिमिटेड के शेयरों में रु 1 लाख का निवेश किया होता तो आज इसकी कीमत रु 6.39 करोड़ होगी। पिछले पांच सालों में स्टॉक में 38.31 प्रतिशत और पिछले वर्ष की तुलना में 6.79 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इस साल 2022 में अब तक इस स्टॉक में 0.47 प्रतिशत की तेजी आई है। पिछले 6 महीनों में स्टॉक में 9.04 प्रतिशत और पिछले 1 महीने में 8.91 प्रतिशत की तेजी देखी गई। एनएसई पर स्टॉक ने 4 मई 2022 को रु 848.00 के 52-सप्ताह के हाई और 23-जून-2022 को रु 607.50 के 52-सप्ताह के निचले स्तर को छुआ था। रु 767.80 के मौजूदा बाजार मूल्य पर स्टॉक 5 दिनों, 10 दिनों के ईएमए से नीचे लेकिन 20 दिनों, 50 दिनों, 100 दिनों और 200 दिनों के एक्सपोनेंशियल मूविंग एवरेज (ईएमए) से अधिक पर कारोबार कर रहा है।

शेयर बाजार में पैसे लगाने वालों के लिए खुशखबरी

नई दिल्ली। अगस्त के तीन सप्ताह से भी कम समय में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने साल का अपना सबसे बड़ा निवेश किया। इक्विटी बाजार में एफपीआई ने इस महीने अब तक का सबसे बड़ा निवेश किया है। यह करीब रु 44,500 करोड़ है। 2022 के पहले छह महीनों के लिए शुद्ध विक्रेता होने के बाद FPI जुलाई में शुद्ध खरीदार बन गए और अगस्त में एक्सचेंजों में मजबूत रिकवरी के कारण गति में तेजी से वृद्धि हुई। एनएसडीएल के आंकड़ों से पता चलता है कि एफपीआई ने 1 अगस्त से 19 अगस्त के बीच 44,481 करोड़ रुपये की इक्विटी खरीदी। यह चालू वर्ष में अब तक की सबसे अधिक खरीदारी है। जुलाई महीने में इनफ्लो रु 4,989 करोड़ रहा। इस बीच, 1 अगस्त से 19 अगस्त के बीच एफपीआई ने डेबिट बाजार में केवल रु 1,674 करोड़ का निवेश किया, जबकि डेबिट-वीआरआर में रु 1,255 करोड़ लगाया। बता दें कि एफपीआई द्वारा यह निवेश साल 2022 के पहले सात महीनों की बिक्री के बाद आया है। इस साल जनवरी से जून तक, एफपीआई ने इक्विटी बाजार से बड़े पैमाने पर 2,17,358 करोड़ रुपये निकाले। इस बाजार में रु 50,203 करोड़ के बिकवाली के साथ जून में वर्ष में सबसे अधिक बिक्री देखी गई।

शक्कर पूछपरख बढ़ी, खाद्य तेल मजबूत, मसूर में गिरावट, दाल सस्ती, चावल सामान्य

इंदौर। सियागंज किराना बाजार में शक्कर में खरीदी से तेजी दर्ज की गई। खोपरा गोला बूरा सस्ता बिका। खाद्य तेल मजबूती लिए रहे। सोयाबीन रिफाइंड बढ़कर बिका। दलहनो में नरमी रही। आज मसूर सस्ती बिकी वहीं दालों में भाव मंदे बोले गए। चावल में कामकाज सामान्य बताया गया।

किराना बाजार

शक्कर में उठाव रहा। आज शक्कर में कामकाज 3640 से 3680 रुपये के स्तर पर चला। शक्कर में 06 गाड़ी आवक हुई। खोपरा गोला, खोपरा बूरा में मांग सुस्ती से नरमी दर्ज की गई। हल्दी में कामकाज सामान्य रहा। साबूदाना सस्ता बिका।

तेल -तिलहन

खाद्य तेल में पूछपरख रही। आज सोयाबीन रिफाइंड में भाव ऊंचे बोले गए। पाम तेल जरूर सस्ता बिका। तिलहन में प्लान्टो की लिवाली बनी बताई गई।

दाल-दलहन

स्थानीय संयोगितागंज अनाज मंडी में नरमी दर्ज की गई। आज मसूर सस्ती बिकी। दालों में मांग सुस्ती से भाव गिरावट लिए बताए गए। आज चावल में उठाव साधारण रहा।

किराना

शक्कर 3640 से 3680 रुपये प्रति क्विंटल।

खोपरा गोला 180 से 205 रुपये प्रति किलोग्राम। खोपरा बूरा 2000 से 3500 रुपये प्रति 15 किलोग्राम। हल्दी खडी 100 से 162 रुपये प्रति

किलोग्राम। साबूदाना 5800 से 7400, पैकिंग में 7600 से 7800 रुपये प्रति क्विंटल।

तिलहन

सरसों निमाड़ी 5900 से 6150, रायडा 5700 से 5900 रुपये प्रति क्विंटल।

तेल

मूंगफली तेल इंदौर 1640 से 1650, सोयाबीन रिफाइंड इंदौर 1215 से 1220, सोयाबीन साल्वेंट 1185 से 1190, पाम तेल 1275 से 1280 रुपये प्रति 10 किलो।

दलहन

चना (कांटा) 5000 से 5050, मसूर 6500 से 6550, तुअर निमाड़ी 7000 से 7600, तुअर सफेद (महाराष्ट्र) 7800 से 8100, तुअर (कर्नाटक) 8000 से 8200, मूंग 6500 से 6600, मूंग हल्की 5500 से 6000, उड़द 7400 से 7800, उड़द मीडियम 6300 से 6800, उड़द नया 7000 से 7600, हल्का 2500 से 4500 रुपये प्रति क्विंटल।

दाल

चना दाल 6200 से 6700, तुअर दाल सवा नंबर 9800 से 9900, तुअर दाल फूल 10000 से 10200, तुअर दाल बोल्ड 10500 से 11200, आयातित तुअर दाल 9600 से 9700, मसूर दाल 7650 से 7950, मूंग दाल 8500 से 8800, मूंग मोगर 8800 से 9100, उड़द दाल 9100 से 9400, उड़द मोगर 9600 से 9900 रुपये प्रति क्विंटल।

चावल-पोहा

बासमती 10500 से 11500, तिबार 8500 से 9500, दुबार 7500 से 8500, मिनी दुबार 6500 से 7500, मोगरा 4000 से 6000, बासमती सैला 7500 से 9500, कालीमूंछ 7500 से 8000, राजभोग 6500 से 7000, दूबराज 3500 से 4500, परमल 2550 से 2700, हंसा सैला 2500 से 2675, हंसा सफेद 2450 से 2500, पोहा 4200 से 4600 रुपये प्रति क्विंटल।

रवा-मैदा

रवा 1520 से 1530, मैदा 1490 से 1500, आटा 1370 से 1380, चना बेसन 3375 से 3400 रुपये प्रति 50 किलोग्राम।

स्टीलबर्ड 25 करोड़ की लागत से बद्दी में अत्याधुनिक संयंत्र लगाएगी

नयी दिल्ली। हेलमेट बनाने वाली प्रमुख कंपनी स्टीलबर्ड हाई-टेक इंडिया लिमिटेड ने हिमाचल प्रदेश के बद्दी में 25 करोड़ रुपये की लागत से एक नया अत्याधुनिक ईपीएस प्लांट स्थापित करने की घोषणा की है।

कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि इस संयंत्र का काम जल्द ही शुरू होगा। कंपनी ने बद्दी में इस प्लांट के लिए जमीन का अधिग्रहण किया है और 2.2 एकड़ में फैली इस सुविधा में 25 करोड़ रुपये का शुरुआती निवेश करने की योजना है। यह प्लांट एक इन-हाउस एक्सपेंडेबल पॉलीस्टाइनिन (ईपीएस) उत्पादन लाइन की सुविधा प्रदान करेगी। ईपीएस एक क्रश करने योग्य फोम है जिसका उपयोग हेलमेट उत्पादन में किया जाता है।

स्टीलबर्ड हेलमेट्स के निदेशक कशिश कपूर ने कहा हमारा परिवार पीढ़ियों से हेलमेट्स के निर्माण में है। जैसा कि हम 1976 से हेलमेट बना रहे हैं, हम इस महत्व को समझते हैं कि ये हमारी सुरक्षा के लिए क्यों जरूरी हैं और ऐसे में इनको कैसे और बेहतर क्वालिटी वाले हेलमेट्स बनाया जा सकता है। विशेष रूप से जब हम भारत में वर्तमान परिदृश्य को देखते हैं, तो 2 फीसदी से भी कम निर्माता हेलमेट्स और उन्हें बनाने के सही तरीके के बारे में जानते हैं। वे निर्माता अक्सर निर्माण प्रक्रिया, तकनीकी फीचर्स, सुरक्षा प्रोटोकॉल और योग्यता मानकों की अनदेखी करते हैं और काफी लो क्वालिटी हेलमेट्स तैयार करते हैं।

इसके अलावा, सभी ईपीएस उत्पादक पैकेजिंग उत्पादक हैं, कम्पोनेंट्स उत्पादक नहीं। ईएसपी एक सुरक्षा कम्पोनेंट है और सुरक्षा सुविधाओं और गुणवत्ता के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। साथ ही, उच्च गुणवत्ता के लिए, डबल डेंसिटी ईपीएस की आवश्यकता होती है।

इस संबंध में स्टीलबर्ड में डबल डेंसिटी को इंजेक्ट करने का कौशल है। स्टीलबर्ड, हाई-टेक्नोलॉजी को लेकर रिसर्च, डेवलपमेंट और निर्माण के लिए समर्पित और अपने राइडर्स की सुरक्षा चिंताओं को पूरा करने के लिए पहले ही इस दिशा में एक कदम उठा चुकी है। कंपनी ने मौजूदा प्लांट से सटी हुई 8836 वर्ग मीटर की जमीन खरीदी है। बद्दी में इस नए प्लांट में कुल 60,000 वर्ग फुट का निर्मित क्षेत्र होगा और ये 2022 के अंत तक तैयार हो जाएगा। प्लांट की औसत उत्पादन क्षमता 22,000 ईपीएस प्रति दिन होगी। नई ईपीएस प्लांट सुविधाएं 150 से अधिक व्यक्तियों के लिए प्रत्यक्ष रोजगार सुनिश्चित करेंगी। अत्यधिक ऑटोमेटेड प्लांट नवीनतम विनिर्माण प्रक्रियाओं के अनुसार उत्पादन करेगा। इस नई सुविधा के साथ, स्टीलबर्ड के अब देश में आठ मैन्युफैक्चरिंग प्लांट्स हैं, जिनमें से चार नोएडा में और चार बद्दी में स्थित हैं।

स्टीलबर्ड वर्तमान में प्रति दिन 20,000 हेलमेट का निर्माण कर रही है और 22 फीसदी वार्षिक दर से बढ़ रही है। कंपनी दुनिया भर के 60 से अधिक देशों में अपने हेलमेट्स का निर्यात भी करती है।

एल एंड टी ने हाज़िरा में ग्रीन हाइड्रोजन प्लांट की शुरुआत की

सूरत। परियोजना निर्माण, उच्च प्रौद्योगिकी विनिर्माण एवं सेवा क्षेत्र में भारत की अग्रणी बहुराष्ट्रीय कंपनी लार्सन एंड टूब्रो (एल एंड टी) ने गुजरात के हजीरा स्थित अपने ए एम नाइक हैवी इंजीनियरिंग कॉम्पलेक्स में ग्रीन हाइड्रोजन संयंत्र शुरु करने की शनिवार को घोषणा की। यह प्लांट रोजाना 45 किलोग्राम ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादित करेगा, जिसका उपयोग एल एंड टी के हाज़िरा मैन्युफैक्चरिंग कॉम्पलेक्स में कैप्टिव कंज़म्शन हेतु किया जाएगा। कंपनी की एक विज्ञप्ति के अनुसार इसका उद्घाटन इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के चेयरमैन श्रीकांत माधव वैद्य ने किया। ऐल्कलाइन इलेक्ट्रोलाइसिस प्रोसैस पर आधारित इस ग्रीन हाइड्रोजन संयंत्र में आज से उत्पादन शुरू हो गया है। बयान में कहा गया है कि इस संयंत्र को 800 किलोवाट की इलेक्ट्रोलाइज़र क्षमता के लिए डिजाइन किया गया है जिसमें ऐल्कलाइन (380 किलोवाट) और पीईएम (420 किलोवाट) की तकनीकें शामिल हैं तथा इसे 990 किलोवाट क्षमता के छत पर बने सौर ऊर्जा संयंत्र से बिजली मिलेगी और साथ ही 500 किलोवाट क्षमता की बैटरी विद्युत स्टोरेज प्रणाली (बीईएसएस) भी लगायी गयी है।

परियोजना के के प्रथम चरण के तहत 380 किलोवाट ऐल्कलाइन इलेक्ट्रोलाइज़र को इंस्टॉल किया गया है, जबकि 420 किलोवाट पीईएम इलेक्ट्रोलाइज़र भावी विस्तार का हिस्सा होगा। एल एंड टी के पूर्णकालिक निदेशक सुब्रमनियन सरमा ने कहा, भविष्य की ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति में योगदान देने के लिए नए और स्वस्थ समाधान मुहैया कराने में एल एंड टी अग्रिम मोर्चे पर रहती है। हमें गर्व है की हाज़िरा कॉम्पलेक्स में हमारे इंजीनियरों ने यह ग्रीन हाइड्रोजन जैनरेशन प्लांट स्थापित किया है और ग्रीन हाइड्रोजन के इस्तेमाल के लिए इसे मौजूदा मैन्युफैक्चरिंग शॉप्स के साथ जोड़ दिया गया है।

विदेशी मुद्रा भंडार 2.24 अरब डॉलर गिरकर 570.74 अरब डॉलर पर

मुंबई। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 12 अगस्त को समाप्त सप्ताह में 2.24 अरब डॉलर घटकर लगातार दूसरे सप्ताह गिरता हुआ 570.74 अरब डॉलर रह गया, इसके पिछले सप्ताह भी यह 89.7 करोड़ डॉलर कम होकर 572.97 अरब डॉलर पर रहा था।

रिजर्व बैंक की ओर से शुक्रवार को जारी साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार, 12 अगस्त को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 2.7 अरब डॉलर की गिरावट लेकर 506.9 अरब डॉलर रह गया। हालांकि इस अवधि में स्वर्ण भंडार 30.5 करोड़ डॉलर की बढ़ोतरी के साथ 40.62 अरब डॉलर पर पहुंच गया।

इसी तरह आलोच्य सप्ताह विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 10.2 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.13 अरब डॉलर पर रहा।

इस अवधि में अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास आरक्षित निधि 70 लाख डॉलर की बढ़त लेकर 4.99 अरब डॉलर हो गया।

यूनी ने उधार सुविधा वाली प्रीपेड भुगतान कार्ड सेवाएं 1/3, 1/2 बंद की

नयी दिल्ली। डिजिटल वित्तीय सेवा प्लेटफार्म यूनीकार्ड्स ने डिजिटल ऋण सेवा संबंधित नियमों को सख्त करने के भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के निर्णय के बाद आनी यूनी पे 1/3 कार्ड और यूनी पे 1/2 कार्ड सेवा बंद करने की शुक्रवार को घोषणा की।

कंपनी की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया है, डिजिटल उधार के बारे में आरबीआई की हालिया अधिसूचना के साथ, हमने अपने उत्पादों पर कार्ड सेवाओं को सक्रिय रूप से निलंबित करने का फैसला किया है। यह प्रक्रिया आज से चरणबद्ध तरीके से शुरू की जा रही और 22 अगस्त 2022 तक पूरी हो

जाएगी। यूनी कार्ड्स ने कहा है कि उसके ग्राहक 'यूनी कैश' के माध्यम से अपनी क्रेडिट लाइन तक पहुंचना जारी रखेंगे। संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी नितिन गुप्ता ने कहा, इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि यूनी कार्ड का उपयोग शुल्क भुगतान, चिकित्सा बिल और आपात स्थिति जैसी तत्काल जरूरतों के लिए किया जाता है, हमने सुनिश्चित किया है कि हमारे प्रत्येक ग्राहक को यूनी कैश के माध्यम से अपनी क्रेडिट लाइन तक पहुंच प्राप्त होगी। कंपनी ने कहा है कि वह पूरी जिम्मेदारी के साथ कर्ज देने का कारोबार करने वाला संगठन है। हम भारतीय रिजर्व बैंक के 20 जून के दिशानिर्देशों को ध्यान में रखते हुए कार्ड सेवाओं को स्थगित कर रहे हैं।

भारतीय रिजर्व बैंक ने प्री-पेड भुगतान योजनाओं (पीपीआई) का परिचालन करने वाली फर्मों को ऐसे कार्ड पर 'क्रेडिट लाइन' सुविधा देने से रोक दिया है।

कंपनी के एक प्रवक्ता ने कहा कि यूनी कैश एक ऐसा उत्पाद है जो उपयोगकर्ताओं की क्रेडिट लाइनों को सीधे उनके बैंक खातों में स्थानांतरित करता है।

प्रवक्ता ने कहा, एक न्यूनतम क्रेडिट प्वाइंट हासिल कर चुके ग्राहकों को यूनी कैश की उधार की सेवा दी जाती है। कंपनी ने कहा कि चूंकि उसके बहुत से कार्डधारक अपनी जरूरतों के लिए उसके कार्ड पर निर्भर करते हैं, इसलिए वह आंशिक तौर पर इस वर्ष 21 सितंबर तक यूनी कैश पर शून्य-शुल्क सीमा जारी रखेगी।

कई राज्यों में अल्पवृष्टि से खरीफ की बुवाई पर असर: बैंक ऑफ बड़ौदा की रपट

नयी दिल्ली। देश के पूर्वी राज्यों में अन्य भागों की तुलना में इस मानसून सत्र में वर्षा कम होने से धान, खरीफ की दलहनी और तिलहनी फसलों की रोपाई बुआई का रकबा पिछले साल के मुकाबले कम चल रहा है। यह जानकारी बैंक ऑफ बड़ौदा के आर्थिक अनुसंधान विभाग की एक ताजा रपट में दी गयी है। शनिवार को जारी अर्थशास्त्री जाह्नवी प्रभाकर द्वारा तैयार इस रिपोर्ट में कहा गया है कि 20 अगस्त तक दलहनी फसलों की बुवाई का रकबा 1.26 करोड़ हेक्टेयर था जो पिछले साल इसी अवधि की तुलना में 5.3 प्रतिशत कम है। रिपोर्ट के अनुसार अरहर का रकबा 7.2 प्रतिशत, उड़द (5.1 प्रतिशत) और मूंग का रकबा (4.6 प्रतिशत) कम चल रहा है। कपास का रकबा 1.23 करोड़ हेक्टेयर के साथ पिछले साल की तुलना में छह प्रतिशत ऊपर था जबकि मेस्ता और जूट की बुवाई सात लाख हेक्टेयर के एक साल पहले के सतर पर थी।

रिपोर्ट में धान और मोटे अनाजों की बुवाई के 12 अगस्त तक के आंकड़े ही दिए गए हैं। इनके अनुसार इन फसलों का इस साल का रकबा क्रमश 12.4 प्रतिशत और 7.5 प्रतिशत कम था।

गत 12 अगस्त तक तिलहनों की बुवाई पिछले साल से (1.3 प्रतिशत) अधिक थी और गन्ने की बुवाई 55 लाख हेक्टेयर के पिछले वर्ष के स्तर पर थी।

भारतीय मौसम विभाग ने चालू मानूसन सत्र के उत्तरार्ध में भी वर्षा पूर्वार्ध की तरह सामान्य रूप से जारी रहेगी। पर अब तक की रिपोर्ट से दिखता है कि उत्तरार्ध में भी वर्षा अनिश्चित है और इसके वितरण में विस्तृत क्षेत्रीय विषमताएं दिख रही हैं।' रिपोर्ट के अनुसार 19 अगस्त तक दीर्घ कालिक औसत (एलपीए) से आठ प्रतिशत अधिक वर्षा हुई थी लेकिन पूर्वी क्षेत्र में वर्षा अन्य क्षेत्रों की तुलना में कम हो रही है। इसका प्रभाव इन क्षेत्रों में खरीफ की बुवाई पर पड़ा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले साल की तुलना में इस वर्ष इस अवधि में 36 अनुमंडलों में से सात में वर्षा की कमी है।

वर्षा की कमी वाले ये अनुमंडल आठ राज्यों (उत्तर प्रदेश, केरल, पश्चिम बंगाल, झारखंड और बिहार सहित अन्य राज्यों) में फैले हैं।

एनटीपीसी के विद्यांचल सुपर थर्मल बिजली घर में कार्बन अवशोषण प्रणाली शुरू

नयी दिल्ली। एनटीपीसी ने बिजली उत्पादन में कार्बन उत्सर्जन को सीमित करने की प्रतिबद्धता को जारी रखते हुए विद्यांचल सुपर थर्मल पावर स्टेशन (वीएसटीपीएस) में फ्लू गैस स्ट्रीम द्वारा पहली कार्बन डाईआक्साइड अवशोषित करने की व्यवस्था चालू कर दी है।

कंपनी ने शुक्रवार को एक विज्ञप्ति में बताया कि यह प्रणाली वहां 500 मेगावॉट क्षमता की कोयला आधारित यूनिट-13 में 15 अगस्त को चालू की गयी। एनटीपीसी ने कहा कि इस इस संयंत्र में फ्लू गैस स्ट्रीम की ऐसी व्यवस्था की गयी है कि इससे प्रतिदिन 20 टन कार्बन डाईऑक्साइड को कैप्चर (अवशोषित) किया जा सकता है। कंपनी ने कहा है कि उसकी यह

पहल कार्बन डाईऑक्साइड कैप्चर तकनीक को बढ़ावा देकर 'कोयले पर आधारित हरित विद्युत उत्पादन' को प्रोत्साहित करेगी।

एनटीपीसी इस परियोजना स्थल पर 'हरित हाइड्रोजन' संयंत्र की स्थापना भी कर रही है, जहां प्रतिदिन दो टन हाइड्रोजन के उत्पादन के लिए 'प्रोटोन एक्सचेंज मेम्ब्रेन' इलेक्ट्रोलाइज़र्स का उपयोग किया जाएगा। उस संयंत्र के चालू होनेके बाद वहां दैनिक अवशोषित 20 टन कार्बन डाईऑक्साइड और दो टन प्रतिदिन हाइड्रोजन का उपयोग हेटरोजिनस कैटेलिटिक प्रक्रिया के माध्यम से प्रतिदिन 10 टन 'हरित मेथेनॉल' के उत्पादन के लिए किया जाएगा। कार्बन डाईऑक्साइड से मेथेनॉल के उत्पादन की इस एकीकृत परियोजना की अवधारणा और डिज़ाइन एनटीपीसी की अपनी अनुसंधान एवं विकास (आर एण्ड डी) शाखा एनटीपीसी एनर्जी टेक्नोलॉजी रीसर्च अलायन्स (नेत्रा) द्वारा तैयार की गई है। एनटीपीसी की इस समय अपनी विद्युत उत्पादन की कुल स्थापित क्षमता 69454 मेगावॉट है।

अडानी ग्रुप के शेयरों पर दांव लगाने वाले मालामाल : दो साल में 1 लाख रुपये का निवेश बन गया 66 लाख रुपये

एजेंसी

नई दिल्ली। कोविड-19 के प्रकोप के बाद शेयर बाजार में अच्छी संख्या में शेयरों ने अपने शेयरधारकों को मल्टीबैगर रिटर्न दिया है। इसमें अडानी ग्रुप के सभी छह शेयर शामिल हैं- अडानी पावर, अडानी एंटरप्राइजेज, अडानी ट्रांसमिशन, अडानी टोटल गैस, अडानी पोर्ट्स और अडानी ग्रीन एनर्जी।

इन छह अडानी शेयरों ने पिछले दो सालों में अपने शेयरधारकों को मल्टीबैगर रिटर्न दिया है। अगर किसी शेयरधारक ने दो साल पहले इन छह मल्टीबैगर शेयरों में से प्रत्येक में 1 लाख रुपये का निवेश किया होता, तो आज उनके पास कुल 66 लाख रुपये से अधिक की संपत्ति होती।

अडानी पावर

इस अडानी समूह के शेयर एनएसई पर 21 अगस्त 2020 को रु 39.15 के स्तर पर बंद हुए थे, जबकि अडानी पावर के शेयर की कीमत अब रु 410.65 है। इसका मतलब है कि अडानी पावर के शेयर की कीमत पिछले दो वर्षों में लगभग 10.50 गुना बढ़ गई है। इसलिए, अगर किसी निवेशक ने दो साल पहले अडानी पावर के शेयरों में रु 1 लाख का निवेश किया होता, तो उसका रु 1 लाख आज रु 10.50 लाख हो जाता।

अडानी एंटरप्राइजेज

इस मल्टीबैगर स्टॉक के शेयर 21 अगस्त 2020 को एनएसई पर रु 233.35 के स्तर पर समाप्त हुए थे, जबकि अडानी एंटरप्राइजेज के शेयर की कीमत अब रु 3,127 है। यानी पिछले दो वर्षों में अडानी समूह का यह हिस्सा 13.40 गुना बढ़ गया है। इसका मतलब है कि अगर किसी निवेशक ने दो साल पहले इस मल्टीबैगर स्टॉक में रु 1 लाख का निवेश किया होता, तो उसका रु 1 लाख आज रु 13.40 लाख हो जाता।

अडानी ग्रीन एनर्जी

अडानी समूह के इस शेयर के शेयर 21 अगस्त 2020 को रु 376.55 के स्तर पर बंद हुए थे, जबकि अडानी ग्रीन के शेयर की कीमत इस समय रु 2,422 है।

यानी यह शेयर 6.45 गुना बढ़ चुका है। इसलिए, अगर किसी निवेशक ने दो साल पहले अडानी के इस शेयर में रु 1 लाख का निवेश किया होता, तो उसका रु 1 लाख आज रु 6.45 लाख हो जाता।

अडानी ट्रांसमिशन

इस अडानी समूह की कंपनी के शेयर 21 अगस्त 2020 को एनएसई पर 272.10 के स्तर पर समाप्त हुए थे, जबकि अडानी ट्रांसमिशन शेयर की कीमत अब 3,612 रुपये है। इसलिए, पिछले दो वर्षों में मल्टीबैगर स्टॉक 13.25 गुना बढ़ गया है, इस समय एक निवेशक रु 1 लाख से रु 13.25 लाख हो गया है।

अडानी टोटल गैस

इस अडानी समूह की कंपनी के शेयर बीएसई पर 21 अगस्त 2020 को रु 165.55 के स्तर पर बंद हुए थे, जबकि अडानी के कुल शेयर की कीमत इस समय रु 3,380.80 प्रति शेयर है। इसलिए, पिछले दो वर्षों में मल्टीबैगर स्टॉक ने 20.40 गुना चढ़ा है। इसलिए, अगर किसी निवेशक ने दो साल पहले इस मल्टीबैगर स्टॉक में रु 1 लाख का निवेश किया था, तो उसका रु 1 लाख आज रु 20.40 लाख होगा।

शार्ट न्यूज

फुटबॉल के दिग्गज समर बनर्जी का निधन

कोलकाता। भारतीय फुटबॉल के दिग्गज खिलाड़ी और मेलबर्न 1956 ओलंपिक में देश को चौथे स्थान पर पहुंचाने वाले समर बनर्जी का शनिवार तड़के यहां के सरकारी एसएसकेएम अस्पताल में 92 साल की उम्र में कोविड-19 के कारण निधन हो गया। बनर्जी के परिवार में उनकी एक पोती है। उनके एकलौते बेटे उनसे पहले इस दुनिया को अलविदा कह चुके हैं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने उनके निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा, मशहूर फुटबॉलर और बेहतरीन खिलाड़ी समर बनर्जी के निधन से आहत हूं। पश्चिम बंगाल सरकार ने उन्हें 2016-17 में लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया था। मैं उनके परिवार और प्रशंसकों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करती हूं। वह कई लोगों के प्रेरणास्रोत बने रहेंगे। बनर्जी के करीबी रिश्तेदारों के अनुसार, उन्हें कोरोनो वायरस से संक्रमित होने के बाद 27 जुलाई को बांगुर अस्पताल में भर्ती कराया गया था। हालत बिगड़ने पर उन्हें एसएसकेएम में स्थानांतरित कर दिया गया। वह पिछले कुछ दिनों से वेंटिलेटर पर थे और शनिवार सुबह 2:10 बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। फुटबॉल जगत में बदरू के नाम से प्रख्यात बनर्जी का जन्म 30 जनवरी, 1930 को पश्चिम बंगाल के हावड़ा जिले के बल्ली में हुआ था। उन्होंने आयुर्विज्ञान का अध्ययन करने के लिए आर जी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में दाखिला लिया, लेकिन फुटबॉल में अपना करियर बनाने के लिए बीच में ही पढ़ाई छोड़ दी।

रेसलर अंतिम पंघाल को योगी ने दी बधाई

लखनऊ। अंडर-20 वर्ल्ड चैम्पियनशिप की महिला कुश्ती स्पर्धा में 53 किलो भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीतने वाली अंतिम पंघाल को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुभकामनाएं दी और इसे मातृशक्ति की ऐतिहासिक उपलब्धि बताया। योगी ने शनिवार को ट्वीट किया अंडर-20 वर्ल्ड चैम्पियनशिप की महिला कुश्ती स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने वाली प्रथम भारतीय महिला का गौरव प्राप्त करने पर अंतिम पंघाल जी को बधाई। हमें आप पर गर्व है। आपकी यह स्वर्णिम उपलब्धि असंख्य खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा बनेगी। आपका भविष्य उज्ज्वल हो। ये मातृशक्ति की ऐतिहासिक उपलब्धि है। अंडर-20 वर्ल्ड चैम्पियनशिप का आयोजन बुल्गेरिया के सोफिया शहर में हो रहा है। अंडर-20 कुश्ती विश्व चैंपियनशिप के फ्री स्टाइल रेसलिंग में स्वर्ण जीतने वाली अंतिम पंघाल पहली भारतीय महिला पहलवान बनीं हैं। पंघाल जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप में गोल्ड जीतने वाली पांचवीं भारतीय खिलाड़ी हैं। 17 वर्षीय अंतिम पंघाल ने फाइनल में कजाकिस्तान की पहलवान अल्टीन शबायेवा को 8-0 से मात दी है।

सुमित, योगेश ने गढ़े विश्व रिकॉर्ड

बेंगलुरु। टोक्यो पैरालंपिक के गोल्ड मेडलिस्ट सुमित अंतिल और सिल्वर मेडलिस्ट योगेश कुमार ने यहां जारी चौथी इंडियन ओपन नेशनल पैरा-एथलेटिक्स चैंपियनशिप में क्रमश: जैवलिन थ्रो और डिस्कस थ्रो में नये विश्व रिकॉर्ड स्थापित किये हैं। पिछले साल टोक्यो पैरा ओलंपिक में जैवलिन थ्रो का विश्व रिकॉर्ड तोड़ने वाले सुमित ने एक बार फिर वही कारनामा दोहराया और शुक्रवार को 68.62 मीटर के थ्रो के साथ नया विश्व रिकॉर्ड स्थापित किया। 24 वर्षीय पैरा एथलीट ने इससे पहले टोक्यो में एफ64 श्रेणी में 68.55 मीटर की दूरी पर भाला फेंककर रिकॉर्ड बनाया था। दूसरी ओर, योगेश ने एफ56 डिस्कस थ्रो प्रतियोगिता में 48.34 मीटर के थ्रो के साथ नया विश्व रिकॉर्ड बनाया। 24 वर्षीय योगेश ने टोक्यो पैरा ओलंपिक में 44.38 मीटर के प्रयास के साथ रजत पदक जीता था।

पैरा शूटिंग विश्व कप : सिंहराज, सिद्धार्थ ने जीते कांस्य

चांगवोन। टोक्यो पैरालंपिक के सिल्वर मेडलिस्ट निशानेबाज सिंहराज अधाना और सिद्धार्थ बाबू ने चांगवोन पैरा-शूटिंग विश्व कप 2022 में शनिवार को अपनी-अपनी प्रतियोगिताओं में कांस्य पदक हासिल किया। सिंहराज ने पी4 मिश्रित 50 मीटर पिस्टल एसएच1 प्रतियोगिता के फाइनल में 189.5 के स्कोर के साथ कांसे का तमगा जीता। मंगोलिया के गनज़ोरिग गंजरगल (212.1) ने स्वर्ण जबकि कोरिया के चूल पार्क (211.3) ने रजत पदक प्राप्त किया। इससे पहले सिंहराज ने क्वालीफिकेशन में 536 के स्कोर के साथ पहला स्थान हासिल किया था। उनके हमवतन राहुल जाखड़ (511) और दीपेंद्र सिंह (494) क्रमश: नौंवे एवं 14वें स्थान पर रहे। दूसरी ओर, सिद्धार्थ बाबू ने आर3 मिश्रित 10 मीटर एयर राइफल प्रोन एसएच1 प्रतियोगिता में 230.8 पॉइंट के साथ कांस्य पदक जीता। सिद्धार्थ क्वालीफिकेशन राउंड में 628.2 पॉइंट के स्कोर के साथ सातवें स्थान पर थे, लेकिन फाइनल में उन्होंने बेहतर प्रदर्शन करते हुए तीसरा स्थान हासिल किया। फ्रांस के जीन लुइस मिकॉड ने 252.8 अंकों के साथ स्वर्ण पदक जीता और कोरिया के जिन्हो पार्क (252.5) दूसरे स्थान पर रहे। इसी बीच, राहुल जाखड़, सिंहराज अधाना और दीपेंद्र सिंह की टीम ने पी4 मिश्रित टीम 50 मीटर पिस्टल एसएच1 में रजत पदक हासिल किया।

अंतिम ने अंडर-20 चैंपियनशिप में जीता ऐतिहासिक स्वर्ण

सोफिया (बुल्गारिया)। भारत की युवा पहलवान अंतिम पंघाल अंडर-20 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीतकर ऐसा करने वाली पहली भारतीय महिला बन गयीं। अंतिम ने शुक्रवार को 53 किग्रा भार वर्ग के फाइनल में कज़ाकस्तान की अल्तिन शगायेवा को 8-0 से धूल चटाई। भारतीय पहलवान ने डबल लेग अटैक से मैच की शुरुआत की और फिर एक टेकडाउन किया। ब्रेक तक उन्होंने 6-0 की बढ़त बना ली थी। अंतिम ने दूसरे हाफ में एक और टेकडाउन के साथ दो पॉइंट लेते हुए 8-0 पर मुकाबला समाप्त किया। अंतिम से पहले छह अन्य भारतीय पहलवान अंडर-20 विश्व चैंपियनशिप के फाइनल तक पहुंच चुके हैं, लेकिन 17 वर्षीय अंतिम स्वर्ण जीतने वाली पहली भारतीय महिला हैं।उन्होंने जीत के बाद कहा, सबने यही कहा कि जापान सर्वश्रेष्ठ है। मैं जापान को हराना चाहती थी। मुझे काउंटर अटैक पसंद है लेकिन यहां जापानी प्रतिद्वंदी ज्यादा हमलावर नहीं थीं इसलिये मुझे स्वयं ही कुछ दांव खेलने पड़े।एशियाई अंडर-20 चैंपियनशिप स्वर्ण, अंडर-17 विश्व कांस्य, अंडर-23 एशियाई रजत और पिछले महीने अपने सीनियर अंतरराष्ट्रीय पदार्पण पर ट्यूनीशिया में रैंकिंग सीरीज स्वर्ण पदक जीतने वाली अंतिम ने पूरे टूर्नामेंट में अपना दबदबा दिखाया। उन्होंने प्री-क्वार्टर फ़ाइनल में पहले यूरोपीय चैंपियन ओलिविया एंड्रिच को तकनीकी श्रेष्ठता (11-0) से हराया और फिर एक मिनट के भीतर क्वार्टर फ़ाइनल में जापान की अयाका किमुरा को पिन किया।

एशियन हैंडबॉल चैंपियनशिप के लिये भारतीय टीम बहरीन रवाना

नई दिल्ली 19 अगस्त (वार्ता) बहरीन में 20 अगस्त से शुरू होने वाली नौंवी एशियन पुरुष यूथ हैंडबॉल चैंपियनशिप के लिए भारतीय पुरुष यूथ हैंडबॉल टीम के कुछ सदस्य बहरीन के लिये रवाना हो चुके हैं जबकि अन्य खिलाड़ी शुक्रवार देर रात उड़ान भरेंगे। चैंपियनशिप के लिए भारत की 18 सदस्यीय टीम चयनित की गयी है। हैंडबॉल एसोसिएशन इंडिया के अध्यक्ष ए.जगनमोहन राव व महासचिव डा.तेजराज सिंह ने बताया कि बहरीन में नौवीं एशियन पुरुष यूथ हैंडबॉल चैंपियनशिप का आयोजन आगामी 20 से 31 अगस्त 2022 तक किया जा रहा है। इसमें हिस्सा लेने के लिए भारतीय टीम के कुछ सदस्य 18 अगस्त को रवाना हुए थे जबकि कुछ सदस्य 19 अगस्त को देर रात रवाना होंगे। चैंपिनशिप के लिए भारतीय टीम के दल प्रमुख डा.आनन्देश्वर पाण्डेय बनाए गए है।

भारत ने ज़िम्बाब्वे को पांच विकेट से मात दी

हरारे। भारत ने शार्दुल ठाकुर (तीन विकेट) की घातक गेंदबाजी के बाद संजू सैमसन (43 रन) और शिखर धवन (33 रन) के योगदानों की बदौलत ज़िम्बाब्वे को दूसरे एकदिवसीय मैच में शनिवार को पांच विकेट से मात देकर श्रृंखला में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल की।

ज़िम्बाब्वे ने भारत को 50 ओवर में 162 रन का न्यून लक्ष्य दिया था, जिसे केएल राहुल की टीम ने 25.4 ओवर में ही हासिल कर लिया।

भारत ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी और तेज़ गेंदबाज़ों ने ऊपरी क्रम को बिना समय व्यर्थ किये पवेलियन लौटाया। ठाकुर ने जहां इनोसेंट काइया (16) और कप्तान रेगिस चकाब्वा (2) का विकेट लिया, वहीं मोहम्मद सिराज ने टी काइटानो (7) और प्रसिद्ध कृष्णा ने वेस्ले माधेवेरे (2) को आउट किया।

सिकंदर रज़ा और सीन विलियम्स के बीच पांचवें विकेट के लिये साझेदारी पनप रही थी, लेकिन कुलदीप यादव ने रज़ा (16) को आउट करके इसपर विराम लगाया।

ज़िम्बाब्वे की आधी टीम के पवेलियन लौटने के बाद विलियम्स ने रायन बर्ल के साथ मिलकर पारी को संभालना चाहा, लेकिन वे नाकाम रहे और टीम 161 पर ऑल आउट हो गयी।

विलियम्स ने 42 गेंदों पर तीन चौकों और एक छक्के की बदौलत 42 रन बनाये, जबकि बर्ल 47 गेंदों पर तीन चौके और एक छक्के के साथ 39 रन बनाकर नाबाद रहे।

भारतीय टीम में दीपक चाहर की जगह आये शार्दुल ठाकुर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सात ओवर में 38 रन देकर तीन विकेट लिये। मोहम्मद सिराज ने किफायती गेंदबाजी का प्रदर्शन करते हुए आठ ओवर में मात्र 16 रन दिये और एक विकेट झटका। दीपक हुड्डा, अक्षर पटेल, कृष्णा और यादव को भी एक-एक विकेट हासिल हुआ।

जब भारत 162 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरा तो गिल के स्थान पर कप्तान राहुल ओपनिंग करने आये। राहुल एशिया कप से पहले विकेट पर समय बिताना चाहते थे लेकिन विक्टर न्यौची की गेंद ने उनकी मंशा पर पानी फेर दिया और वह एक रन बनाकर पवेलियन लौट गये।

तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने आये गिल ने धवन के साथ 42 रन की साझेदारी की। धवन ने आउट होने से पहले 21 गेंदों पर चार चौकों की बदौलत 33 रन बनाये।

ल्यूक जॉन्वे ने कुछ देर बाद चौथे नंबर पर आये ईशान किशन (6) और गिल (33) को भी आउट कर दिया।

भारत के 97 रन पर चार विकेट गिरने के बाद सैमसन और दीपक हुड्डा ने 56 रन की साझेदारी की। संजू ने तीन चौकों और चार छक्कों के साथ 39 गेंदों पर 43 रन बनाये, जबकि हुड्डा ने 36 गेंदों पर तीन चौके लगाते हुए 25 रन की पारी खेली।

जब भारत को जीत के लिये नौ रन की आवश्यकता थी तब हुड्डा सिकंदर रज़ा की गेंद पर अपना विकेट खो बैठे जिसके बाद संजू और अक्षर पटेल (6) ने भारत को जीत तक पहुंचाया।

भारत ने श्रृंखला में अजेय बढ़त हासिल करने के साथ-साथ ज़िम्बाब्वे पर लगातार 14वीं जीत दर्ज की है, जो एक प्रतिद्वंदी के खिलाफ भारत की सर्वाधिक लगातार विजय हैं।

सीरीज़ का तीसरा और आखिरी मैच हरारे के मैदान में 22 अगस्त को खेला जाएगा, जिसके बाद भारतीय टीम एशिया कप का रुख करेगी।

एशिया कप के लिये चांदीमल की टीम में वापसी

कोलंबो। श्रीलंका के अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज़ दिनेश चांदीमल ने एशिया कप-2022 के लिये टीम में वापसी की है। चांदीमल ने अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय मुकाबला फरवरी 2022 में भारत के खिलाफ खेला था।

श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) ने यूएई में होने वाले आयोजन के लिये शनिवार को घोषित 20-सदस्यीय स्क्वाड में युवा सनसनी मथीशा पथिराना को भी शामिल किया है। मथीशा अपने बोलिंग एक्शन से पूर्व श्रीलंकाई गेंदबाज़ लसिथ मलिंगा की याद दिलाते हैं, और इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में चेन्नई सुपर किंग्स के लिये खेलते हुए प्रभावशाली प्रदर्शन दे चुके हैं।

श्रीलंका ने अपनी टीम में वानिंदू हसरंगा, महीश तीक्ष्णा, जेफरी वांडरसे और प्रवीण जयविक्रमा के रूप में चार स्पिन गेंदबाजों को शामिल किया है, जो दुबई की धीमी पिच पर कारगर साबित होंगे। श्रीलंका को अफगानिस्तान (27 अगस्त) और बांग्लादेश (एक सितंबर) के खिलाफ पहले दौर के अपने दोनों मैच दुबई में ही खेलने हैं।

पथुम निसंका, कुसल मेंडिस और चरित असलंका को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेली गयी घरेलू टी20 श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन के आधार पर टीम में जगह दी गयी है। इसके अलावा, आईपीएल में अपना जलवा बिखेरने वाले भानुका राजपक्षे भी यूएई जाने वाली टीम का हिस्सा होंगे।

श्रीलंका की टीम : दासुन शनाका (कप्तान), धनुष्का गुणाथिलका, पथुम निसांका, कुसल मेंडिस, चरित असलंका, भानुका राजपक्षे, अशेन बंडारा, धनंजय डी सिल्वा, वानिंदु हसरंगा, महीश तीक्ष्णा, जेफ़री वांडरसे, प्रवीण जयविक्रमा, दुश्मंत चमीरा, बिनुरा फ़र्नांडो, चमिका करुणारत्ने, दिलशान मदुशंका, मथीशा पथिराना, दिनेश चांदीमल, नुवानिंदु फर्नांडो और कसुन रजिता

चोट के कारण एशिया कप से बाहर हुए शाहीन

रॉटरडैम। पाकिस्तान के युवा तेज़ गेंदबाज़ शाहीन शाह अफ़रीदी चोट के कारण एशिया कप 2022 से बाहर हो गये हैं। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने शनिवार को यह जानकारी दी। पीसीबी ने यहां जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा, नयी स्कैन और रिपोर्ट के बाद पीसीबी चिकित्सीय परामर्श समिति और स्वतंत्र विशेषज्ञों द्वारा शाहीन शाह अफरीदी को 4-6 सप्ताह आराम करने की सलाह दी गई है। इसका मतलब है कि शाहीन एसीसी टी20 एशिया कप और इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली घरेलू श्रृंखला से बाहर हो गये हैं। बयान में कहा गया, हालांकि अक्टूबर में न्यूज़ीलैंड में होने वाली टी20 त्रिकोणीय श्रृंखला में शाहीन की वापसी की उम्मीद है, जिसके बाद ऑस्ट्रेलिया में टी20 विश्व कप 2022 का आयोजन होना है। गौरतलब है कि श्रीलंका के खिलाफ गाले टेस्ट में फील्डिंग करते हुए शाहीन के दाएं घुटने में चोट आयी थी, जिसके बाद से उनका उपचार जारी है। पीसीबी के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ नजीबुल्लाह सूमरो ने कहा, मैंने शाहीन से बात की है और वह इस खबर से काफी परेशान हैं, लेकिन वह बहादुर युवक हैं जिन्होंने अपने देश और टीम की सेवा करने के लिए दृढ़ता से वापस आने की कसम खाई है।

एशिया कप से पहले 'आत्मविश्वास' के लिये विकेट पर समय बिताना ज़रूरी : राहुल

एजेंसी

हरारे। भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के कप्तान केएल राहुल ने ज़िम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय मैच में जीत के बाद शनिवार को कहा कि उनके लिये एशिया कप से पहले विकेट पर समय बिताना ज़रूरी है ताकि वह थोड़े आत्मविश्वास के साथ एशियाई आयोजन में प्रवेश करें।

भारत ने ज़िम्बाब्वे को दूसरे एकदिवसीय मैच में पांच विकेट से मात दी। लंबे समय बाद टीम में वापस आये राहुल भारत की ओर से ओपनिंग करने उतरे थे लेकिन वह सिर्फ एक रन बनाकर पवेलियन लौट गये।

कप्तान राहुल ने मैच के बाद कहा, मैं आउट होने के बाद (बल्लेबाजी को लेकर) चिंतित नहीं था। हमारी बल्लेबाजी में गहराई है। यह दूसरे खिलाड़ियों के लिये अच्छा है जिन्हें पिच पर समय बिताने का मौका मिला।

उन्होंने एशिया कप से पहले अपनी तैयारी के बारे में कहा, मुझे विकेट पर समय बिताने की आवश्यकता है। जाहिर है यह श्रृंखला खेलना मेरे लिये महत्वपूर्ण था ताकि मैं कुछ रन और थोड़े आत्मविश्वास के साथ एशिया कप में जा सकूं। दुर्भाग्यवश आज ऐसा नहीं हो सका। उनके पास कुछ अच्छे गेंदबाज हैं। मैंने यह बांग्लादेश के खिलाफ इनकी पिछली श्रृंखला में भी देखा था। राहुल ने कहा, हम यहां अच्छी क्रिकेट खेलने और जीतने आये हैं। हर अवसर हमारे लिये सम्मानजनक है इसलिए हम अगली बार भी मैदान पर जाना चाहते हैं और अच्छा प्रदर्शन करना चाहते हैं। हम जहां भी यात्रा करते हैं, हमें भारतीय प्रशंसकों का अच्छा समर्थन मिलता है। उनके समर्थन के लिए बहुत आभारी हूं।

मैन ऑफ द मैच संजू सैमसन ने कहा, आप पिच पर जितना समय बिताते हैं, उतना ही बेहतर महसूस करते हैं। देश के लिये यह करना और भी खास है। मैंने तीन कैच लिये लेकिन एक स्टंपिंग से चूक गया। फिलहाल विकेटकीपिंग और बल्लेबाजी का आनंद ले रहा हूं।

ज़िम्बाब्वे के कप्तान रेजिस चकाब्वा ने कहा, मेरे अनुसार हमने अच्छी चुनौती दी। पिछले मैच में हम विकेट निकालने में संघर्ष कर रहे थे, हालांकि आज हमने कुछ रन कम बनाये। आज हम चुनौती के लिय तैयार थे और गेंदबाजों ने सही क्षेत्रों में गेंदबाजी की।

ड्रैगन का विस्तारवादी रवैया दक्षिण चीन सागर तक ही सीमित नहीं, ताइवान के विदेश मंत्री ने किया आगाह

ताइपे। ताइवान के विदेश मंत्री जोसेफ वू ने शनिवार को फिर चीन के विस्तारवादी रवैये पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि दुनिया के लोकतंत्रों को बीजिंग की इन गतिविधियों का मुकाबला करने के लिए एकजुट हो जाना चाहिए। वू ने एशिया और उसके बाहर चीन की बढ़ती हरकतों का जिक्र किया।

उन्होंने कहा, यह लोकतंत्र के एकजुट होने का समय है। चीन की हरकतें ताइवान या दक्षिण चीन सागर तक सीमित नहीं हैं। सोलोमन द्वीप में चीन के बढ़ते दखल को लेकर ऑस्ट्रेलिया भी चिंतित है। चीन जिबूती में भी आधार बनाने में लगा हुआ है।

विदेश मंत्री जोसेफ वू ने श्रीलंका के आर्थिक और राजनीतिक संकट का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि चीन ने अपनी विशाल बुनियादी ढांचा परियोजनाओं और कर्ज का जाल बिछाकर इस द्वीप राष्ट्र को फंसा दिया। श्रीलंका में चीन की ओर जो कार्रवाई की गई है, वो आंखें खोलने वाली है। ताइवान के साथ जापान के मजबूती से खड़ा रहने की उन्होंने तारीफ की और कहा कि अन्य देशों को भी साथ आना चाहिए।

भारत से भी मदद की लगाई गुहार

तनाव के बीच ताइवान ने भारत से भी मदद की गुहार लगाई है। दरअसल, ताइवान इंटरनेशनल क्रिमिनल पुलिस ऑर्गेनाइजेशन यानी इंटरपोल में शामिल होना चाहता है।

इसके लिए वह भारत से मदद मांग रहा है। क्रिमिन इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो के आयुक्त ने कहा, ताइवान इंटरपोल का सदस्य नहीं है। हम आम सभा में हमारा प्रतिनिधिमंडल नहीं भेज सकते। भारत मेजबान देश है, जिसके पास हमे आमंत्रित करने की शक्ति है। हम पर्यवेक्षक के तौर पर ताइवान को बुलाने की भारत और अन्य देशों से उम्मीद करते हैं।

राजनीतिक नियंत्रण को स्वीकार करने का विरोध

ताइवान स्वशासित द्वीप पर चीन के राजनीतिक नियंत्रण को स्वीकार करने के लिए बीजिंग के दबाव का विरोध करता रहा है।

कुछ दिनों पहले ही चीनी जहाजों और विमानों की ओर से ताइवान के समुद्री और हवाई क्षेत्र में मिसाइलें दागी गई थीं। मालूम हो कि अमेरिकी सदन की अध्यक्ष नैन्सी पेलोसी ने हाल ही में ताइवान की यात्रा की थी, जिसे लेकर चीन भड़का हुआ है। चीन और ताइवान के रिश्ते अब तक सबसे नाजुक दौर में बताए जा रहे हैं।

जापान ने वी-22 ऑस्प्रे विमान की उड़ानों पर लगाई रोक

टोक्यो। जापान ने तकनीकी कारणों से राजधानी टोक्यो के पास चिबा प्रीफेक्चर में अस्थायी रूप से तैनात वी-22 ऑस्प्रे विमानों की उड़ान पर रोक लगा दी हैं। क्योदो समाचार एजेंसी ने जापान के रक्षा मंत्रालय के हवाले से शनिवार को यह रिपोर्ट दी है। क्योडो की रिपोर्ट के अनुसार जापान के अधिकारियों ने अमेरिका में सीवी-22 विमान के दोषों की पहचान और वी-22 विमान की अतिरिक्त जांच के बारे में स्पष्ट जानकारी मिलने तक जापान में वी-22 ऑस्प्रे टिल्ट्रोटर विमान की उड़ानों पर रोक लगा दी है। उल्लेखनीय है कि ब्रेकिंग डिफेंस न्यूज आउटलेट ने मंगलवार को एएफएसओसी के प्रवक्ता का हवाले से बताया कि अमेरिकी वायु सेना विशेष अभियान कमांड ने पिछले छह हफ्तों में दो बार 'सुरक्षा घटनाओं की बढ़ती संख्या' के कारण अपने सभी 52 सीवी-22 ऑस्प्रे टिल्ट्रोटर विमानों की उड़ानों को रोक दिया। ऑस्प्रे एक बहुक्रियाशील टिल्ट्रोटर विमान है, इसमें हेलीकॉप्टर उड़ान और उतरने की क्षमता है।

अवैध फंडिंग मामला: इमरान खान पर लटकी गिरफ्तारी की तलवार

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को देश की शीर्ष जांच एजेंसी के सामने पेश नहीं होने तथा अवैध फंडिंग के मामले में उसके नोटिस का जवाब नहीं देने के सिलसिले में गिरफ्तार किया जा सकता है। मीडिया की रिपोर्ट में शनिवार को यह जानकारी सामने आई। संघीय जांच एजेंसी ने इस संबंध में शुक्रवार को इमरान खान को दूसरा नोटिस जारी किया।

द न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक इमरान खान को पिछले बुधवार को पहला नोटिस भेजा गया था, लेकिन उन्होंने एफआईए की टीम के समक्ष पेश होने से इनकार कर दिया। खबर में एफआईए के उच्चस्तरीय अधिकारियों के हवाले से कहा गया है कि इमरान खान को गिरफ्तार करने का अंतिम फैसला तीन नोटिस जारी करने के बाद लिया जा सकता है।

सूत्रों के हवाले से खबर में कहा गया है कि एफआईए ने पूर्व प्रधानमंत्री की पार्टी से संबंधित पांच कंपनियों का पता लगाया है जो अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, ब्रिटेन और बेल्जियम में काम कर रही है। पाकिस्तान के चुनाव आयोग को सौंपी गई रिपोर्ट में इन कंपनियों का उल्लेख नहीं किया गया है।

नियमों के खिलाफ मिली राशि

बता दें कि सत्ता से बेदखल किए जाने के बाद से ही पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान जां एजेंसियों के निशाने पर हैं। इस महीने की शुरुआत में पाकिस्तान के चुनाव आयोग ने कहा था कि इमरान खान की पीटीआई को भारतीय मूल के एक व्यवसायी सहित 34 विदेशी नागरिकों से नियमों के खिलाफ धन राशि प्राप्त हुई है।

अफगानिस्तान ने तापी पाइपलाइन पर काम शुरु करने के लिए कमेटी गठित की

काबुल। अफगानिस्तान ने तुर्केमिस्तान-अफगानिस्तान-पाकिस्तान-भारत पाइपलाइन (पाइपलाइन) पर काम शुरु करने के लिए एक कमेटी गठित की है। अफगानिस्तान के खान एवं पेट्रोलियम मंत्रालय के प्रवक्ता एशमातुल्लाह बुरहान ने शनिवार को यह जानकारी दी। टोलो न्यूज ने श्री बुरहान के हवाले से कहा कि एक मंत्रालियक कमेटी का गठन किया गया है। वित्त मंत्रालय कमेटी के वित्तीय मामले देखेगा। कमेटी के प्रमुख तालिबान नेता अब्दुल गनी बारादर है। ब्रॉडकास्टर ने विदेश मंत्रालय के हवाले से कहा कि अफगानिस्तान निकट भविष्य में तापी परियोजना क्रियान्वयन पर चर्चा के लिए एक प्रतिनिधिमंडल तुर्केमिस्तान भेजेगा। तापी का निर्माण 2015 में शुरु हुआ था। 1,814 किलोमीटर लम्बी पाइपलाइन से कैप्शियन सागर में जमा प्राकृतिक गैस तुर्केमिस्तान वाया अफगानिस्तान और पाकिस्तान से भारत पहुंचाएगी। इस पाइपलाइन की वार्षिक क्षमता के 33 अरब क्यूबिक मीटर्स तक पहुंचने की संभावना है।

पाकिस्तान में बारिश संबंधी घटनाओं में 13 की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के दक्षिणी सिंध प्रांत में पिछले 24 घंटो के दौरान बारिश संबंधी घटनाओं में छत गिरने से कम से कम 13 लोगों की मौत हो गई तथा कई अन्य घायल हो गए। स्थानीय मीडिया ने यह जानकारी शनिवार को दी। मीडिया ने बताया कि प्रांत के खैरपुर जिले के सुबरबन गांव में बारिश के कारण एक मकान की छत टूटने से तीन बच्चों सहित पांच लोगों की मौत हो गई। भारी बारिश के कारण सिंध के लरकाना जिले में छत गिरने की अलग अलग घटनाओं में आठ लोगों की मौत हो गई तथा पांच अन्य घायल हो गए। राहत सेवा ने मीडिया से कहा कि भारी बारिश से बचाव अभियान में काफी कठिनाई आ रही है। देश के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने शुक्रवार को कहा कि जून के मध्य में शुरु हुई बारिश और उससे संबंधित घटनाओं में अब तक कुल 692 लोगों की मौत हो चुकी है और 1,146 अन्य घायल हो गए।

अमेरिका कोषागार विभाग के उप सचिव वैली अडेयेमो भारत की यात्रा करेंगे

वाशिंगटन। अमेरिका कोषागार (ट्रेजरी) के उप सचिव वैली अडेयेमो 24 अगस्त से भारत की तीन दिवसीय यात्रा पर आयेंगे और वह भारत-अमेरिका की साझा प्राथमिकताओं पर चर्चा करेंगे। इनमें ऊर्जा सुरक्षा को बढ़ावा देना, विश्व स्तर पर खाद्य असुरक्षा और अवैध व्यापार से निपटना सहित वित्तीय प्रवाह के मामले शामिल है। अमेरिकी सरकार के एक बयान में कहा गया है कि श्री अडेयेमो पूरी यात्रा के दौरान, हमारे दोनों देशों के गहरे आर्थिक, सुरक्षा और सांस्कृतिक संबंधों को रेखांकित करने सहित, एक सुरक्षित और समृद्ध भारत-प्रशांत के लिए अमेरिका -भारत संबंधों और हमारी साझा प्रतिबद्धता की पुष्टि को और मजबूत करेगा। बयान में आगे कहा गया है कि उप सचिव मजबूत अमेरिका -भारत द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों पर ध्यान केंद्रित करेंगे, दोनों देशों के बीच व्यापक निवेश और व्यापार प्रवाह को उजागर करेंगे, और भारत जैसे विश्वसनीय भागीदारों के साथ अधिक लचीला आपूर्ति श्रृंखला बनाने सहित उन्हें गहरा करने के साथ ही 'इंडो-पैसिफिक इकोनॉमिक फ्रेमवर्क' जैसी पहलों के माध्यम से तरीकों पर चर्चा करेंगे। इसमे भारत मई में एक संस्थापक सदस्य के रूप में शामिल हुआ।

दक्षिण कोरिया में कोरोना के 1,29,411 नये मामले

सोल। दक्षिण कोरिया में पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना वायरस के 1,29,411 नए मामले सामने आए जिससे संक्रमितों की कुल संख्या 2,21,29,387 हो गई है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। कोरिया रोग नियंत्रण और रोकथाम एजेंसी (केडीसीए) के अनुसार, दैनिक मामले एक दिन पहले 1,38,812 सामने आये थे जो एक सप्ताह पहले 1,24,555 से अधिक है। पिछले एक हफ्ते में पुष्टि किए गए मामलों की दैनिक औसत संख्या 1,27,615 रही थी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं... से मुद्रित एवं , ब्लाक नं 23 मकान नं 399 त्रिलोक पुरी दिल्ली -91 से प्रकाशित
संपादकः प्रवीण कुमार सिंह, आरएनआई नं. ·DELHIN/2011/38334, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, टेलीफोन नं.: 011-26700510/11 , ई-मेल : info@gauravshalibharat.com, समस्त विवादो का न्यायलय दिल्ली होगा

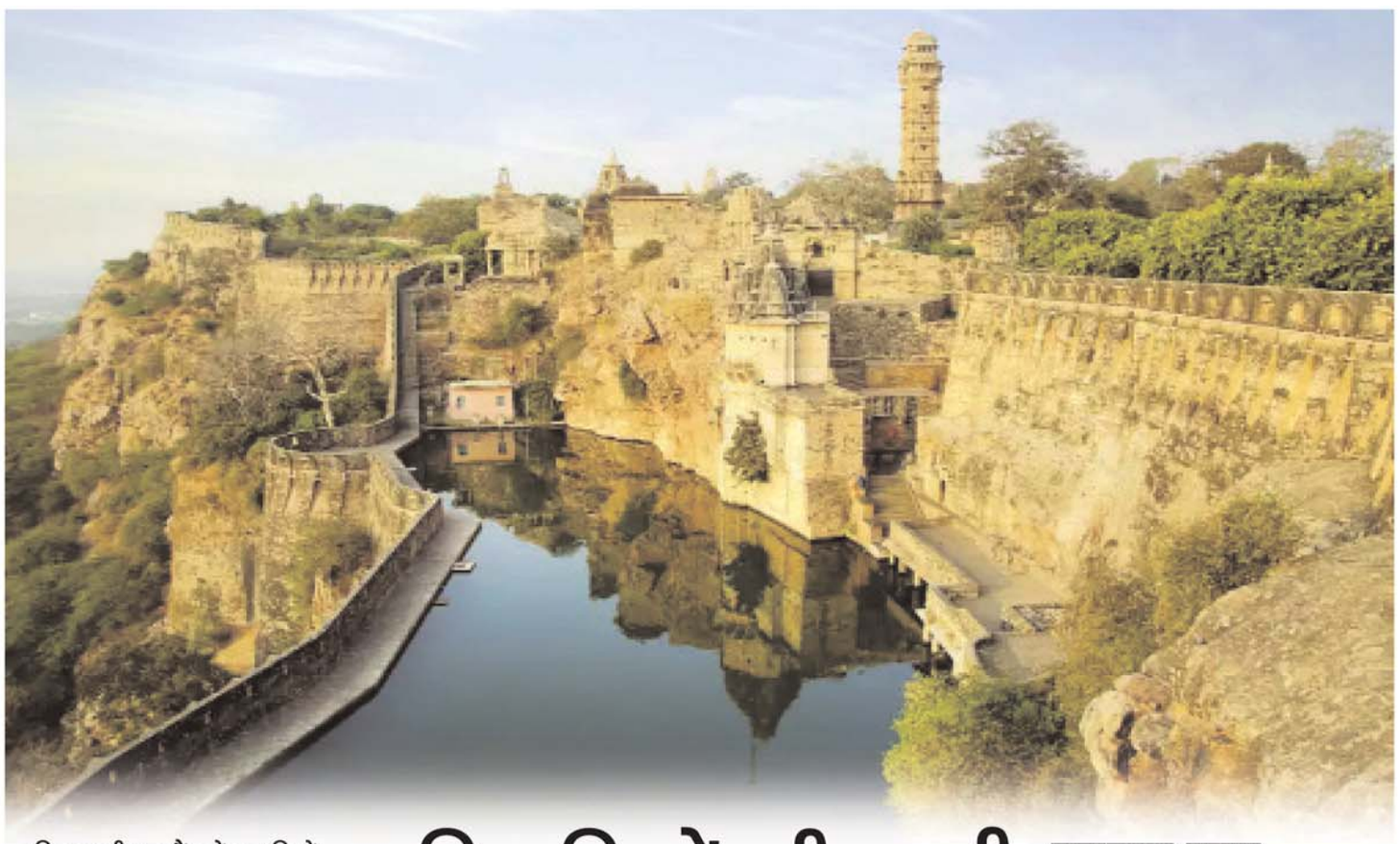

बलिदानियों की धरती चित्तौड़गढ़

बलिदान की उन सैंकड़ों कहानियों का गवाह रहा हूं, जिन पर वर्तमान को मुझपर अभिमान है.कभी लहू देकर मेरा सम्मान किया गया.तो कभी उन जलती चिता को देखकर मैंने आंसू बहाए.जो मेरी बेटी थी.जो मेरा बेटा था.मेरी धरती पर उन बेटों ने जन्म लिया है.उन बेटियों ने जन्म लिया है, जिनपर आज भी मुझे गर्व है.आज मैं अपनी कहानी सुना रहा हूं.मैं चित्तौड़गढ़ हूं.आज मैं अपने इतिहास. वीरतापूर्ण लड़ाइयों.राजपूत शूरता. महिलाओं के अद्वितीय साहस की कई और कहानियां सुना रहा हूं. दुनिया में वीरता, बलिदान, त्याग, साहस के न जाने कितने किरदार आपने देखे होंगे और सुने होंगे.पर मुझे नाज है कि हिंदुस्तान की सरजमीं पर इतने सारे नायकों से भरी धरा कोई नही है.

मेरा इतिहास मेरी जुबानी

चित्तौड़ की इस पावन धरा ने तो अन्याय और अत्याचार के खिलाफ ही लड़ना जाना.हमें क्या पता ये सियासत क्या होती है.हिंदू-मुसलमान के नाम पर हमें मत बांटो.हमने अपने बेटों को कभी धर्म और संप्रदाय की आंखों से नहीं देखा. जब मुगल बाबर ने हमें आंखें दिखाई थी, तो खन्वा के युद्ध में मेरे बेटे राणा सांगा का साथ देने के लिए हसन खान चिश्ती और महमूद लोदी ही तो आए थे.जब अत्याचारी अहमद शाह हमें लूटने पहुंचा, तो हमारी राजमाता कर्णावती ने रक्षा के लिए अपने मुगल भाई हुमायूं को ही तो राखी भेजी थी.जब मेरे प्रतापी बेटे महाराणा प्रताप के खिलाफ सभी सगे संबंधी मुगल अकबर के साथ हो गए, तो प्रताप का सेनापति बनकर पठान योद्धा हाकम खान सूर ने ही युद्ध में बलिदान दिया.मुझे किसी करणी सेना के नाम पर किसी जाति में मत बांधो.जब खुद के एक मेरे नालायक बेटे बनबीर ने मेरे ऊपर अत्याचार किए, तो मेरे वारिस उदय सिंह को बचाने के लिए गुर्जर जाति की पन्नाधाय ने अपने बेटे चंदन का बलिदान कर मेरे वारिस को बचाया था. जब महराणा प्रताप की मदद किसी ने नहीं की, तो एक वैश्य ने सबकुछ बेचकर मेरी 12,000 सेनाओं का खर्च उठाया. जब राजपूत राजा हमारे लिए लड़ रहे प्रताप के खिलाफ अकबर से जा मिले, तो प्रताप की सेना में लड़ने के लिए घूमंतु आदिवासी गड़रिया लुहार ही साथ आए थे.जब अकबर ने हमला किया तो किसी रानी ने नहीं बल्कि फूलकंवर के नेतृत्व में मेरे गोद में चित्तौड़ की सभी महिलाओं ने आखिरी जौहर किया था.

पांचवी सदी में मौर्यवंश के शासक चित्तरांगन मौरी ने जब 7 मील यानी 13 किमी की लंबाई, 180 मी.ऊंचाई और 692 एकड़ में फैले इस पहाड़ी पर मुझे बसाया था.तब किसी को कहां पता था कि दुनिया का सबसे बुजुर्ग गढ़ मैं, यानी चित्तौड़गढ़, हिंदुस्तान की माटी का तिलक बन जाउंगा.मोरी वंश के अंतिम शासक मान सिंह मोरी के बाद मेरे पास 728 ईसवीं में गोहिल वंश के शासक आए.गोहिलों के शासन के बाद रावल वंश का शामन चला.कहते हैं गोहिलों ने दहेज में राजकुमारी को ये किला भेंट किया.रानी, राजकुमारी से रावल वंश के वंशज बप्पा रावल की शादी हुई थी. सातवीं से 13वीं सदी तक मेरे वैभव का काल था.जब हमारी सुचिता, वैभव और पराक्रम की कहानियां दूर-दूर तक कही जाने लगी.लेकिन चौदहवीं सदी से लेकर 16 वीं सदी तक हमने सबसे बुरा दौर देखा.जाने किसकी नजर हमारे चित्तौड़गढ़ पर लग गई और रावल वंश के शासक रतन सिंह के शासन के दौरान 1303 में अलाउद्दीन खिलजी ने मेरे उपर हमला कर दिया.हिंदुस्तान के सबसे सुरक्षित माना जाने वाला अभेद्य दुर्ग सबसे कमजोर भी हो सकता है ये खिलजी की युद्धनीति ने पहली बार सामने ला दिया.फिर यहीं से हम हमेशा के लिए कमजोर बनते चले गए.सात दरवाजों से घिरे मेरे अंदर सात विशाल दुर्ग दरवाजे हैं, जिसे कोई पार नही कर सकता.लेकिन 1303 में खिलजी ने जाड़े में चारो तरफ से मुझे घेरकर मैदान में डेरा डाल दिया.वो मेरे अंदर नहीं आ सकता था.लेकिन दुर्ग के अंदर हमारे राशन-पानी को बंद कर दिया.सात महीने में हम बेबस होकर युद्ध के लिए मैदान में आए और हमारे रावल रतन सिंह और उनके दो बहादुर सेनापति गोरा-बादल शहीद हुए.

हमारी रुपवती रानी पद्मिनी को 16000 रानियों के साथ जौहर करना पड़ा.ये पहली बार था, जब हमारी वीरता और साहस-बलिदान की अमर कहानी दुनिया ने देखी.कहते हैं अलाउद्दीन लंपट स्वभाव का था और पद्मिनी को पाने के लिए युद्ध किया था.लेकिन हिंदुस्तान की सबसे ताकतवर सेना के होते हुए भी वो हमारी महरानी को नही पा सका.रावलों के शासन का यहीं अंत हुआ.13 साल तक अलाउद्दीन खिलजी और उसके बेटे खेजर ने मेरे ऊपर राज किया.इस दौरान पूरे महल को तोड़ दिया गया और 1000 हजार से भी ज्यादा मंदिर भी तोड़ दिए.ये हमारे ऊपर हुए अत्याचार की इंतहा थी.लेकिन हमने उम्मीद नहीं छोड़ी थी.उसके बाद गोहिल वंश के ही भाई राणा वंश के सिसोदियाओं ने हमारे ऊपर राज किया.1325 में राणा हमीर ने इसे अपना किला बनाया और राणा वंश यानी सिसोदिया वंश का शासन चलना शुरु हुआ.और आखिरी तक मेरे ऊपर सिसोदिया वंश का ही शासन रहा. मेरे उपर सबसे ज्यादा सिसोदिया वंश ने ही राज्य किया.और इस वंश में कई प्रतापी राजा हुए.राजा रतन सिंह से लेकर महराणा प्रताप ने चित्तौड़गढ़ पर शासन किया.महाराणा सांगा.महाराणा कुंभा भी चित्तौड़गढ़ के महान राजाओं में से एक हुए.इन राजाओं ने चित्तौड़गढ़ को एक अलग पहचान दिलवाई.मैं यानी चितौड़गढ़ किला अभेद्य था.पहाड़ी के किनारे-किनारे खड़े चट्टानों की पंक्ति थी.साथ ही साथ दुर्ग में अंदर जाने के लिए लगातार सात दरवाजे बनाए गये थे. लिहाजा, दुश्मनों के लिए किले के अंदर जाना नामुमकिन था.लेकिन, विशाल मैदान के बीच में पहाड़ी पर ये किला बना था.जिसकी वजह से दुश्मन विशाल मैदान में डेरा डाल देते थे.और किले के अंदर खाने की सप्लाई रोक देते थे. नतीजा किले के दरवाजों को खोलने के लिए राजाओं को विवश होना पड़ता था. और शत्रुओं की विशाल सेना होने की वजह से उन्हें हार का मुंह देखना पड़ता था.

रानी कर्णावती

रामी पद्मावती की कहानी तो आपने सुनी लेकिन राणा सांगा की पत्नी कर्णावती का भी बलिदान भी हमारे गर्भ में छिपा है.जब गुजरात के शासक अहमद शाह ने 1535 ईवी में चित्तौड़ पर हमला किया, तब बाबर के साथ खानवा के युद्ध में घायल राणा सांगा की मौत हो चुकी थी.राणा सांगा के पुत्र विक्रमादित्य के व्यवहार से परेशान किसी राजा ने हमारी मदद नहीं की.तो कर्णावती ने हूमायूं को राखी भेजते हुए लूटेरे अहमद शाह के खिलाफ मदद मांगी.हूमायूं को कर्णावती का संदेशा देर से मिला और मदद करने वो नहीं आ पाया.दो साल की लड़ाई के बाद अहमद शाह की जीत हुई तो 1537 ईवी में हजारों रानियों के साथ एक बार फिर कर्णावती ने मेरे अंदर दुर्ग में जौहर किया.

रानी मीरा

राणा सांगा के बेटे भोजराज के साथ मेड़ता की राजकुमारी की शादी हुई. लेकिन मीरा का मन कभी रानीवासा में नही लगा.वो तो गोपाल नंदलाल यानी कृष्ण के मंदिर में ही बैठी रहती है.राणा कंभा ने बाद में मीरा का मंदिर ही बना दिया जो आज भी चित्तौड़गढ़ में मौजूद है.

पन्ना धाय

राणा विक्रम सिंह की हत्या कर उनके चाचा का लड़का बनवीर चित्तौड़ की गद्दी पर बैठना चाहता था.तब चित्तौड़ के वारिस उदय सिंह पालना में थे.रानी कर्णावती की दाई पन्नाधाय उनकी देखभाल करती थी.जब पन्नाधाय को पता चला कि बनवीर तलवार लेकर उदय सिंह को मारने आ रहा है, तो पन्नाधाय ने चित्तौड़ के वारिस उदय सिंह को कुंभलगढ़ रवाना कर अपने बेटे चंदन को उदय सिंह के सामने सुला दिया और बनवीर ने मां पन्नाधाय के सामने ही उनके पुत्र चंदन को अपनी तलवार से दो टुकड़े कर दिए.

महाराणा प्रताप

जब अकबर ने एकबार फिर 1567 ईवीं में मेरे ऊपर हमला किया, तो उड़ई सिंह मेरे ऊपर राज करते थे.अकबर ने पूरी तरह से किले को बर्बाद कर दिया.एक बार फिर फूलकंवर के नेतृत्व में मेरे अंदर जौहर हुआ.तब हमारे राजा उदय सिंह ने 1568 में अकबर के संधि के अनुसार मुझे छोड़कर उदयपुर को अपनी राजधानी बना लिया.तब तय हुआ कि चित्तौड़ यानी मैं हमेशा के लिए वीरान रहूंगा और यहां कोई निर्माण नहीं होगा. दरअसल दिल्ली के सुल्तानों और मुगलों को हमेशा डर सताता था कि अगर चित्तौड़ आजाद और आबाद रहा, तो कभी दक्षिण नही जीत पाएंगे.मुगलों के साथ बारुद भारत में युद्ध में प्रयोग होने लगा तब तो हम बिल्कुल असुरक्षित हो गए थे. मगर मेरी गोद वीर पुत्रों से खाली नहीं थी.16 साल तक मेरी गोद में खेले महराणा प्रताप को सरदारों ने चित्तौड़ का शासक घोषित कर दिया.मैनें आखिरी हमला दिल्ली की गद्दी पर बैठे अकबर का देखा और फिर हमेशा-हमेशा के लिए इतिहास बन गया.उदय सिंह की हार हुई और मुगल की संधि के अनुसार इस किले को सिसोदिया वंश को छोड़ना पड़ा.उदय सिंह ने अपनी राजधानी उदयपुर बना ली.मगर उनके जेठ पुत्र महाराणा प्रताप इसे भुला नहीं पाए.वो इसी किले की तलहटी से अकबर से दो-दो युद्ध लड़े.और आखिरी बार हल्दीघाटी की लड़ाई हुई.

ये युद्ध हिंदुस्तान के सबसे मजबूत शासक और मुट्ठी भर लड़ाकों के साहस की लड़ाई थी.जिसे दुनिया प्रताप की वीरता के लिए याद रखती है.प्रताप और उनके हथियार बनाने वाले गड़रिया लुहारों ने ये प्रतीज्ञा ली थी कि जबतक मुझे नहीं पा लेगें वो किले में प्रवेश नहीं करेंगे.भारत आजाद हुआ तो खुद देश के प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरु ने गड़रिया लुहारों को लेकर 1955 में मेरे अंदर यानी किले में प्रवेश किया.1905 में अंग्रेजों के समय से अबतक हम दिल्ली की सरकार के अधीन रहे.मगर तब से हमारी सार संभाल ही हो रही है.

न जाने कितने कवि, लेखक और इतिहासकारों ने विभिन्न कालखंडो में मेरे बारे में और मुझ पर राज करनेवालों के बारे में क्या-क्या लिखा.मगर 2017 में इसे फिर से लिखा जा रहा है.इस बार कोई हमलावर चित्तौड़ नहीं आया है और न ही मेरे बहादुर चित्तौड़ के सैनिक इस लड़ाई को लड़ रहे हैं.मुझे इस लड़ाई से क्या हासिल होगा मुझे पता नहीं है.मैंने दुनिया के खुंखार से खुंखार आक्रांताओं और हमलावरों की खून की होली देखी है.मैं सब जानता हूं.मुझे मेरी हिफाजत करनी आती है.मै बूढ़ा नहीं हुआ हूं.मैं चित्तौड़ हूं.

निर्दयी राजा

माधो जंगल में लकड़ियां बीन रहा था। अचानक अपने गांव से आग की लपटें उठती देखकर वह घबरा उठा। पड़ोसी राजा को अपने किले में काम कराने के लिए गुलामों की आवश्यकता थी। उस समय उसके सैनिक ही गांव वालों को गुलाम बनाकर ले जा रहे थे। माधो जान बचाने के लिए घने जंगल में भाग गया। दिन बीतने पर माधो गांव लौटा, लेकिन वहां कोई नहीं था। उसके माता-पिता को भी निर्दयी सैनिक पकड़कर ले गए थे। माधो क्रोध से उबल पड़ा। वह राजा के किले की ओर चल दिया। वह किसी तरह गांव वालों को छुड़ाना चाहता था। किसी तरह छिपता हुआ माधो किले के अंदर पहुंचगया। गांव वालों के साथ उसके माता-पिता तपती धूप में राजा के खेतों में काम कर रहे थे। पानी मांगने पर सिपाही उन पर कोड़े बरसाते थे। तभी पास खड़ी एक गरीब बुढ़िया ने माधो से पूछा, तुम्हें क्या कष्ट है बेटा? मैं राजा की मालिन हूं।

माधो ने उसे सारी बात बताई। मालिन भी राजा की क्रूरता से बहुत दुखी थी। वह माधो को अपने घर ले गई। उसे माला गूथना सिखा दिया। फिर एक दिन उसे राजा से भी मिलवाया। राजा माधो की बनाई माला देखकर बहुत प्रसन्न हुआ। वह माधो को महल दिखाने लगा। माधो ने पूछा, महाराज, कोई शत्रु आपके महल में घुस आए तो?

राजा उसे दीवार में लगी एक मुठिया दिखाकर बोला, अगर ऐसा हुआ, तो हम यह मुठिया घुमा देंगे। किले के सारे पानी में बेहोशी की दवा घुल जाएगी। पानी पीने वाले बेहोश हो जाएंगे। थके-मांदे शत्रु के सैनिक आते ही पानी तो पिएंगे ही। फिर राजा ने माधो को एक बड़ी सी चाबी दिखाई और बोला, यह चाबी देखो, इससे हम किले का दरवाजा बंद कर देंगे। होश में आने पर फिर कोई बाहर नहीं निकल सकता।

मालिन ने माधो को नागगंध की एक माला बनाकर दी। उसे पहनते ही राजा और रानी गहरी नींद में सो गए। माधो ने जल्दी ही वह मुठिया घुमा दी। फिर राजा की जेब से किले की चाबी निकालकर महल से बाहर आ गया। पानी पीते ही राजा के सैनिक बेहोश होकर गिरने लगे। गांव वाले पानी पीने दौड़े, तो माधो ने उन्हें पानी नहीं पीने दिया और फौरन किले से बाहर निकल जाने के लिए कहा। सब बाहर आ गए, तो माधो ने चाबी से फाटक को बंद कर दिया।

निर्दयी राजा अपने सिपाहियों के साथ अपने ही किले में बंद हो गया। गांव वाले उसके अत्याचार से मुक्त हो गए थे।

इस किले के परिसर में है 65 से अधिक ऐतिहासिक महल, मंदिर व जलाशय

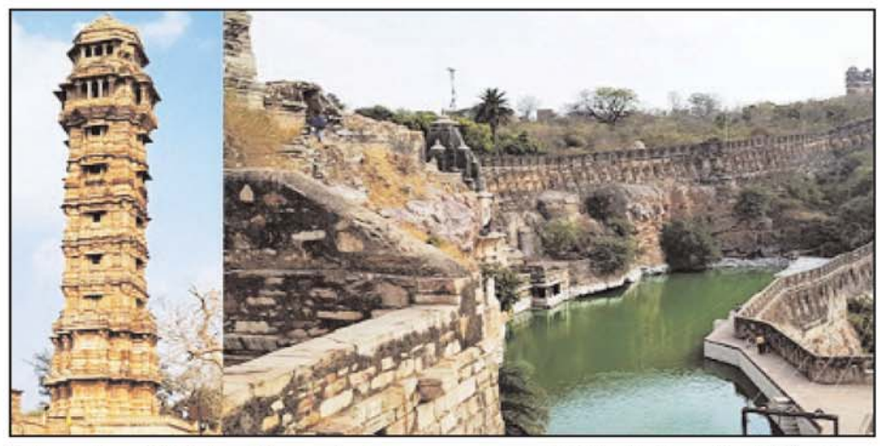

चित्तौड़गढ़ किला जिसे चित्तोर दुर्ग के नाम से भी जाना जाता है भारत के प्राचीनतम किलो में से एक है.यह किला भारत ही नहीं अपितु विश्व भर में प्रसिद्व है.वर्ल्ड हेरिटेज साइट में शुमार इस किलो देखने हर साल हजारो विदेशी सैलानी भारत आते है.

- चित्तौड़गढ़ किला जिसे मेवाड़ की राजधानी के नाम से भी जाना जाता हैउदाहरण के तोर पर यह किला प्राचीन समय में 834 सालो तक मेवाड़ की राजधानी रह चूका था.इसकी स्थापना 734 इक में मेवाड़ के सिसोदिया वंश के शासक बाप्पा रावल ने की थी.
- चित्तौड़गढ़ किला भारत का सबसे बड़ा किला माना जाता है.इसकी लम्बाई 3 किलोमीटर, त्रिज्या 13 किलोमिटर और यह किला लगभग 700 एकड़ जमीन पर फैला हुआ है.
- प्राचीन इतिहास के अनुसार ऐसा माना जाता है कि चितौड़गढ़ किले को सातवीं सदी में मौर्यो सासको द्वारा बनवाया गया था और इस किले का नाम मौर्य शासक चित्रांगदा मोरी के नाम पर रखा गया था.
- आपको जानकर हैरानी होगी इस किले के परिसर में लगभग 65 ऐतिहासिक निर्मित संरचनाएं जैसे मंदिर, महल, जलाशय, स्मारक इत्यादि बनाएं गए थे.
- चित्तौड़गढ़ किले में कुल साथ द्वार बनाएं गए थे जो प्राचीन समय में रात्रि के समय बंद कर दिए जाते थे.इन द्वारा पर लगे विशाल किवाड़ (दरवाजे) आज भी इस किले की मजबूती की गवाई देते है.
- प्राचीन समय में इन दरवाजो का नाम मुख्यता प्रथम पड़नपोल,दूसरा भैरव पोल, तीसरा हनुमान पोल, चतुर्थ गणेश पोल, पंचम जोरला पोल, छटा लक्ष्मण पोल व सातवे दरवाजे को राम पोल के नाम से जाना जाता था.
- इन दरवाजो के संदर्भ में कहाँ जाता है की प्राचीन समय में प्रत्येक दरवाजे पर द्वारपाल व पहरेदार 24 घंटे दरवाजो की निगरानी करते थे c प्रत्येक दरवाजे पर बड़े बड़े घंटे टाँगे गए थे जिन्हे बजा कर दरवाजो को खोला और बंद किया जाता था.
- इस किले में कई मंदिर स्थापित हैं जैसे कलिका मंदिर, जैन मंदिर, गणेश मंदिर, सम्मिदेश्वरा मंदिर, नीलकंठ महादेव मंदिर और कुंभश्याम मंदिर आदि
- इस किले के परिसर में बनाया गया पद्मिनी महल एक छोटे सरोवर के निकट स्थित बहुत ही खूबसूरत महल है.इस महल के अंदर सीसे कि नकाशी कि गई है जो दिखने में बेहद खूबसूरत लगती है.
- आपको जानकर हैरानी होगी चित्तौड़गढ़ किले में आज भी 22 जलनिकाय मौजूद है.इन जल निकायों में पानी का श्रोत्र प्राकृतिक भूमिगत जल और वर्षा से प्राप्त जल के द्वारा होता है.
- चितौड़गढ़ किले में बनाया गया भीमला जल भंडार भारत के प्राचीन इतिहास को समेटे हुए है. ऐसा माना जाता है पांडवो में भीम ने जमींन पर अपने हाथ के वार से पानी निकाल दिया था और भूमि के जिस हिस्से से पानी निकला उसे भीमला के नाम से जाना जाता है.
- चित्तौड़गढ़ किले के खम्बो पर की गई खूबसूरत चित्रकारी प्राचीन कलाकारी का उत्कृट नमूना है. ऐसा कहा जाता है इस चित्रकारी को बनाने में 10 वर्षो का समय लगा था.
- आपको जानकर हैरानी होगी इस किले में आज भी लोग निवास करते है.उदाहरण के तोर पर चितौड़गढ़ किले में लगभग 20000 लोग रहते है.
- यह किला राजस्थान के शासक राजपूतों, उनके साहस, बड़प्पन, शौर्य और त्याग का प्रतीक है
- राजस्थान में मनाया जाने वाला जोहर मेला इसी किले में मनाया जाता है.
- चित्तौड़गढ़ का किला अपनी स्थापत्य कला, निर्माण शैली व पर्यटक स्थलों जैसे महल, जलाशय, स्तंभ, इत्यादि के लिए विश्व भर में प्रसिद्व है.हर साल देश-विदेश सैलानी इस किले को देखने राजस्थान आते है.
- राजस्थान के पर्यटन विभाग द्वारा चितौड़गढ़ किले में बेहद खूबसूरत लाइटिंग की गई है जो रात के समय इस किले की खूबसूरती में चार चाँद लगा देती है.
- चितौड़गढ़ किले को यूनेस्को द्वारा साल 2013 में वर्ल्ड हेरिटेज साइट में शामिल किया गया था.